Page 11

खेल

सोन वर्षा वाणी

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, श्रावण, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • शुक्रवार • 06 दिसम्बर 2024 • वर्ष 26 • अंक 355 • पृष्ठ 12

जूनियर एशिया कप : भारत ने जीता जूनियर एशिया कप का खिताब

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान हित में उठाए मजबूत कदम : मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 77,890	₹92,000

आज का इतिहास

- 2008 : मिलावटी भोजन की पहचान के बाद आयरलैंड गणराज्य अपने सभी आयरिश पोर्क उत्पादों को वापस बुलाता है।
- 2009 : एक एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति को अपनी पत्नी को वायरस पर जानबूझकर पारित करने की कोशिश करने के लिए दोषी ठहराया जाता है, न्यूजीलैंड में पहली बार इस तरह के मामले की सूचना दी जानी चाहिए।

न्यूज बाइट्स

बीपीएससी 70वीं में नहीं लागू होगा नॉर्मलाइजेशन

पटना (नि.सं.)। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं होगा।नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ कल पटना में बीपीएससी ऑफिस के बाहर बड़े प्रदर्शन की तैयारी है। परीक्षा से पहले ही नॉर्मलाइजेशन को लेकर विरोध होना शुरू हो गया था। 13 दिसंबर को राज्य में 925 परीक्षा केंद्रों पर एग्जाम होगा। 4 लाख 80 हजार कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल होंगे। बीपीएससी के सचिव सत्य प्रकाश शर्मा ने दैनिक भास्कर से कहा है कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं होगा। इसको लेकर अफवाहें उड़ाई जा रही हैं। आयोग को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। बीपीएससी के सचिव सत्य प्रकाश शर्मा ने कहा कि हमने कब कहा है कि इस परीक्षा में 1% स्टूडेंट का रिजल्ट आता है। बाकी लोगों का तो रिजल्ट नहीं आता है। इस वजह से वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। परीक्षा में प्रश्नों के चार सेट का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी सेट अलग-अलग होंगे। इनके रंग भी अलग-अलग होंगे। हालांकि परीक्षा में किसी एक ही सेट को यूज़ किया जाएगा। कैंडिडेट्स की ओर से शुक्रवार को नॉर्मलाइजेशन को लेकर बड़ा आंदोलन होने वाला है। इसे लेकर सत्य प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्रदर्शन करने दीजिए, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई मतलब नहीं होता है।

महाराष्ट्र के तीसरी बार मुख्यमंत्री बने देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (महाराष्ट्र) (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार की शाम मुंबई के आजाद मैदान में तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। फडणवीस के अलावा एनसीपी के अजित पवार और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे राज्य के डिप्टी सीएम बनेंगे। पिछले ढाई सालों तक एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री रहे, जबकि फडणवीस और अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की जिम्मेदारी संभाली। 23 नवंबर को आए महाराष्ट्र के नतीजों में महायुति गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 230 सीटें जीत लीं। बीजेपी 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जिसके बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

बिहार में बिगड़ते प्रदूषण और गिरते वायु गुणवत्ता सूचकांक को लेकर राज्य सरकार सख्त

पराली जलाने वाले किसान तीन साल सरकारी योजना से बैन : कृषि मंत्री

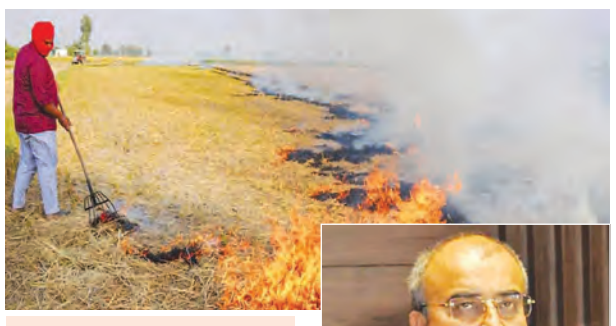

- बिहार में शराब का पता लगाने वाले ड्रोन अब पराली जलाने की निगरानी भी करेंगे

निज संवाददाता | पटना

पराली जलाने की वजह से बिहार में बिगड़ते प्रदूषण और गिरते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को लेकर राज्य सरकार काफी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। कृषि मंत्री मंगल पांडे ने सरकार की इस संबंध में घोषित नीति को दोहराया है और चेतावनी दी है कि जो किसान पराली जलाता पाया जाएगा, उसे अगले तीन साल के लिए सरकारी योजनाओं के लाभ लेने से बैन कर दिया जाएगा। कृषि के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय भी संभाल रहे भाजपा नेता मंगल पांडेय ने कहा है कि ऐसे किसानों को कृषि विभाग की किसी भी योजना का लाभ तीन साल तक नहीं मिलेगा। बताते चलें कि बिहार में पराली जलाने पर किसानों का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) का रजिस्ट्रेशन तीन साल के लिए रद्द कर दिया जाता है। ऐसे किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पैसा मिलना तीन साल के लिए बंद हो जाता है। उनकी फसल भी पैक्स नहीं खरीदता है। इसके अलावा भी किसानों की सहायता के लिए सरकार की जो योजनाएं हैं, उनका लाभ तीन साल के लिए उन्हें मिलना प्रतिबंधित हो जाता है। इन किसानों पर सरकार मुकदमा भी दर्ज कराती है।

विश्व मृदा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मंगल पांडे ने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता में लगातार कमी आ रही है और यह बेहद खतरनाक संकेत है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वो मिट्टी के स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहें। मंत्री ने कहा कि खेतों में कार्बन की भी कमी हो रही है। उर्वरक के अंधाधुंध इस्तेमाल से भी खेतों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्वस्थ मिट्टी और स्वस्थ अनाज से ही स्वस्थ समाज की परिकल्पना साकार हो सकती है।

किसान खेत कटाई करने से पहले लेंगे शपथ

बिहार में लगभग हर जिले में जिला के कलेक्टर ने धान की कटाई से पहले पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की थी और सभी हार्वेस्टर मशीन वालों को आदेश दिया था कि वो किराए पर जिस किसान की खेत में कटाई करेंगे, उनसे पहले शपथ पत्र लेंगे कि वो पराली नहीं जलाएगा। इसके बावजूद राज्य में पराली जलाने के मामले हर तरफ से सामने आ रहे हैं। सासाराम के करगहर में सोमवार को पराली जलाने के दौरान झुलसने से एक किसान की मौत भी हो गई थी। कई जगहों पर पराली जलाने से बगल की खेत में लगे अरहर या दूसरे फसल के नुकसान से लड़ाई-झगड़े की भी खबर आ रही है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा

बिहार के कालूघाट आईएमटी को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

निज संवाददाता | पटना

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा.अ.ज.प्रा.) द्वारा निर्मित इंटरमॉडल टर्मिनल (आईएमटी) को 'संधारणीय अवसंरचना परियोजना' के तहत उच्चतम सम्मान प्राप्त हुआ है। इसे ऊर्जा अनुसंधान संस्थान और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से पांच सितारा 'ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट' से सम्मानित किया गया। यह मान्यता टिकाऊ विकास के क्षेत्र में आईएमटी कालूघाट की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह इंटरमॉडल टर्मिनल, राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा नदी) पर जल परिवहन में सुधार के लिए विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) का हिस्सा है। 82.48 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, यह टर्मिनल उत्तर बिहार के भीतरी इलाकों और नेपाल तक एक्सिम कार्गो परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका वार्षिक क्षमता 77,000 टीईयू है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकेत देता है। ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट (के तहत पांच सितारा मान्यता प्राप्त करना न केवल पर्यावरणीय स्थिरता बल्कि टिकाऊ निर्माण और ऊर्जा उपयोग को भी दर्शाता है। टर्मिनल के निर्माण में रीसाइकिल सामग्री जैसे फाइबर, ग्लास, पेंट और सैनिटरी फिक्स्चर का उपयोग किया गया। जल पुनर्चक्रण के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और संचालन के दौरान अक्षय ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता दी गई। निर्माण के दौरान अपशिष्ट सामग्री का उपयोग इस परियोजना की एक अनूठी विशेषता है। कालूघाट आईएमटी के निर्माण के दौरान टिकाऊ निर्माण सामग्री और अपशिष्ट प्रबंधन मानकों का पालन किया गया। टिकाऊ साइट नियोजन, ऊर्जा अनुकूलन और जल प्रबंधन जैसे कदमों ने इसे 'ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर' का एक उत्कृष्ट उदाहरण बना दिया। इस परियोजना ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के जलमार्ग विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के मार्गदर्शन में यह परियोजना भारत के विकासशील जलमार्ग दृष्टिकोण का प्रतीक है। भा.अ.ज.प्रा. ने न केवल जलमार्गों के आधुनिकीकरण बल्कि जलवायु-लचीले और समावेशी आईडब्ल्यूटी (आंतरिक जल परिवहन) के निर्माण के लिए भी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस उपलब्धि ने कालूघाट को अंतरराष्ट्रीय जल परिवहन के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। यह परियोजना न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

भविष्य की संभावनाएं

आईएमटी कालूघाट केवल एक टर्मिनल नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक विकास का एक मजबूत स्तंभ है। यह राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर गंगा नदी की क्षमता को बढ़ाने और देश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को हरित और टिकाऊ बनाने में मदद करेगा। इसके माध्यम से जल परिवहन को और अधिक किफायती, टिकाऊ और सरल बनाने की योजना है।

रेल मंत्री ने रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन का किया निरीक्षण, कहा

ये मशीनें नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाएंगी : अश्विनी

एजेंसी | नई दिल्ली

रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरूवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री ने ट्रैक रखरखाव के लिए ट्रैकमैन एवं अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, इससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम क्या है?

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (आईटीएमएस) एक ऐसा सिस्टम है, जो ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) पर लगाया जाता है। यह 20-200 किमी/घंटे की गति सीमा में ट्रैक के पैरामीटर्स को रिकॉर्ड और मॉनिटर करने की क्षमता रखता है। आईटीएमएस विभिन्न तकनीकों को जोड़कर रेलवे ट्रैक के पैरामीटर्स की मॉनिटरिंग और माप करता है, जिससे रेल संचालन सुरक्षित और कुशल बनता है।

झारखंड में कैबिनेट विस्तार : हेमंत सोरेन की टीम-11 में 6 नए चेहरे, दो महिला को मिली जगह

निज संवाददाता | रांची

झारखंड में कैबिनेट विस्तार हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कैबिनेट के 11 सदस्यों ने गुरुवार (5 दिसंबर) को शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राजभवन के अशोक उद्यान में प्रोटेम स्पीकर (कार्यकारी अध्यक्ष) और हेमंत सोरेन कैबिनेट के 11 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन की कैबिनेट में 6 नए चेहरों को शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में 2 महिला को भी शामिल किया गया है। दोनों कांग्रेस के कोटे से हैं। शिल्पी नेहा तिर्की पहली बार मंत्री बनीं हैं। दीपिका पांडेय सिंह को पिछली बार हुए कैबिनेट विस्तार में हेमंत सोरेन की कैबिनेट में जगह मिली थी। एक बार फिर उन्हें मंत्री बनाया गया है। सबसे पहले राधाकृष्ण किशोर और सबसे अंत में शिल्पी नेहा तिर्की को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। हफीजुल हसन अंसारी को छोड़ सभी मंत्रियों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। मधुपुर के विधायक हफीजुल अंसारी ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली। मुख्यमंत्री के आने के 4 मिनट बाद 12:49 बजे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शपथ ग्रहण समारोह स्थल पहुंचे। सबसे पहले राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राज्यपाल के आदेश से मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह शुरू हुआ। सबसे पहले षष्ठम झारखंड विधानसभा के लिए प्रो स्टीफन मरांडी को राज्यपाल संतोष गंगवार ने विधानसभा के अध्यक्ष के चयन तक सदन का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। इसका आदेश मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल ने प्रो स्टीफन मरांडी को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए 2 नंबर गेट से 12:45 बजे सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन के साथ राजभवन के अशोक उद्यान पहुंचे।

हेमंत सोरेन की कैबिनेट में ये 11 लोग बने मंत्री

राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार, शिल्पी नेहा तिर्की

राज्य के सात जिलों में पर्यटन स्थलों का होगा अध्ययन

पटना (नि.सं.)। राज्य के सात जिलों में पर्यटन को बढ़ावा देने और ऐसे स्थलों पर निवेश की संभावना तलाशी जाएगी। इसका अध्ययन करने के लिए विधानसभा की पर्यटन उद्योग समिति की टीम इन जिलों की यात्रा करेगी। टीम इस दौरान घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के उपाय खोजेगी। विधानसभा की टीम जिन जिलों की यात्रा करेगी, उनमें समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी, मधेपुरा, किशनगंज और अररिया शामिल हैं। टीम को नौ दिसंबर तक यात्रा पूरी करनी है। इस दौरान यहां पर्यटन उद्योग से संबंधित संभावनाओं, पर्यटन स्थलों का विकास एवं उन्नयन के उपाय तलाशेगी।

जमीन मालिकों और सर्वेकर्मियों को दी बड़ी राहत

सभी राजस्वकर्मियों को मिलेगा कैथी लिपि का प्रशिक्षण

निज संवाददाता | पटना

राज्य में जमीन के पुराने दस्तावेज कैथी लिपि में मौजूद हैं। इससे इन दस्तावेजों के अनुवाद और डिजिटलीकरण में समस्या आती है। इसके मद्देनजर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इस लिपि में एक पुस्तिका तैयार की है। गुरुवार को इसका विमोचन विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने किया है। इस दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी राजस्वकर्मियों को कैथी लिपि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रीकक्ष में आयोजित विमोचन समारोह में डॉ. जायसवाल ने कहा कि विभाग के स्तर से सात जिलों पश्चिम चंपारण, दरभंगा, समस्तीपुर, सीवान, सारण, मुंगेर एवं जमुई के बंदोबस्त कार्यालयों में पदस्थापित विशेष सर्वेक्षण कर्मियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब राज्य के बचे हुए सभी जिलों में भी कैथी लिपि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभाग की इस पहल से राज्य के वैसे सभी रैयत भी लाभान्वित होंगे, जिनके पास भू- स्वामित्व से संबंधित पुराने दस्तावेज कैथी लिपि में हैं। इसके आधार पर ही उनकी भूमि के स्वामित्व का निर्धारण वर्तमान सर्वे की प्रक्रिया में किया जाना है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस पुस्तक की मदद से राजस्व कर्मचारियों को जमीन के पुराने दस्तावेज खासकर जो कैथी लिपि में लिखे हुए हैं, उन्हें समझने में आसानी होगी।

46 अभ्यर्थियों को निःशुल्क मिली प्रतियोगी परीक्षा की स्टडी किट

पटना (नि.सं.)। श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत अवर प्रादेशिक नियोजनालय की ओर से बेरोजगार युवाओं को नियोजन सहायता उपलब्ध कराने के लिए टूल किट व स्टडी किट निःशुल्क वितरण किया गया। बेली रोड स्थित नियोजन भवन में नियोजन सेवा का विस्तार कार्यक्रम के तहत नियोजनालय में निबंधित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित छह अभ्यर्थियों को स्वरोजगार के लिए संबंधित ट्रेड की टूल किट निःशुल्क उपलब्ध करायी गयी। साथ ही नियोजन सह मार्गदर्शन कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले नियोजनालय में निबंधित कुल 46 अभ्यर्थियों को संबंधित परीक्षा की पुस्तकें स्टडी किट के रूप में निःशुल्क उपलब्ध करायी गयीं। कार्यक्रम में श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद ने टूल किट व स्टडी किट का वितरण किया।

सीएचओ परीक्षा फर्जीवाड़े में 47 आरोपियों में 18 नालंदा के, 12 ऑनलाइन सेंटर सील

निज संवाददाता | पटना

ईओयू ने सीएचओ बहाली परीक्षा मामले में बड़ी कार्रवाई की है। 12 ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों को सील कर दिया है। खगौल, दानापुर, पटना सिटी और न्यू बाइपास इलाके के केंद्रों पर छापेमारी हुई। जहां से परीक्षा माफिया, सेंटर संचालक, परीक्षा नियंत्रक और केंद्र अधीक्षक को गिरफ्तार किया है। अभ्यर्थी समेत कुल 36 गिरफ्तार हुए हैं। सभी को जेल भेज दिया गया है। 11 अन्य भी आरोपी बनाए गए हैं। 47 आरोपियों में 18 नालंदा जिले के हैं। 10 पटना जिले से हैं। अन्य बेगूसराय, भागलपुर, सहरसा, सीवान, सारण, भोजपुर, नवादा और वैशाली जिलों के हैं। पुणे की कंपनी वी शाइन टेक को परीक्षा करानी थी। ईओयू ने कंपनी के ऑडिटर तारकेश्वर राय और आईटी स्टाफ विश्वजीत कुमार को भी जेल भेज दिया है। रविवार को परीक्षा शुरू होने के पहले ही पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी थी।

बिहार सरकार

उप मुख्यमंत्री
बिहार

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि बिहार गृह रक्षा वाहिनी **दिनांक 06 दिसम्बर, 2024** को अपना स्थापना दिवस मना रहा है।

बिहार गृह रक्षा वाहिनी अपने स्थापना काल से ही आंतरिक शान्ति, विधि–व्यवस्था संधारण एवं यातायात व्यवस्था में पुलिस बल के साथ कंधा से कंधा मिलाकर, निष्काम सेवा–भाव के साथ, समाज एवं राष्ट्र की सेवा में तत्पर रही है। आपदा–प्रबंधन एवं आवश्यक सेवाओं को बनाये रखने में भी इस संगठन की भूमिका प्रशंसनीय है।

मुझे पूर्ण विश्वास है, कि गृह रक्षा वाहिनी संगठन, अपने घोषित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित होकर समाज एवं राष्ट्र की सेवा में अपने कर्म–पथ पर अग्रसर होता रहेगा।

मैं इस अवसर पर संगठन के सभी सदस्यों के मंगलमय भविष्य की कामना करता हूँ तथा हार्दिक शुभकामना व्यक्त करता हूँ।

(विजय कुमार सिन्हा)

PR. No. 014128 (Home)D. 2024-25

न्यायमूर्ति मनमोहन की नियुक्ति से उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या हुई 33

मनमोहन ने ली उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ

एजेंसी | नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ली। यह शपथग्रहण समारोह उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें न्यायमूर्ति मनमोहन को शपथ दिलाई गई। इस नियुक्ति के बाद उच्चतम न्यायालय में अब 34 में से 33 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई है। इस मौके पर शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के अलावा कई वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नवंबर में मुख्य न्यायाधीश खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति मनमोहन को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस सिफारिश पर अपनी स्वीकृति दी, और तीन दिसंबर को केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति मनमोहन का कानूनी करियर विशेष रूप से प्रशंसनीय रहा है। उन्होंने 13 मार्च, 2008 को दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं शुरू कीं।

व्यक्तिगत जीवन और शिक्षा

न्यायमूर्ति मनमोहन का जन्म 17 दिसंबर, 1962 को दिल्ली में हुआ। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे जगमोहन के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। 1987 में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की और उसी वर्ष दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए।

संक्षिप्त समाचार

3 पुलिस अवर निरीक्षक को पुलिस निरीक्षक की प्रोन्नति

गया। गया जिले में पदस्थापित तीन पुलिस अवर निरीक्षकों को पुलिस निरीक्षक में पदोन्नति मिली है। बुधवार को एसएसपी आशीष भारती ने अपने कार्यालय में पीपिंग समारोह कर तीनों अधिकारियों को सम्मानित किया। प्रोन्नत होने वाले अधिकारी फतेहपुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह, में थानाध्यक्ष आलोक रंजन व पुलिस लाइन में पदस्थापना की प्रतीक्षा में रहे विनय कृष्ण प्रसाद हैं। तीनों अधिकारियों को एसएसपी द्वारा पीपिंग समारोह में बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

झारखंड सीमा से सटे रेगैनी जंगल से महुआ शराब लदी पिकअप जब्त

फतेहपुर। गुरपा थाना क्षेत्र के रेगैनी जंगल से पुलिस ने बुधवार को एक पिकअप महुआ शराब जब्त की है। पिकअप पर लदे बोरों में चाइनीज पॉलीथिन में पैक 1600 लीटर महुआ निर्मित शराब रखा था। शराब लदी पिकअप को जंगल में पेड़ की टहनियों से छिपाकर रखा था। तस्कर इसे रात के अंधेरे में यहां से ले जाने की योजना बना रखी थी जिसे गुरपा पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शराब लदी पिकअप को पकड़ उनकी इस योजना को विफल कर दिया। गुरपा थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि झारखंड इलाके से गुरपा गुरपा के रास्ते पिकअप में लाद कर शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। शराब लदी पिकअप को रेगैनी जंगल में छिपाकर रखा गया है। उन्होंने बताया सूचना मिलते ही वे पुलिस बल के साथ रेगैनी जंगल की ओर कार्रवाई के लिए निकल पड़े। रेगैनी जंगल में तलाशी के दौरान एक जगह पर पेड़ की टहनियों से ढका एक पिकअप जब्त किया गया। पिकअप में बंधे तिरपाल को हटाकर बोरों की जांच की गई तो उसमें से चाइनीज पॉलीथिन में पैक महुआ निर्मित शराब बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि पिकअप में लदे बोरों में 1600 लीटर महुआ निर्मित शराब पाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब लदी पिकअप को जब्त कर थाना लाई गई।

किसी ने हैट्रिक तो किसी ने चौथी दफा जीत का लहराया परचम

डुमरिया। प्रखंड क्षेत्र में अधिकांश पंचायतों के पुराने पैक्स अध्यक्षों पर ही जनता ने भरोसा जताया। कोई हैट्रिक लगाने में सफल रहा तो कोई दूसरी और चौथी दफा जीत का परचम लहराया। पुराने चेहरों में शामिल मंझौली पंचायत से रेनू सिंह 138 वोट से विजय हुई। छकरबंधा पंचायत से सत्येंद्र यादव, भंगिया पंचायत से अशोक कुमार, भोखहा पंचायत से जयराम प्रसाद, नारायणपुर पंचायत से राजेश प्रसाद, पनकारा पंचायत से सबलू कुमार, कोल्हूबार पंचायत से अजय यादव और काचर पंचायत से रामप्रसाद यादव विजयी रहे। प्रखंड क्षेत्र में अध्यक्ष पद के लिए 10 उम्मीदवार मैदान में थे। जिसमें शेवरा पंचायत से रविंद्र कुमार और महुड़ी पंचायत से विविध भारती निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए।

मानपुर हुसैन क्लब की टीम सेमीफाइनल में पहुंची

गया। शहर के गांधी मैदान स्टेडियम में गया जिला फुटबॉल संघ के बैनर तले चल रहे लीग मैच में बुधवार को जूनियर डिवीजन का आखिरी मैच खेला गया। आखिरी मैच मानपुर हुसैन क्लब बनाम अब्दुल रहीम मेमोरियल के बीच हुआ। इस मैच में मानपुर की टीम ने 2-0 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंची। संघ के सचिव खतीब अहमद ने बताया कि पहले हाफ में मानपुर हुसैन क्लब के खिलाड़ी मो. इमरान ने टीम के लिए पहला गोल किया। वहीं दूसरे हॉफ में मानपुर के खिलाड़ी मो. अफरोज ने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 2-0 किया। मैच समाप्ति यह यही स्कोर रहा। इस जीत के साथ मानपुर की टीम सेमी फाइनल में पहुंच गई। यह मैच ग्रुप बी के सेकंड टीम संगम फुटबॉल क्लब और ग्रुप ए की टॉप टीम मानपुर हुसैन क्लब के बीच होगा।

रेल यूनियन चुनाव : पहले दिन पड़ा 178 वोट

फतेहपुर। फतेहपुर पहाड़पुर स्टेशन के पीडब्ल्यूआई ऑफिस में बनाए गए मतदान केंद्र पर बुधवार को पहला दिन 178 रेलकर्मियों ने मतदान किया। यहां निर्धारित समय सुबह आठ बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गई और शांतिपूर्ण माहौल में रेलकर्मियों ने मतदान किया। मतदान शाम छह बजे तक चला। यहां गुरुवार को दूसरे दिन भी मतदान होना है। चार से छह दिसंबर तक तीन दिन चलने वाले मनपसंद यूनियन का चुनाव बुधवार को पहाड़पुर स्टेशन के पीडब्ल्यूआई बिल्डिंग में बनाए गए बूथ पर शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुआ। चुनाव अधिकारी एई गझंडी विशाल कुमार ने बताया कि पहाड़पुर स्टेशन के पीडब्ल्यूआई ऑफिस में बनाए गए बूथ पर मतदाताओं की कुल संख्या 416 है। इनमें से यहां पहला दिन बुधवार को 178 रेलकर्मी मतदाताओं ने शांतिपूर्ण माहौल में अपना मतदान किया। इसमें 8 महिला रेलकर्मी मतदाता शामिल हैं। मतदान सुबह आठ बजे से शाम शाम छह बजे तक चला। उन्होंने बताया कि पांच दिसंबर को भी यहां मतदान जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि तीन दिन चलने वाले चुनाव में चार और पांच दिसंबर को सभी विभाग और कटेगरी के कर्मचारी मतदान करेंगे। जबकि छह दिसंबर को सिर्फ वैसे रनिंग कर्मचारी यानी लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर को वोटिंग का मौका दिया गया है जो चार और पांच दिसंबर को ड्यूटी के कारण मुख्यालय से बाहर रहे होंगे। ये कोडरमा स्टेशन पर बनाए गए बूथ पर मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर को वोटों की गिनती होगी। उसी दिन पूर्व मध्य रेलवे जोन की मान्यता प्राप्त यूनियन के नाम की घोषणा होगी। उन्होंने बताया कि जोनवार यूनियन का चुनाव हो रहा है। साथ ही 17 में से 10 जोन में जीत दर्ज करने वाले फेडरेशन को राष्ट्रीय स्तर पर रेलकर्मियों के प्रतिनिधित्व की मान्यता दी जाएगी। ये छह यूनियन है चुनाव मैदान में खड़े रेल यूनियन के चुनाव में छह यूनियन चुनाव मैदान में खड़े हैं। इन यूनियनों में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन, ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस, ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस और स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन शामिल है।

पेंडिंग रिजल्ट व कुव्यवस्था को ले एबीवीपी की महापंचायत

मानपुर। मगध विश्वविद्यालय के अंगीभूत जेजे कॉलेज में व्याप्त समस्याओं के निदान के लिए बुधवार को एबीवीपी द्वारा कॉलेज परिसर में छात्र महापंचायत का आयोजन किया गया। कॉलेज अध्यक्ष आयुष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के रवैए से छात्र बेहद परेशान है। अभी तक वर्ष 2020 से 23, वर्ष 2021 से 24और वर्ष 2022 से 25 का रिजल्ट पेंडिंग है। टीआर जारी नहीं होने से छात्रों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि 2022 से 25 में छात्रों के एडमिट कार्ड में त्रुटियों की भरमार है।नतीजतन छात्रों को पार्ट टू का फॉर्म भरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर नंदनी कुमारी, मैक्स अवस्थी, दक्षिण बिहार प्रांत सह मंत्री मंतोष सुमन, सूरज सिंह, पशुपति नाथ उपमन्यु, पवन मिश्रा, रितिक रौशन, हर्ष कुमार, सूर्य प्रताप शाश्वत, आदित्य मिश्रा, उत्तम, मृत्युंजय, पंकज, मुस्कान, अनामिका, ट्विंकल, दिव्या, बालमुकुंद आदि शामिल थे।

अम्बेडकर छात्रावास में मेस संचालन के लिए भोजशाला समिति गठित

छात्रों को मिलेगी मेस की सुविधा, खाना बनाने से मिलेगा छुटकारा

निज संवाददाता। नालंदा

बिहारशरीफ शहर के खंदकपर मोहल्ला स्थित डॉ. भीमराव आम्बेडकर राजकीय कल्याण छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए मेस की सुविधा उपलब्ध कराने की रणनीति बनाई गई है। मेस के सफल संचालन के लिए भोजशाला समिति गठित कर ली गई है। जिससे खाना खाने की परेशानी से छात्रों को छुटकारा मिलेगा। साथ ही वो पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। छात्रावास अधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि इस छात्रावास में दो भवन हैं। पुराने भवन में 50 और नये भवन में 200 विद्यार्थियों के रहने की सुविधा है। जी-प्लस 3 भवन में कुल 25 कमरे हैं। हर कमरे में आठ-आठ विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। छात्रों के लिए स्मार्ट क्लास व ई-लाइब्रेरी की सुविधा के साथ ऑनलाइन पढ़ाई का भी इंतजाम है। जिसमें इंटरमीडिएट से पीजी तक के विद्यार्थी छात्रावास में रहकर कर पढ़ाई कर रहे हैं। हॉस्टल के छात्रों को हर माह खाद्यान्न के रूप में नौ किलो चावल और छह किलोग्राम गेहूं उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही अन्य सामग्रियों के लिए एक हजार रुपए अनुदान के रूप में दिया जा रहा है। अधीक्षक ने बताया कि इस साल डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय कल्याण छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले 14 विद्यार्थी बिहार पुलिस भर्ती की प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता पाया है। कई विद्यार्थी अन्य सरकारी सेवाओं में कई पदों पर कार्यरत हैं। छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए ऑनलाइन पढ़ाई कराने की पुख्ता व्यवस्था है। पुस्तकालय की सुविधा रहने से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने में बल मिल रहा है।

सीसीटीवी से रखी जाती है निगरानी: छात्रावास की सभी गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाती है। आने-जाने वाले अभिभावकों व अन्य की इंट्री रजिस्टर की व्यवस्था है। साथ ही, छात्रों को भी हॉस्टल छोड़ने से पहले एंट्री करते वक्त रजिस्टर पर एंट्री कराई जाती है। छात्र किस काम से बाहर जा रहे हैं, पंजी में इसका उल्लेख करना अनिवार्य है। हॉस्टल 250 छात्रों की आवासन की व्यवस्था है। छात्रावास में इंटरमीडिएट के 75, स्नातक के 150, तो पीजी के 25 छात्रों के आवासन की सुविधा है। विभागीय पोर्टल के माध्यम से नामांकन लिया जाता है। एसीडीओ काजले वैभव नीतीन और रोटरी क्लब के माध्यम से हाल ही में छात्रों के लिए खेल सामग्रियां उपलब्ध कराई गई है। हॉस्टल की साफ-सफाई के लिए एजेंसी चयनित है। एजेंसी के माध्यम से हर दिन हॉस्टल की साफ-सफाई कराई जाती है।

नालंदा जूनियर क्रिकेट लीग में नालन्दा-E जीता

निज संवाददाता। नालंदा

- 145 रनों से मैच जीता, टीम-D का भी रहा अच्छा प्रदर्शन

बिहार शरीफ में आयोजित नालंदा जिला जूनियर क्रिकेट लीग (NDJL-2024) के मध्य दो रोमांचक मैच खेले गए, जिनमें नालंदा-D और नालंदा-E ने अपने-अपने मैच में शानदार जीत हासिल की। पहले मैच में D और G के बीच हुई प्रतिस्पर्धा में, नालंदा D ने अपनी बल्लेबाजी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। टीम के विनीत ने 44 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि रौनक ने 40 रन बनाए। टीम के अन्य बल्लेबाजों विराट यादव (15 रन) और आदित्य (14 रन) ने भी अपना योगदान दिया। गेंदबाजी में रौशन, सुमित और दीपक ने 2-2 विकेट लेकर अपनी टीम को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। नालंदा D ने 21 रनों से जीत हासिल की।

नालंदा-E का दमदार प्रदर्शन: दूसरे मैच में B और E के बीच हुई प्रतियोगिता में नालंदा-E ने पूरी तरह से प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने 20 ओवर में महज तीन विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। प्रियांशु के नाबाद रहते हुए 63 रन, प्रवीण कुमार (35 रन), नीरज (31 रन) और लक्की (30 रन) ने टीम के स्कोर में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जवाब में नालंदा B की टीम महज 48 रन पर ऑल आउट हो गई, जिससे नालंदा E ने 142 रनों से शानदार जीत दर्ज की। मैचों में पवन और शिवम जैसे गेंदबाज अपने प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से चर्चा में रहे। अंपायरों मनीष राज, अंकित, मो हैदर और क्षितिज ने मैचों का निष्पक्ष संचालन किया।

गया एयरपोर्ट पर बढ़ेगी फ्लाइट्स की संख्या

निज संवाददाता। गया

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी की पहल पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने गया एयरपोर्ट के विस्तार और उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर सहमति जताई है। जिसको लेकर गया के लिए हवाई यात्रा जल्द ही और सुगम होने जा रही है। बुधवार को उद्योग भवन में मंत्री जीतन राम मांझी और AAI के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। मंत्री मांझी ने गया की वर्तमान स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि पटना पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यात्रियों को सड़क मार्ग से यात्रा करनी पड़ती है। जिससे उनका समय और धन दोनों बर्बाद होता है। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि इंडिगो की फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। AAI अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगले 10-15 दिनों के भीतर गया से दो अतिरिक्त फ्लाइट्स शुरू की जाएंगी। हिंडन एयरपोर्ट और चेन्नई मॉडल को देखते हुए गया एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों फ्लाइट्स के संचालन को लेकर भी चर्चा हुई।

जमीन मिलने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्गो संचालन: AAI अधिकारियों ने बताया कि अगर 20-25 एकड़ जमीन उपलब्ध हो जाती है, तो गया एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्गो संचालन भी संभव होगा। फिलहाल, यहां से केवल 1 टन सामान ले जाया जा सकता है। भूमि मिलने पर इसे 20 टन तक बढ़ाया जा सकेगा। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ई. नंदलाल मांझी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पहल से बोधगया में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का दबाव कम होगा। गया के लोग सीधी और किफायती हवाई यात्रा का लाभ उठा सकेंगे। धार्मिक और पर्यटन के लिहाज से यह कदम गया के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

11वीं जेठियन राजगीर धम्म यात्रा को लेकर DM का निर्देश, 1500 बौद्ध श्रद्धालु आध्यात्मिक यात्रा में भाग लेंगे

निज संवाददाता। नालंदा

- 13 दिसम्बर को धम्म यात्रा

नालंदा जिले के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली 11वीं जेठियन राजगीर धम्म यात्रा की सफल व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। जो ऐतिहासिक यात्रा बुद्ध धर्म के पवित्र इतिहास को जीवंत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को सुरक्षा, यातायात और कानून व्यवस्था के संदर्भ में सख्त निर्देश दिया है। इस साल भी विश्व भर से लगभग 1500 बौद्ध श्रद्धालु इस आध्यात्मिक यात्रा में भाग लेंगे। धम्म यात्रा जेठियन ग्राम से शुरू होकर लगभग 15 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए राजगीर के वेणुवन में समाप्त होती है। यह मार्ग इतिहास की धड़कन है, जहां एक समय भगवान बुद्ध ने मगध के राजा बिम्बिसार से मुलाकात की थी।

बौद्ध धर्म के गौरवशाली इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका: नव नालंदा महाविहार की ओर से आयोजित यह वार्षिक कार्यक्रम न केवल एक धार्मिक परंपरा है, बल्कि बौद्ध संस्कृति के महत्वपूर्ण इतिहास को जीवित रखने का एक प्रयास भी है। लाइट ऑफ बुद्ध धम्म फाऊंडेशन, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ जैसी संस्थाएं इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यात्रा का ऐतिहासिक महत्व इस बात में निहित है कि यह वही मार्ग है, जिस पर भगवान बुद्ध ने अपने ज्ञानोदय के बाद सारनाथ में धर्मचक्र प्रवर्तन के उपरांत राजगृह की ओर कदम बढ़ाया था। मगध के राजा बिम्बिसार ने उन्हें वेणुवन में स्वागत किया था। बाद में इसी स्थान को भिक्षु संघ को दान किया था। राजगीर में आयोजित यह धम्म यात्रा एक ऐसा अवसर है, जो बौद्ध धर्म के गौरवशाली इतिहास को आज के युवाओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

क्रिकेट प्रतियोगिता में बेगूसराय को 5 विकेट से हराया

निज संवाददाता। बेगूसराय

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग बिहार और बेगूसराय जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे राज्य स्तरीय विद्यालय क्रिकेट बालक खेल प्रतियोगिता में गया ऑल ओवर चैंपियन बन गया है। आज गांधी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में गया ने 5 विकेट से जीत हासिल की। फाइनल मैच में बेगूसराय की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 121 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बेगूसराय की ओर से जयंत ने सबसे अधिक 33 रन बनाए। गया टीम की ओर से सबसे घातक गेंदबाजी करते हुए विकास ने चार ओवर में 10 रन देकर 4 विकेट लिए, इसे मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, कुश आर्यन ने टीम के लिए 2 विकेट लिए। दूसरी पारी में लक्ष्य के जवाब में खेलने उतरी गया की टीम ने 18.4 ओवर में निर्धारित रन बनाकर 5 विकेट से जीत हासिल कर लिया। गया की ओर से अभिषेक ने शानदार 48 रन और राजकुमार ने 27 रन बनाए। वहीं, गेंदबाजी करते हुए बेगूसराय की ओर से अवनीश को मिला दो विकेट। विजेता और उपविजेता टीम को भूमि सुधार उपसमाहर्ता-सह-शारीरिक शिक्षा उपाधीक्षक ऐश्वर्य कश्यप एवं आरपीएफ बरौनी बटालियन के कमांडेंट दिगंजय शर्मा ने संयुक्त रूप से ट्रॉफी प्रदान किया। कमांडेंट ने बिहार सरकार और बेगूसराय जिला प्रशासन को इस शानदार क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों ही टीम ने शानदार खेल खेला। यहां के दर्शकों ने फाइनल मुकाबला को भरपूर इंजॉय किया, खेल में जीत और हार चलती रहती है। ऐश्वर्य कश्यप ने कहा कि खेल हमें एकजुटता और भाईचारे का संदेश देता है, अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। केंद्र सरकार और बिहार सरकार लगातार खेल को बढ़ावा दे रही है। मेडल लाओ और नौकरी पाओ की बात कर रही है। इस दौरान गौरव कुमार पाठक ने शानदार कमेंट्री से खिलाड़ियों को प्रेरित भी किया। इधर, बेगूसराय जिले की मेजबानी को पूरे बिहार की टीम ने सराहा। इस बार राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता की 6 विधाओं की सफल मेजबानी बेगूसराय ने किया। जिसके लिए जिला प्रशासन की ओर से बिहार सरकार को धन्यवाद दिया गया है। खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षकों ने दिन रात एक कर दिया था। पूरे बिहार की 38 जिले की टीम इस टूर्नामेंट में भाग ले रही थी। इस अवसर पर बेगूसराय जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मृत्युंजय कुमार वीरेश भी उपस्थित थे। टूर्नामेंट के आयोजन में विश्वजीत कुमार, अरविंद कुमार, ब्रजेश, दीपक, चिरंजीवी, शशिकांत, शुभम, रितेश और मणिकांत आदि की भूमिका सराहनीय रही।

नालंदा में अधेड़ को गोली मारकर हत्या, गांव से 1 किलोमीटर दूर ईंट भट्ठा के पास मिला शव

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के अरपा गांव में अपराधियों ने एक अधेड़ को गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक की पहचान हिलसा थाना क्षेत्र के अरपा गांव निवासी विमलेश शर्मा उर्फ लाला सिंह (55) के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि बुधवार की शाम किसी अज्ञात व्यक्ति ने विमलेश को घर से बुलाया थी। जिसके बाद अरपा-सुल्तानपुर मार्ग पर करीब 1 किलोमीटर दूर पूर्व मुखिया अजित सिंह के ईंट भट्ठा के समीप ले जाकर उन्हें सिर में गोली मार दी। गोली मारने के बाद अपराधी अपनी स्कार्पियो से भागने लगे।

करीब 3 किलोमीटर दूर परवलपुर थाना क्षेत्र में जाकर गाड़ी गड्ढे में पलट गई। जिसके बाद अपराधी स्कॉर्पियो छोड़कर मौके से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ विमलेश को इलाज के लिए हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 51–एसडीएसटीई–एएसएन–2024–25, दिनांक 04.12.2024 के तहत ई–निविदा आमंत्रण। वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल–वेबफिल निर्मिति के विभिन्न पीडी एमयूएक्स कार्ड की मरम्मत"। **निविदा मूल्य:** रु. 32,89,930.15, **बयाना राशि:** रु. 65,800/–, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 90 दिन। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 30.12.2024 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www. ireps.gov.in/**

ASN-254/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं०– डी.डी.यू/ईएल/ग०श०/ई०निविदा/2024–25/16 दिनांक: 04.12.2024

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/ग०श०/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोकनिर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची वद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं. : 01, **कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम :** सं० डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024–25/04ए विषय–डी.डी.यू. मंडल के अन्तर्गत व.अनु.अभि. डेहरी के अधीन सासाराम स्टेशन में गार्ड/ड्राइवर रनिंग रूम में पावर सप्लाई एवं वायरिंग की व्यवस्था करने के संबंध में। **कार्य करने की कुल लागत :** रू० 1061468.16, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 30.12.2024 15:00 बजे, **ई–निविदा वेब साइट का विवरण: www.ireps.gov.in**

क्र.सं. : 02, **कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम :** सं० डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024–25/05ए विषय–डी.डी.यू. मंडल के अन्तर्गत जपला के टावर वैगन शेड एवं ओएचई डिपो के उन्नयन में विद्युतीय कार्य करने के संबंध में। **कार्य करने की कुल लागत :** रू० 710743.69, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 30.12.2024 15:00 बजे, **ई–निविदा वेब साइट का विवरण: www.ireps.gov.in**

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ग०श०) पूर्व मध्य रेल, डी.डी.यू.

पीआर/01647/डीडीयू/ईजीईएन/टी/24–25/44

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं.–डी.डी.यू/ईएल/ग.श./ई. निविदा/24–25/15, दिनांक: 03.12.2024

मंडल रेल प्रबन्धक / विद्युत / ग.श./ डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ– साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड मिलिटरी इंजीनियर सर्विस लोकनिर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची बद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं. 01 : कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : डी.डी.यू/ईएल/जी/ई/24– 25/02R विषय–डी.डी.यू./ मंडल के अन्तर्गत डी.डी.यू. स्टेशन में डी आर वाई ट्रेच की खराब/जली हुई केबलों को बदलना और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार हेतु विद्युतीय कार्य करने के संबंध में। कार्य करने की कुल लागत : ₹9,02,398.58

क्र.सं. 02 : कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम:डी.डी.यू/ईएल/जी/ई/21– 22/22R1 विषय–डी.डी.यू./ मंडल के अन्तर्गत (ए) डी.डी.यू. हॉस्पिटल में आक्सिजन प्लांट हेतु डी.जी.सेट की स्थापित करने में विद्युतीय कार्य करने हेतु (बी) डीडीयू के क्रू कंट्रोलर एवं हूटर हेतु डिफएक्टिव पावर सप्लाई व्यवस्था व्यवरिंग एवं इंडोर लाइट को रिपेयर/बदलने के संबंध। कार्य करने की कुल लागत: रू.₹8,47,630.32

निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय : 27.12.2024 15:00 Hrs. ई–निविदा वेब साइट का विवरण: www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ग.श.)/ पूमरे/प दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/01644/डीडीयूजीएस/ईजीईएन/टी/24–25/44

पूर्व मध्य रेल

डीडीयू डिविजन में जेएचएन, बीएचकेएच, जीआरआरयू, पीआरवाई एवं एयूबीआर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य

खुली ई–निविदा सूचना सं०– टीआरडी–ओ०टी०–08– वाईडीआर–पीटी–1–24–25

नीचे दिये कार्य के लिए प्रमाणित अनुभवी वैद्युतिक लाईसेंस रखने वाले और वैध दस्तावेज द्वारा समर्पित सुदृढ़ वित्तीय क्षमता रखने वाले ख्यातिलब्ध ठेकेदार से ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० 1. कार्य का नाम और स्थान : डीडीयू डिविजन में जेएचएन, वीएचकेएच, जीआरआरयू, पीआरवाई एवं एयूबीआर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य, **2. अनुमानित रकम :** रू० 4,38,16,209.91, **3. बयाना राशि :** रू० 369100.00, **4. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** दिनांक 27/12/2024 को 15:00 बजे तक, **5. वेबसाईट का विवरण जहां ई–निविदा की पूर्ण जानकारी उपलब्ध है:** www.ireps.gov.in

वरीय मंडल बिजली इंजीनियर/क०वि० पूर्व मध्य रेल, डीडीयू

पीआर/01646/डीडीयू/ईजीईएन/टी/24–25/32

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 08 ऑफ 2024–25/ बीजीपी, दिनांक 29.11.2024, उप मुख्य अभियंता/निर्माण, पूर्व रेलवे, भागलपुर, इस्साचक, पी.एस. के पास, पुलिस लाइन के पीछे, ग्राम एवं डाक–भागलपुर–812001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा प्रणाली के तहत निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** निविदा सं. : बीजीपी 08 ऑफ 2024–25 (खुली)। (i) भागलपुर–नाथनगर के बीच किमी. 306/0–1 पर एलसी नं. 1/ए, (ii) मालदा मंडल के एकचारी –घोघा के बीच किमी. 279/9–280/0 पर एलसी नं. 6 (iii) अकबरनगर–सुलतानगंज के बीच किमी. 328/8–9 पर एलसी नं. 9 के स्थान में रेलवे ट्रैक पर सड़क ऊपरी पुल (आरओबी प्रॉपर एवं एप्रोचों) के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करना, जीएडी/स्ट्रक्चरल ड्रॉइंग तैयार करना, डिजाइन गणना, मिट्टी अन्वेषण, अधिग्रहण के लिए आवश्यक लैंड प्लान तैयार करना एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग ड्रॉइंग आदि। **अनुमानित मूल्य :** रु.1,09,16,788.15, **बयाना राशि:** रु.2,04,600/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 06 (छह) माह, **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 20.12.2024 को 15.00 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

CON-79/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी पर कार्रवाई, 66,410 रुपये की क्षति

विक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। बकायेदार उपभोक्ताओं एवं विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत नगर परिषद बिक्रमगंज अंतर्गत श्याम नगर के सुमित्रा देवी पति-चन्दन साह के घरेलू परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे पाया गया की इनके परिसर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर अधिष्ठापित है, जिसका उपभोक्ता संख्या 102456629 है। उक्त उपभोक्ता द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर से पहले मेन सर्विस तार में कटिंग करके एवं बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी, जिसके कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था। कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज नवदीप गोयल के द्वारा बताया गया की उक्त मीटर प्रीपेड मोड में विच्छेदित प्रदर्शित हो रहा था। इनके इस कृत्य से साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पटना को 29864 दंडित राशि लगायी गयी है। विदित हो कि पूर्व से उक्त उपभोक्ता पर विद्युत विपत्र के मद मे बकाया राशि 36546 तथा दंडित राशि 29864 दोनों को समायोजित करने के पश्चात विद्युत विभाग को 66410 रुपये राजस्व की क्षति हुई है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का सघन जांच की जा रही है। जांच में स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

शारीरिक शिक्षकों को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

सासाराम (रोहतास) (नि. सं.)। खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण,पटना तथा हॉकी इंडिया के द्वारा राजगीर में संपन्न एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप के सफल समापन के पश्चात इस प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जिले के शारीरिक शिक्षकों को खेल मंत्री बिहार सरकार सुरेंद्र मेहता एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रण शंकरण ने प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस बात की जानकारी देते हुए गांधी स्मारक उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय, पचपोखरी, नोखा शारीरिक शिक्षक विनय कुमार ने बताया कि राजगीर में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेल परिसर में संपन्न एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तथा उसके ट्रॉफी के 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले यात्रा दल के सदस्य के रूप में जिले के शारीरिक शिक्षक शामिल थे।जिसमें विनय कुमार, अरविंद कुमार सिंह, सत्येंद्र कुमार, पुश कुमार त्रिपाठी, नरेंद्र कुमार,पुनित कुमार शामिल थे। उक्त प्रतियोगिता से पूर्व ' ट्रॉफी गौरव यात्रा' 11 अक्टूबर से आरंभ होकर 10 नवंबर तक पूरे बिहार का भ्रमण करते हुए राजगीर पहुंची थी कार्यक्रम की सफलता के बाद पटना में यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दल के प्रमुख सदस्य एवं मध्य विद्यालय,थनुआ, शिवसागर के शारीरिक शिक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि बिहार में पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, थाईलैंड,मलेशिया और भारत की टीमों ने हिस्सा लिया था जिसमें भारत की टीम चैंपियन रही थी।

धीमी गति को ले प्रत्याशियों ने जताया रोष

राजपुर (रोहतास) (नि.सं.)। प्रखंड अंतर्गत छः पंचायतों में पैक्स पदाधिकारी के चुनाव मतदान के बाद प्रखंड कार्यालय परिसर में 36 घंटे चले काउंटिंग को ले प्रत्याशी आक्रोशित दिखे। पुलिस व अन्य कर्मी भी माथा पिटते नजर आये. सब यहीं जानना चाहते थे कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है पूर्व में हुए चुनाव मतगणना में शामिल रहे कई कर्मी भी ये कहते हुए मिले कि ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मामले में निर्वची पदाधिकारी सह बीडीओ रवि राज ने बताया कि प्रखण्ड कार्यालय के बाल विकास परियोजना हॉल को काउंटींग के लिए उपयोग किया गया। जगह पर्याप्त नहीं होने की वजह से हॉल में डेवलप आठ टेबल कर्मियों के सहारे एक बार में एक पंचायत का काउंटींग हुआ।

बांग्लादेश की महिलाओं के बचाव में सड़क पर उतरी भारतीय महिलाएं

निज संवाददाता | (सासाराम) रोहतास

पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू, सिख, जैन एवं बौद्धों पर लगातार हो रहे आक्रमण, अत्याचार एवं जुल्म के खिलाफ गुरुवार को जिला मुख्यालय सासाराम की सड़कों पर विशाल आक्रोश मार्च निकाला गया। राष्ट्रीय भारतीय समाज की रोहतास जिला इकाई के बैनर तले हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुषों ने शहर के रेलवे मैदान से आक्रोश मार्च निकाला तथा धर्मशाला मोड, पोस्ट ऑफिस चौराहा, कचहरी मोड, काली स्थान होते हुए शहर के अन्य प्रमुख सड़कों का भ्रमण कर आक्रोश मार्च जिला समाहरणालय के समक्ष धरने में तब्दील हो गया। इस दौरान आक्रोश मार्च में शामिल भारी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने बांग्लादेश में हिंदू परिवारों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार से इस पर तत्काल रोक लगाते हुए बांग्लादेश के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवाज बुलंद किया। हाथों में बैनर तख्ती लिए लोगों ने संयुक्त राष्ट्र संघ आगे आओ बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के हित में कदम बढ़ाओ, बांग्लादेशी हिंदुओं के सम्मान में उतरे हम मैदान में, जिहादी आतंक नहीं चलेगा नहीं चलेगा, संयुक्त राष्ट्र संघ चुप्पी तोड़ो जिहादियों पर कार्रवाई करो जैसे नारे लगाए और बांग्लादेशी मुसलमानों के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। आक्रोश मार्च में शामिल महर्षि अंजनेस ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा लगातार हमले, हत्या, लूट, आगजनी जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार हो रहे हैं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाया जा रहा है, जो अत्यंत हीं चिंता जनक है। उन्होंने कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय मसला है जिस पर संयुक्त राष्ट्र संघ तत्काल कार्रवाई करते हुए बांग्लादेश में शांति सेना भेजे और इस अत्याचार पर अंकुश लगाए।वहीं राष्ट्रीय भारतीय समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू सहित अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे अत्याचार के खिलाफ में आक्रोश मार्च निकाला गया है। राष्ट्रीय भारतीय समाज बांग्लादेश में हिंदुओं पर आक्रमण बंद करने एवं हिंदू महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार से मांग करती है और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर से ठोस कार्रवाई होनी चाहिए।इसके साथ हीं आक्रोश मार्च में शामिल जनसमूह के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी उदिता सिंह से भी मुलाकात कर अपनी मांग पत्रों का एक ज्ञापन सौंपा।बांग्लादेश संकट के खिलाफ निकाले गए आक्रोश मार्च में महिला समेत जिले के कई सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बांग्लादेश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर भारी संख्या में महिलाएं सड़क पर उतरी तथा अपनी आवाज बुलंद करते हुए सरकार से इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। वहीं इस जन आकाश मार्च को जिले के संत समाज का भी भरपूर समर्थन मिला तथा उन्होंने भी सड़कों पर उतर कर इसके खिलाफ नारेबाजी की।

नाबालिक को आरपीएफ ने चाइल्ड लाइन को किया सुपुर्द

निज संवाददाता | डेहरी आन-सोन (रोहतास)

गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक रेसुब पोस्ट। डेहरी ऑन सोन रामविलास राम के नेतृत्व में उप निरीक्षक अमरजीत दास साथ प्रधान आरक्षी एस ए सिद्दीकी डेहरी ऑन सोन स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 04-05 पर गश्त कर रहे थे। गश्त के क्रम में एक नाबालिक लड़का अकेले घूमते हुए मिला। संदेह होने पर उक्त नाबालिक लड़का से पूछने पर कुछ नहीं बता पाया।बाद उसे पोस्ट पर लाकर काउंसलिंग करने पर उसने अपना नाम एवं पता नंदलाल उरांव, उम्र करीब 12 वर्ष, पुत्र पुरन उरांव, माता रामकली देवी, निवासी अंगरा थाना पाटन जिला पलामू झारखंड बताया। आगे बताया की मैं अपने दोस्तों के साथ घूमते घूमते यहां आ गया था फिर मेरा दोस्त छोड़कर चला गया है। मैं घर नहीं देखा हु। नाबालिक लड़का से अपने माता पिता रिश्तेदार का मोबाइल नंबर पूछने पर किसी का मोबाइल नंबर नहीं बता पाया। इसकी सूचना मोबाइल के माध्यम से चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर दिया गया। सूचना पाकर चाइल्ड हेल्प डेस्क सासाराम के सुपरवाइजर संजीत कुमार सागर रेसुब। पोस्ट डेहरी ऑन सोन पर आए जिन्हें नाबालिक लड़का को उसके परिजन तक सही सलामत पहुंचाने हेतु सुपुर्द किया गया।

महंगाई बढ़ी, फिर भी एमडीएम की राशि में नहीं हुई संतोषजनक बढ़ोतरी

निज संवाददाता | चेनारी (रोहतास)

प्रखंड के प्रारंभिक स्कूलों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना को लेकर नयी दर लागू की गयी है। सरकार स्तर से जारी नयी दर पहली दिसंबर से लागू होगी। इधर सरकार स्तर से मध्याह्न भोजन योजना की नयी दर लागू होने के बाद जिले से लेकर प्रखंड क्षेत्र के शिक्षकों ने इसका स्वागत किया है, लेकिन कई शिक्षकों का यह भी कहना है कि लगातार बढ़ती इस महंगाई की तुलना में परिवर्तित नयी दर की राशि प्रति बच्चे महज ऊंट के मुंह में जीरे के फोरन जैसा प्रतीत हो रहा है। जहां सालों बाद नयी दर लागू की गयी है। जबकि, इस समय महंगाई आसमान छू रही है। हाल के माह में दाल, मसाला, तेल, नमक आदि राशन के दाम में काफी इजाफा हुआ है। साग सब्जी पर अगर नजर डालें तो लहसुन का कीमत चार सौ पार कर गयी है।साथ ही टमाटर-प्याज व अन्य हरी सब्जी पर के दामों में भी काफी उछाल आया है। इन सबके बीच कक्षा छह से आठवीं तक के प्रति बच्चे पर परिवर्तित नयी दर की राशि महज कुछ ही बढ़ायी गयी है। नयी दर के अनुसार कक्षा एक से पांचवीं तक के प्रति बच्चे के लिए प्रतिदिन की राशि 6 रुपये 19 पैसे तय किये गये हैं। कक्षा छह से आठवीं तक प्रति बच्चे प्रतिदिन परिवर्तित मूल्य की राशि अब 9 रुपये 19 पैसे किये गये हैं।इसी राशि से एचएम को प्रति बच्चे के हिसाब से जलावन, दाल, सब्जी, मशाला, तेल, नमक आदि सभी खाद्य सामग्री पर खर्च करने होते हैं। हालांकि, अंडा के लिए प्रति बच्चे पांच रुपये अलग से देने का प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि प्रखंड क्षेत्र में एक सौ से अधिक विद्यालयों में गुरुजी लोगों द्वारा बच्चों को मिलने वाली मिड डे मील यानी एमडीएम की व्यवस्था की जाती है।

बच्चों की थाली से हरी साग-सब्जी हो गयी थी गायब:- एक दिसंबर से मध्याह्न भोजन के लिए सरकार द्वारा नयी दर लागू निर्धारित किये जाने से अब बच्चों की थाली में हरी साग सब्जी भी दिखायी देने लगी है, क्योंकि लगातार सब्जियों के दाम में हो रही बढ़ोतरी के देखते हुए बच्चों के थाली से हरी साग सब्जी गायब हो गयी थी। लेकिन नयी दर लागू होने से अब थाली में हरी साग सब्जी भी दिखायी दे रही है।

प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग के समर्थन में चलाया हस्ताक्षर अभियान

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

गुरुवार को इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज रोहतास में हस्ताक्षर अभियान में प्रथम दिन इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज के सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारीगण भाग लिया। संबद्ध डिग्री महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारीयों के लिए वेतन संरचना निर्धारित कर प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग के समर्थन में शुक्रवार से हस्ताक्षर अभियान पूरे राज्य में चलाया जाएगा। इस अभियान में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारीगण ,छात्र, छात्राएं एवं अधिवक्ता, पत्रकार, किसानों, बुद्धिजीवियों आमजनों, कामगारों, जनप्रतिनिधियों आदि से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारीयों को संबोधित करते हुए डॉ बिनोद कुमार सिंह प्रधानाचार्य ने बताया कि हम सभी कर्मी गांव - गांव जाकर इस अभियान के उद्देश्य को बतायेंगे और इस हस्ताक्षर अभियान सम्मिलित करते हुए हस्ताक्षर कराया जाएगा। हस्ताक्षरित ज्ञापन देश के प्रधानमंत्री एवं बिहार के मुख्यमंत्री को फरवरी 2025 में सौंपने का कार्यक्रम बिहार राज्य सम्बद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ द्वारा निर्धारित है। सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ रविन्द्र कुमार, सचिव बिहार राज्य कर्मचारी महासंघ ने इस हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने की अपिल किया। उक्त आशय कि जानकारी डॉ0 बिनोद कुमार सिंह प्रधानाचार्य सह महासचिव वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय प्रधानाचार्य एसोसिएशन आरा संबंद्ध महाविद्यालय ने दिया।

पूर्व महाप्रबंधक की श्रद्धांजलि सभा में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया

निज संवाददाता | नोखा (रोहतास)

दिनारा प्रखंड के नदौवा ग्राम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर स्वर्गीय जगदीश प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं उनके कृतित्व की कई रूपों में विवेचना की गई। विदित हो कि स्वर्गीय जगदीश प्रसाद सिंह अपने समय के काफी मेधावी छात्र थे यही कारण है कि 1965 में इंडियन स्कूल आफ माइन्स धनबाद की परीक्षा में इन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। तत्पश्चात इनकी नियुक्ति क्षेत्र प्रबंधक के पद पर धनबाद में हुई। उसके बाद ये अपने कार्य कुशलता एवं कुशल प्रबंधन के करण अनेक पदों पर अग्रसर होते गए यह नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड मार्गेरिटा डिब्रूगढ़, असम के उप महाप्रबंधक बनाए गए। इसके बाद एशिया का सबसे प्रतिष्टित एवं सबसे बड़ा खान निगाही परियोजना नादर्न कोल फील्ड लिमिटेड, निगाही, सिंगरौली, मध्य प्रदेश के ये मुख्य महाप्रबंधक बने। ये नॉर्दर्न कोलफील्ड लिमिटेड सिंगरौली के निदेशक भी रहे। बाद में भारत सरकार के महत्वपूर्ण संस्थान सी. एम. पी. डी. आई. के निदेशक के रूप में 2003 तक कार्यरत रहे। इनकी कार्य क्षमता एवं कार्य कुशलता के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय नरसिम्हा राव द्वारा सर्वश्रेष्ठ परियोजना निदेशक के लिए तीन बार सम्मानित किया गया। सेवा निवृत्ति के पश्चात ये कई निजी कंपनियां के डायरेक्टर के रूप में सक्रिय रहे जिसमें आधुनिक ग्रुप, जनरल ग्रुप, रिलायंस ग्रुप प्रमुख है। इसके अतिरिक्त इन्होंने अनेक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेकर खनन एवं ऊर्जा उद्योग से संबंधित विषयों पर भारतवर्ष की ओर से प्रतिनिधित्व किया। इन्होंने अपने कार्यों और व्यक्तित्व के द्वारा न केवल अपने परिवार जनों का बल्कि रोहतास जिले को भी महिमा मंडित किया है ।गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा में उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अनेक वक्ताओं ने इनके जीवन के विविध पक्षों पर प्रकाश डालते हुए अपना उद्गार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राधिका रमण प्रसाद सिंह, सेवानिवृत्ति शिक्षा पदाधिकारी एवं संचालन प्रोफेसर डॉ देवेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, शांति प्रसाद जैन महाविद्यालय, सासाराम ने किया। इस अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके बड़े सुपुत्र नाइजीरिया में इंजीनियर रहे राहुल सिंह ने अपने पिता से जुड़े कई संस्मरणों को सामने रखा। उनके दूसरे सुपुत्र रोहित ने नाम आंखों से अपने पिता के तैल चित्र पर पर माल्यार्पण करने के बाद उनसे जुड़ी कई भावभीनी घटनाओं को सामने रखते हुए कहा कि वे हमारे लिए बट वृक्ष थे जिनकी छाया में हमारा विकास हुआ है। मेरे भीतर जो भी गुण आए हैं सब उन्हीं की देन है। विजय कुमार मंडल, विधायक दिनारा ने स्वर्गीय जगदीश प्रसाद सिंह के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक पदाधिकारी नहीं, कर्मनिष्ठ एवं महान समाजसेवी शख्सियत थे।पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व वरीय प्रबंधक सह पूर्व जिला परिषद सदस्य दिनारा रोहतास के डा रामनाथ सिंह ने स्व. सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने साथ उनके अंतरंग संबंध का खुलासा किया। वीरेंद्र सिंह शिक्षा पदाधिकारी ने उनके द्वारा परिवार जनों के लिए किए गए कर्तव्यों के निर्वहन को एक-एक करके गिनाया और उन्होंने कहा की मेरे सर से साया उठ गया। डा कुमुद और पल्लवी दोनों बहुओं ने स्व सिंह के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए उनके आचरण की ऊंचाई को सामने रखा। इस अवसर पर विवेकानंद, सुबोधकांत, सोनू कुमार, अरविंद कुमार, अभिषेक कुमार, शिव शंकर सिंह ,लक्ष्मण सिंह शेखर, शिव नारायण सिंह, सीमाआदि ने उनके प्रति अपना उदगार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य स्त्री पुरुषो ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में 2 मिनट मौन धारण करके उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई।

निबंध कैंप में 225 श्रमिकों का हुआ निबंधन

» बिहार राज्य के खेती में संलग्न कार्यबल के पश्चात सबसे अधिक श्रमिक निर्माण कार्यों से जुड़े हुए हैं। ऐसी पूरी संभावना है कि अभी भी बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक बोर्ड के अंतर्गत निबंधित नहीं है, इन्हें भी निबंधित करना आवश्यक है। ताकि जिला के अधिकांश निर्माण श्रमिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ सकें।

निज संवाददाता | रोहतास

निर्माण श्रमिकों के निबंधन को लेकर जिला के सभी प्रखंड क्षेत्र में श्रम विभाग के द्वारा विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है इसी के तहत गुरुवार को अकोढ़ीगोला प्रखंड के बाँक पंचायत सरकार भवन में विशेष कैंप के तहत जागरूकता-सह-निबंधन शिविर का आयोज श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रंजन कुमार की अध्यक्षता में लगाया गया। बताया कि कैंप मनरेगा पदाधिकारियों एवं कर्मियों के सहयोग से लगाया गया। कैंप में 225 श्रमिकों की उपस्थिति रही, जिसमें ऑनलाइन निबंधन हेतु 85 आवेदन, नवीनीकरण हेतु 08 आवेदन एवं योजना हेतु 02 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान बाँक पंचायत मुखिया, श्रीमती अंजनी कुमारी, वार्ड सदस्य रामचंद साह, कामता यादव प्रखंड सचिव माले, छटु सिंह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव राष्टीय लोक मोर्चा ने अपने पंचायत में आयोजित कैंप में उपस्थित श्रमिकों को कार्ड ऑनलाइन बनवाने को लेकर प्रेरित किया। श्रम अधीक्षक सुजीत कुमार ने दूरभाष पर बताया कि बीओसीडब्लू के तहत प्रत्येक प्रखंड में कैंप का आयोजन किया जा रहा है। बिहार राज्य के खेती में संलग्न कार्यबल के पश्चात सबसे अधिक श्रमिक निर्माण कार्यों से जुड़े हुए हैं। ऐसी पूरी संभावना है कि अभी भी बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक बोर्ड के अंतर्गत निबंधित नहीं है, इन्हें भी निबंधित करना आवश्यक है। ताकि जिला के अधिकांश निर्माण श्रमिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ सकें। बताया कि अगला कैंप 10 दिसंबर को बिक्रमगंज में होगा। निर्माण श्रमिकों के निबंधन को लेकर सभी प्रखंडों में विशेष कैंप लगाई जा रहे हैं। इसके अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के साथ-साथ इन शिविरों में अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर उन्हें वोट की योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी अकोढ़ीगोला, रंजन कुमार ने कहा कि वैसे सभी मनरेगा श्रमिक, निर्माण जिन्होनें पिछले एक वर्ष में कम से कम 90 दिनों तक काम किया है, वह भी बोर्ड में अपना निबंधन करवाएं। निबंधन के उपरांत मनरेगा श्रमिक भी बोर्ड की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा पाएंगे। उन्होंने श्रमिकों को आश्वस्त किया कि विभाग आपके हितार्थ सभी स्तरों पर कार्य कर रही है, जिसमें आपकी प्रमुख भागीदारी भी नितांत आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया की सारे निबंधित श्रमिक ससमय अपने कार्ड का नवीकरण ऑनलाइन कराते रहें तभी वह सारी योजनाओं के आवेदन हेतु पात्रता रख पाएंगे।

डिजिटल क्लासेस का हुआ उद्घाटन, प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगी सहायता

निज संवाददाता | तिलौथू (रोहतास)

तिलौथू में पहली बार अनुभूति क्लासेस द्वारा प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए डिजिटल क्लासेस का उद्घाटन डेहरी विधायक फतेह बहादुर के द्वारा किया गया। विधायक फतेह बहादुर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी डिजिटल बोर्ड के साथ डिजिटल क्लासरूम का लाभ उठा सकेंगे, जिसमें पढ़ाई करके अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। उन्होंने बच्चों को बताया कि मंदिर की घंटी बजाने से आपकी बुद्धि और विवेक नहीं बढ़ेगा। यदि आपको जीवन में सफल होना है तो मंदिर जाने की बजाय विद्यालय, महाविद्यालय और लाइब्रेरी में जाकर पढ़ाई करें, तभी आप सफल हो सकते हैं। अगर आपको अपने अधिकारों के बारे में जानना है, तो डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान को पढ़ें और समझें, तभी आप अपने अधिकार को पा सकते हैं, वरना मंदिर की घंटी बजाने से कुछ नहीं होने वाला है। समाजसेवी सत्यानंद कुमार ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को स्मार्ट क्लासेस की विशेषताओं से अवगत कराया और साइबर फ्रॉड, बेरोजगारी, शिक्षा में गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। अनुभूति स्मार्ट क्लासेस के संस्थापक रौशन कुमार और आदर्श कुमार ने आगंतुकों का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। उपस्थित विद्यार्थियों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने डिजिटल क्लासेस के इस प्रयास की सराहना की। छात्र-छात्राएं नई तकनीकों और सुविधाओं से लैस इस संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने के लिए उत्साहित दिखे। इस अवसर पर निर्देशक ज्योति प्रकाश, सूरज चौधरी, अफजल सर, नंद कुमार, राकेश कुमार, छोटन यादव सहित सैकड़ों विद्यार्थी, ग्रामीण और अभिभावक उपस्थित रहे।

विश्व मृदा दिवस पर किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड वितरण

» मृदा स्वास्थ्य कार्ड को राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने विकसित किया है।

निज संवाददाता | नोखा (रोहतास)

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर नोखा प्रखंड के भावाडेहरी और शिशिरिता में किसानों के बीच में मृदा हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इसका आयोजन कृषि विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया। किसानों के बीच में कृषि विभाग के किसान सलाहकार अरुण कुमार द्वारा मृदा हेल्थ कार्ड का वितरण करते हुए कहा गया कि मिट्टी की जांच अवश्य कराए। मिट्टी स्वास्थ्य की जांच जरूरी है। भारत सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत, किसानों को उनके खेत की मिट्टी की स्थिति के बारे में जानकारी देने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाते हैं। इस योजना के तहत, किसानों को हर दो साल में मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड में मिट्टी की पोषक स्थिति की जानकारी दी जाती है।इसके साथ ही, मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए उर्वरक, जैविक उर्वरक, और मृदा संशोधन की मात्रा के बारे में सिफ़ारिशें भी दी जाती हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड को राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने विकसित किया है। यह पोर्टल, 22 भाषाओं और 5 बोलियों में मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने की सुविधा देता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पाने के लिए, मिट्टी के नमूने लिए जाते हैं। ये नमूने, रबी और खरीफ़ की फ़सल की कटाई के बाद या जब खेत में कोई फ़सल न हो, तब लिए जाते हैं। इन नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जाता है। मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत मिट्टी के स्वास्थ्य के संबंध में समय-समय पर किसानों को विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं। देश के सभी किसानों को हर दो साल में मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करना, ताकि उर्वरक प्रथाओं में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक आधार प्रदान किया जा सके। भारत बारे में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है जिसे फरवरी 2015 में लॉन्च किया गया था। कृषि सहयोग और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (भारत सरकार) में एकीकृत प्रबंधन प्रभाग द्वारा संचालित किया जाता है। इस मौके पर शिशिरिता पंचायत के मुखिया चितरंजन तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक की मांग

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। नारदीगंज बाजार में इन दिनों सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है। इस बाजार के अलावा बस्ती बिगहा, वनगंगा, भट्ट बिगहा बाजार के साथ विभिन्न गांवों में लोग कर रहे हैं। जबकि इस प्लास्टिक का प्रयोग करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। बावजूद राशन दुकान, सब्जी मंडी, फल मंडी में धड़ल्ले से किया जा रहा है। वुद्धिजीवियों का कहना है सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने से वातावरण प्रदूषित होता है, जो कई प्रकार की बीमारियों को जन्म देती है। ऐसे इस तरह के प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। कहा गया जब आप सभी बाजार या दुकान में सामान खरीद करने के लिए जाए, तो एक झोला अवश्य लेकर पहुंचे, और खरीदी गई सामान को झोला में रखकर लाये। इससे आपका सामान सुरक्षित घर आ भी जायेगा, और पर्यावरण संरक्षण की बात भी होगी।सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। स्थानीय लोगों ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने की मांग विभागीय अधिकारियों से किया है।

43 गिरफ्तारियां और 94 हजार का जुर्माना

नवादा (नि.सं.)। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 04 दिसम्बर 2024 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, अनुसूचित जाति/जनजाति में 01, मद्य निषेध में 04 एवं अन्य गिरफ्तारी 38 कुल 43 गिरफ्तारियां हुई। वारंट के निष्पादन की संख्या 21 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या 04 है। वाहन जांच के क्रम में कुल 624 वाहनों की जांच की गयी है एवं फाईन की कुल राशि 94 हजार 500 रूपया वसूला गया है। पुलिस अधीक्षक, नवादा ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध नवादा पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

अवैध गिट्टी के पांच ट्रक जब्त, तीन गिरफ्तार

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी से प्रत्येक दिन सैकड़ों गिट्टी लदे वाहन झारखण्ड से बिहार एवं अन्य क्षेत्रों के लिए गुजरते हैं। इनमें कुछ ट्रक मालिकों व चालकों द्वारा अवैध चालान का उपयोग कर सरकार के राजस्व को चुना लगाया जाता है। अवैध चालान के साथ गिट्टी के परिवहन करने वाले ट्रकों के विरुद्ध बीते बुधवार की रात्रि को खनन विभाग एवं रजौली थाने की पुलिस बलों द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया गया। इस छापेमारी अभियान के दौरान अवैध चालान के गिट्टी लदे पांच ट्रकों को जब्त किया गया। साथ ही तीन चालक को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो चालक भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त ट्रकों में जेएच12जे7078,जेएच12डी9759, बीआर01जीएम9316,जेएच12डी6492 एवं जेएच12ई1025 है। वहीं ट्रक संख्या जेएच12जे7078 के चालक कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव निवासी दामोदर सिंधी के पुत्र रंजीत कुमार, ट्रक संख्या जेएच12डी9759 के चालक डोमचांच थाना क्षेत्र के बंगाई गांव निवासी स्व बनवारी शर्मा के पुत्र देव नारायन एवं बीआर01जीएम9316 के चालक वैशाली जिले के विदुपुर थाना क्षेत्र के खिलवत गांव निवासी नन्दकिशोर महतो के पुत्र राजेश महतो को गिरफ्तार किया गया है। जबकि ट्रक संख्या जेएच12डी6492 एवं जेएच12ई1025 के चालक भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष ने बताया कि खनन विभाग के पदाधिकारी द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार ट्रक चालकों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

शराब फैक्ट्री पर कार्रवाई, दो गिरफ्तार

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना परिसर से थोड़ी दूरी पर एक घर में महुआ शराब का निर्माण कार्य किया जा रहा था। जिसकी सूचना थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार को मिलने के बाद छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान घर से लगभग 15 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया। साथ ही 300 लीटर अर्धनिर्मित देशी महुआ के घोल को विनष्ट किया गया एवं शराब निर्माण में उपयोग किये जाने वाले भट्ठी को ध्वस्त करते हुए तसला, टीन व प्लास्टिक के जार को बरामद किया गया। साथ ही दो शराब धंधेबाजों को भी गिरफतार किया गया। गिरफ्तार शराब धंधेबाजों में हीरा चौधरी उर्फ पहलवान एवं हीरा चौधरी के पुत्र राजेश कुमार शामिल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब एवं गिरफ्तार धंधेबाजों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं पुलिस शराब धंधेबाजों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

सवारी बस ने छात्र को कुचला हुई मौत

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। तेज रफ्तार की कर आज भी देखने को मिल रही है। फिर भी चालाक तथा यात्री बेफिक्र हो सड़कों पर वाहन लेकर दौड़ते नजर आ रहे हैं। जिसका नतीजा कहीं ना कहीं मौत बनकर सामने आ रही है। वहीं बुधवार की देर शाम थाना क्षेत्र के उसराव के सभी राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर सड़क पार करने के दौरान अज्ञात सवारी बस ने 25 वर्षी छात्र में जोरदार ठोकर मार दी जिसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि घटना को अंजाम दे चालक बस लेकर भागने में सफल रहा है। मृतक छात्र हुड़हरा गांव निवासी राजेंद्र यादव का 25 वर्षीय पुत्र सुमंत कुमार बताया जाता है। घटना के बारे में बताया जाता है कि उक्त छात्र अपने साइकिल से शाम को कोचस ट्यूशन कर घर वापस लौट रहा था कि उसराव गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 319 को पार कर रहा था जहां तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात बस ने जोरदार ठोकर मार दी जिसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने छात्र को इलाज के लिए कोचस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां मौके पर उपस्थित डॉक्टर तुषार कुमार ने उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। छात्र के मौत पर परिवार में मातम पत्र है तथा परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

पुलिस की छापेमारी, आरोपी गिरफ्तार

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। गुरुवार को थाना क्षेत्र के सोहवलिया गांव के अलग अलग स्थानों मे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए फरार चल रहे तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी कांड संख्या 270/24 एवं धारा 126(2) 115 (2) 109(2)352/3(5) के, प्राथमिकी अभियुक्त बताये गये है। इस संदर्भ मे प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार बैठा ने बताया कि प्राथमिकी अभियुक्त मे कृष्ण सिंह, कामाख्या नारायण सिंह व रामाश्रय सिंह शामिल हैं। जिनकी तलाश में पुलिस विभिन्न जगहों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। जहां गुप्त सूचना के बाद पुलिस तीनो को धर दबोचा। वही गिरफ्तार बाद पुलिस कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तीनो आरोपियो को सासाराम जेल भेज दिया है।

मंत्री बस को हरी झंडी दिखा करेंगी रवाना

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। बिहार सरकार के परिवहन मंत्री के द्वारा कोचस को दिए गए उपहार को आज हरी झंडी दिखा रवाना किया जाएगा, जिसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी हर्ष व्याप्त है। वही बिहार सरकार परिवहन मंत्री शीला मंडल शुक्रवार को कोचस चौक से बिहार राज्य पथ परिवहन के बस को कोचस से पटना के लिए रवाना करेंगी। इस को लेकर यहां के नागरिकों ने परिवहन मंत्री से इस सेवा को चालू करने की मांग यहां आयीं एक कार्यक्रम के दौरान की थी। हालांकि उन्होंने पांच लग्जरी बसों को यहां से कई स्थानों के लिए परिचालन प्रारंभ कराने का वादा आम नागरिकों से की थी। जिसके तहत उक्त बस का कोचस चौक से परिचालन शुरू शुक्रवार से होने जा रहा है।जिसे मंत्री समेत स्थानीय नेताओं एवं कार्यक्रताओं का उक्त मौके पर जमावड़ा होगा।बस के परिचालन से आम नागरिकों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

डीएम ने की धान अधिप्राप्ति की समीक्षा

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत पैक्स/व्यापार मंडल द्वारा किए जा रहे धान अधिप्राप्ति कार्य की समीक्षा जिला टास्कफोर्स की बैठक की। समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला अंतर्गत कुल 158 पैक्स और 10 व्यापार मंडलों द्वारा धान अधिप्राप्ति का कार्य 15.11.2024 से शुरू किया गया है। अभी तक कुल 219 किसानों के माध्यम से 1396 एमटी धान अधिप्राप्ति किया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रबंध निदेशक को-ऑपरेटिव बैंक एवं सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी धान अधिप्राप्ति में संलग्न शत-प्रतिशत किसानों का भुगतान 48 घंटे के अंदर करना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा धान अधिप्राप्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसानों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक किसानों का निबंधन करना सुनिश्चित करेंगे। जिला अंतर्गत आवेदन करने वाले कुल किसानों की संख्या 15032 है, जिसमें 10939 रैयत किसान एवं 493 गैर रैयत किसान है। जिले में धान अधिप्राप्ति के लिए 168 समितियों का चयन किया गया है। 16 मिल का चयन किया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि छोटे एवं मंझले किसानों को प्राथमिकता देते हुए धान क्रय किया जाए। चुनाव के उपरांत नवनिर्वाचित प्रबंध कारिणी द्वारा तीन दिनों के अंदर जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि धान अधिप्राप्ति जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं को सफल बनाने के लिए विधिवत रूप से प्रस्ताव जिला सहकारिता पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं। ऐसा नहीं करने वाले समितियों को चिन्हित करते हुए धान अधिप्राप्ति से वंचित करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी एवं उस पंचायत को अन्य पंचायत के साथ टैग कर दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि पुराने अध्यक्ष या प्रबंधकारिणी सदस्यों के द्वारा नए नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी के कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले को चिन्हित करते हुए विधिवत रूप से कार्रवाई की जाएगी। आपूर्ति विभाग की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि खाद्यपूर्ति का उठाव ससमय करना सुनिश्चित करें एवं आधार सीडिंग और ई-केवाईसी के बारे में उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं डीएम एसएफसी के साथ-साथ प्रखंड के बिसीओ एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

पूरी रात हुई मतगणना, डटे रहे प्रत्याशी एवं समर्थक

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र काराकाट में रात भर चले मतगणना कार्य में कर्मचारियों के साथ ही प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों का संशय भरा दौर चलता रहा जब तक की सभी प्रत्याशियों का परिणाम सामने नहीं आ गया। कल 16 पैक्स समितियां के लिए मटन की गिनती रात भर चली जिसमें अधिकांश सीटों पर पुराने पैक्स अध्यक्षों ने वापसी की तो कुछ पर नए चेहरे भी सामने आए। जिन पैक्स समितियां में नए चेहरे सामने आए उनमें किरही पैक्स से विनोद सिंह शकला पैक्स से नीरज पांडे,बेनसागर से नंदलाल सिंह बाराडीह से सौरव, धनवार से मनीष रंजन का नाम ने रुप में रहा। हालांकि इसी बीच एक नई खबर भी सामने आई जहां गम्हरिया पैक्स में जीते एवं पराजित प्रत्याशियों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है।

राम का निकला डोला जगह जगह हुआ परछावन

निज संवाददाता | डेहरी ऑन-सोन (रोहतास)

गुरुवार क़ी सुबह पुरी तैयारी के साथ भगवान राम क़ी बारात शहर भ्रमण को निकली, भगवान राम पुरी तरह से सजधज कर डोला पर सवार हुये और सारथी उन्हें लेकर चल पड़े वही उनके मुरीद भक्तगण बराती बन पीछे पीछे चल पड़े, भगवान क़ी बारात जहां-जहां से गुजरी पहले से हाथो मे सजाये पूजा का थाल लिये तैयार खड़ी महिलाओ ने उनके द्वारा पर पहुंचते ही उन्हें विधिवत परीछा उनकी पूजा अर्चना क़ी प्रसाद चढ़ाये और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवान के स्वागत मे पहले से ही दरवाजे को तरह तरह के रंगोली से सजाया गया था जो मनमोहक था, पुरे बरात मे बाजे गाजे के साथ सजे रथ के साथ घोड़े व घोड़ासवार शामिल थे। यह बरात अपने नियत स्थान गांधी नगर त्रिड़ंडी देव सत्संग आश्रम से स्वामी रंगनाथाचार्य जी महाराज के नेतृत्व मे निकली और पुरे शहर का परिभ्रमण कर संध्या मे पुनः अपने नियत स्थान को वापस पहुंची, रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार को राम विवाह महोत्सव का भव्य आयोजन होगा।

12वीं के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के हरदिया पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में सत्र 2022-2024 के 12वीं के छात्रों को स्कूल प्रबंधक और जूनियर बैच ने मिलकर विदाई समारोह का आयोजन किया। इस दौरान छात्र केक काटते हुए एक तरफ खुश थे, तो दूसरी तरफ भावुक भी हो रहे थे। शिक्षकों ने बच्चों को कलम देते हुए बताया कि आगे की ओर बढ़ना, आप सभी के उज्जवल भविष्य का संकेत है।अभी फाइनल परीक्षा में समय है, तो घर पर रहर अच्छे से तैयारी करें और किसी भी विषय में आपको परेशानी है, तो समय मिलते ही स्कूल में हमसभी से विषय पर बाते करें। साथ ही कह कि आप सभी अच्छे अंक से उत्तीर्ण हो। फिर आप आपने लक्ष्य के अनुसार उच्च शिक्षा के लिए अच्छे संस्थान में नामांकन लें। वहीं शिक्षक अमृत रंजन ने बताया कि आप सभी की संस्था से विदाई हो रही है और यहां से आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। आप शिक्षक को आदर्श रूप में देखें और आपने शिक्षा जीवन केलिए हमेशा सलाह ले सकते हैं। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक नवलेश कुमार ने भी बताया कि यह विदाई आपके वर्ग से संबंधित है। आप स्कूल में या समय रहते हम सभी से हमेशा संपर्क कर सकते है। इस मौके पर शिक्षक अमरेंद्र कुमार, परमानंद कुमार, बिना सिंह, नैना कुमारी, आरजू प्रवीण, अनु कुमारी एवं सोमनाथ प्रधानाध्यापक मध्य विद्यालय चिरैला, राजीव कुमार, सुनील कुमार, सौरव यादव, राजकुमार साव के अलावे दर्जनों छात्रगण मौजूद रहे।

आलू उत्पादन की उन्नत तकनीक पर प्रशिक्षण तथा मृदा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड के महुडर पंचायत के उग्रवाद प्रभावित महुलियाटांड़ गांव में गुरुवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, पटना और कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल नवादा के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत आलू बीज वितरित कृषकों को आलू उत्पादन की उन्नत तकनीक विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर तथा मृदा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र पटना के डॉ० राजकुमार सिंह (प्रभारी सह-प्रधान वैज्ञानिक) और डॉ० एसपी सिंह (प्रधान वैज्ञानिक) तथा कृषि विज्ञान केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ रोशन कुमार, अंगद कुमार ने अनुसूचित जाति के 50 किसानों को आलू उत्पादन संबंधित विस्तृत जानकारी दिया। साथ ही आलू के पोषक तत्व प्रबंधन कीट व्याधि प्रबंधन का विस्तृत विवरण दिया। इस दौरान आलू बीज के सुरक्षित उत्पादन, रख रखाव के तरीके तथा प्रसंस्करण के तरीका, बीजोपचार के तरीकों को भी बताया गया। वहीं किसानों को मृदा स्वास्थ्य के बारे में भी कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने को लेकर जागरूक किया गया। मौके पर केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र पटना के तकनीकी सहायक सुनील कुमार सिंह समेत दर्जनों किसान मौजूद थे।

आवास योजनाओं पर समीक्षा, तेजी लाने के निर्देश

निज संवाददाता | नवादा

उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, इंदिरा आवास योजना से संबंधित बैठक आयोजित की गई। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, इंदिरा आवास योजना अंतर्गत लंबित आवास की पूर्णता और लाभुको को पहला, दूसरा एवं तीसरे किस्त के भुगतान की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभी बीडीओ को लंबित आवास की पूर्णता सुनिश्चित करने और लाभुको को आवास की स्थिति के अनुसार बिना विलंब के किस्त का भुगतान करने का निदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहयता योजना और मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत लंबित आवास का सर्वेक्षण आवास सहायक और आवास पर्यवेक्षक के माध्यम से कराने का निदेश दिया गया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत ई- रिक्शा और पैडल रिक्शा की मरम्ति कराने का निदेश 15वीं वित्त के राशि से सभी संबंधित अधिकारी को कराने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी डब्ल्यू और सीएससी का सर्वे कर उसे कार्यशील करने का निदेश सभी बीडीओ और बीसी को दिया गया। आज इस बैठक में डीआरडीए डायरेक्टर धीरज कुमार के साथ-साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बीसी उपस्थित थे।

पैक्स चुनाव परिणाम घोषित चार पुराने और दो नए चेहरे जीते

निज संवाददाता | राजपुर (रोहतास)

प्रखण्ड में पैक्स प्रबंध कार्यकारणी के लिए छ पैक्स में कराए गए चुनाव की मतगणना गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सम्पन्न हो गया। छ पैक्स अध्यक्ष के चुनाव परिणाम मे चार पुराने चेहरों पर तथा दो नए चेहरा प्रभा देवी व रितेश कुमार पर मतदाताओं ने भरोसा जताया है। रोतवा पैक्स में श्रीकांत चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अरूण कुमार को 64 मतो से पराजित कर चौथी बार जीत दर्ज कर किया। श्रीकांत चौधरी को 663मत प्राप्त हुए वहां अरुण कुमार को 599मत मिला। व बराव में बाबूचंद सिंह ने 233मत अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनोज दुबे को पराजित कर चौथी बार अध्यक्ष बने। राजपुर पैक्स अध्यक्ष शोभनाथ कुमार गुप्ता ने85 मत से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनोज कुमार यादव को पराजित कर तिसरी बार जीत दर्ज कर अपनी कुर्सी बरकरार रखा। शोभनाथ को 1220 तथा मनोज कुमार को 1133मत प्राप्त हुए ।वहीं सियावंक पंचायत में नए चेहरे रीतेश कुमार सिंह ने 130मत से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जितेन्द्र कुमार को पराजित कर जीत हासिल की। रीतेश कुमार को 481 मत प्राप्त हुए जबकि जितेन्द्र कुमार को 351 मत प्राप्त हुए।राजनडीह में नए चेहरा प्रभा देवी ने 368मतो से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रामजीत राय को पराजित कर पैक्स अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। प्रभा देवी को 771मत प्राप्त हुए तो रामजीत राय को 403मत पर संतोष करना पड़ा।

बेरोजगार युवाओं को नियोजन सहायता को लेकर टूलकिट एवं स्टडीकिट का किया गया वितरण

निज संवाददाता | नवादा

बिहार सरकार श्रम संसाधन विभाग बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय, नवादा कार्यालय के द्वारा राज्य के बेरोजगार युवाओं को नियोजन सहायता कराने के क्रम टूलकिट एवं स्टडी किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन आज संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय, नवादा में किया गया। ''नियोजन सेवा का विस्तार'' कार्यक्रम के तहत नियोजनालय में निबंधित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित कुल 15 अभ्यर्थियों को स्वरोजगार हेतु संबंधित ट्रेड का टूलकिट निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। साथ ही ''नियोजन-सह-मार्गदर्शन कार्यक्रम'' के तहत प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले न्यूनतम पारिवारिक वार्षिक आय रू0 1,80,000.00 से कम तथा नियोजनालय में निबंधित कुल 43 अभ्यर्थियों को स्टडीकिट के रूप में निःशूल्क उपलब्ध करायी गई। कार्यक्रम में टूलकिट एवं स्टडीकिट का वितरण जिला नियोजन पदाधिकारी, नवादा, श्रम अधीक्षक, नवादा, प्राचार्य, आई0टी0आई, नवादा, प्राचार्य, महिला आई0टी0आइ, नवादा, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, नवादा द्वारा किया गया। उपस्थित लाभार्थियों को संबोधन के क्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी, नवादा, श्रम अधीक्षक, नवादा, प्राचार्य, आई0टी0आई, नवादा, प्राचार्य, महिला आई0टी0आइ, नवादा, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, नवादा द्वारा टूलकिट एवं स्टडीकिट योजना को आर्थिक रूप से कमजोर बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़कर बेहतर आजीविका प्राप्त करने में उपयोगी बताया। प्रतियोगिता परीक्षा संबंधी पुस्तकों के अभाव में आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी सही ढंग से नहीं कर पाते हैं। स्टडी किट पुस्तक के अभाव को दूर कर उन्हें प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा तथा वे सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकेंगे। इसी प्रकार तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी टूलकिट का उपयोग स्वरोजगार के रूप में करते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

एंबुलेंस में सुरक्षित नहीं हैं मरीज का जीवन

निज संवाददाता | नवादा

जिले में स्वास्थ्य विभाग की एकबार फिर पोल खुली है। जिले के सरकारी अस्पताल में संचालित एंबुलेंस में एक भी जीवन रक्षक दवा नहीं है जिसके कारण मरीजों के जान जाने की नौबत आ रही है। साथ ही मरीजों को कई परेशानियां उठानी पड़ रही है एंबुलेंस सेवा को जीवन रक्षक कहा जाता है। लेकिन जिले के सरकारी अस्पताल में संचालित एंबुलेंस मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रही है। आलम यह कि एक भी एंबुलेंस में दवा तक उपलब्ध नहीं है। हद तो यह कि आपातकालीन स्थिति में अस्पताल प्रबंधन की बातों को दरकिनार कर दिया जाता है। जिसके कारण हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। गौरतलब है कि जिले के सरकारी अस्पतालों में जेनप्लस नामक एजेंसी के माध्यम से एंबुलेंस 102 का संचालन किया जा रहा है। लेकिन जब से जेन कंपनी ने एंबुलेंस संचालन का जिम्मा संभाला है, तबसे स्थिति और भी खराब हो गई है। पूर्व में मानदेय भुगतान के सवाल पर कर्मियों ने हड़ताल कर दिया था, तब डीएम की पहल पर हड़ताल समाप्त हुई थी। सिविल सर्जन डॉ. नीता अग्रवाल ने भी स्वीकार किया है कि मानक के अनुरुप एंबुलेंस का संचालन नहीं हो रहा है। अधिकांश एंबुलेंस ऑन रोड लायक भी नहीं है। जेनप्लस एजेंसी की लापरवाही इस कदर है कि एंबुलेंस में दवा तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जबकि नियमानुसार 38 प्रकार की दवाईयां होनी चाहिये। ऐसी परिस्थिति में कई बार मरीजों की जान पर आफत तक आ जाती है। अधिकतर एंबुलेंस में फर्स्ट एड बॉक्स तो है लेकिन बॉक्स खाली पड़ा है। बॉक्स में मरीजों के लिए जीवन रक्षक इंजेक्शन और दवाइयां तक उपलब्ध नहीं हैं। इसके चलते कभी कभी की जान पर गंभीर मरीजों की जान पर आफत तक आ जाती है। जिले में सरकारी एंबुलेंस सेवा की बात करें तो 102 सेवा के तहत जिले में 24 एंबुलेंस संचालित हैं। जिम्मेदारों की अनदेखी और लापरवाही के कारण इन एंबुलेंसों में रखे गए फर्स्ट एड बॉक्स में फस्ट एड किट तक उपलब्ध नहीं है। एंबुलेंस संचालन में एक तरफ राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का दावा कर रही है। दूसरी ओर जिले में स्थितियां ठीक इसके विपरीत है। बता दें जिले में अधिकांश एंबुलेंस ऑन रोड लायक नहीं है। यहां तक कि पंजीयन तक फेल हो चुका है। लेकिन इन दुश्वारियों को दूर करने के प्रति एजेंसी तनिक भी ध्यान नहीं दे रही है। जिसके कारण मरीजों को परेशानी हो रही है। पूरे मामले से सिविल सर्जन को अवगत कराया गया है। आपातकालीन स्थिति में अस्पताल प्रबंधन तक की बात नहीं सुनी जा रही है। इमरजेंसी सेवा में एंबुलेंस नहीं मिलता है तो लोग सदर अस्पताल पर टूट पड़ते हैं। आलम यही रहा तो आने वाले समय में बड़ी अप्रिय घटना अस्पताल में घट सकती है। इसका जिम्मेदार कंपनी के साथ एम्बुलेंस वाले होंगे।

» कांड जिम्मेदारों की अनदेखी और लापरवाही के कारण इन एंबुलेंसों में रखे गए फर्स्ट एड बॉक्स में फस्ट एड किट तक उपलब्ध नहीं है। एंबुलेंस संचालन में एक तरफ राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का दावा कर रही है। दूसरी ओर जिले में स्थितियां ठीक इसके विपरीत है।

पैक्स चुनाव में हूए गोलीबारी में युवक घायल

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

काराकाट थाना क्षेत्र में हो रहे पैक्स चुनाव की मतगणना में परिणाम आने के बाद गम्हरिया गांव में हुयी गोलीबारी में एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। इस संबंध में स्थानीय लोगो के द्वारा बताया जा रहा है कि पैक्स चुनाव के मतगणना का परिणाम आने के बाद जीते हुए व पराजित हुए प्रत्याशी अपने गांव गम्हरिया रात्रि में करीब 9 बजे वापस लौटे। जहां जीते हुए प्रत्याशी के एवं उपविजेता रहे प्रत्याशियों के बीच गांव में आने के बाद गाली-गलौज शुरू कर दिया गया, जिसमे देखते ही देखते मामला इतना आगे बढ़ गया कि गोलीबारी तक पहुंच गया। इस गोलीबारी में धर्मेन्द्र कुमार नामक युवक को गोली लग चुकी है, जिसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। वही चिकित्सको के द्वारा घायल युवक का स्थिति चिंताजनक बताया गया है। इस गोलाबारी के मामले में गम्हरिया पैक्स के जीते हुए प्रत्याशी नंदजीत कुमार यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जेल भेजा जा रहा है और अन्य लोगो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी जारी है। वहीं घटना के संबंध में थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बतलाया कि मामले में कुल 9 लोगों को मुख्य आरोपी बनाया गया है जिसमें विजई पैक्स अध्यक्ष लालमोहर के भाई रणजीत सिंह पर गोली चलाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष ने बतलाया कि मुख्य आरोपी रणजीत सिंह पुलिस की पकड़ से अभी बाहर है। जिसकी तलाश जारी है। वहीं बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने भी इस कांड की जानकारी देते हुए बतलाया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और शीघ्र ही वह नतीजे पर पहुंचेगी।

संक्षिप्त समाचार

आज से महाराजा कॉलेज में प्रतियोगिता का होगा आयोजन

आरा| महाराजा कॉलेज में पांच से सात दिसंबर तक इंटर कॉलेज प्रतियोगिता होगा। उद्घाटन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी करेंगे। मुख्य अतिथि जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के डॉ दुर्ग विजय सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथि बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ कन्हैया बहादुर सिन्हा होंगे।

प्रभारी के भरोसे चल रहे वीकेएसयू के कॉलेज

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अधिकांश संबद्ध कॉलेज प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे चल रहा है। भोजपुर, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिले में 65 संबद्ध डिग्री कॉलेज है परन्तु केवल सात कॉलेजों में ही स्थायी प्राचार्य है। शेष 58 कॉलेज प्रभारी प्राचार्य की बदौलत चल रहा है। जबकि विश्वविद्यालय ने सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों में स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति करने का आदेश 10 माह पहले ही दिया था। विश्वविद्यालय के पत्र को गंभीरता से नहीं लिया गया। कुलसचिव प्रो रणविजय कुमार ने बताया कि कॉलेजों को एक बार फिर से स्मार पत्र भेजा जायेगा। गौरतलब हो कि विश्वविद्यालय ने संबद्ध कॉलेजों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार सहित अन्य मामलों के निदान को ले कदम उठाते हुए स्थायी प्राचार्य बहाली की पहल की थी। इसके लिए वर्ष 20223 में सबसे पहले पत्र जारी किया गया था।

दुकान से गहना चोरी का मकान मालिक पर केस दर्ज

आरा। टाउन थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद के पास का निवासी नवीन कुमार ने अपने दुकान से 4 लाख 65 हजार के दुकान से गहना चोरी का मकान मालिक पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। नवीन कुमार ने प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि मेरे पिता जी स्वर्गीय हीरालाल प्रसाद गुप्ता विगत 50 वर्षों से सोने चांदी का दुकान चला रहे थे।पिता जी के मौत के बाद मैं खुद उस दुकान को चला रहा था। दुकान से संबंधित मामला न्यायालय में भी चल रहा है और दुकान का किराया भी माननीय न्यायालय के आदेश पर हर माह कोर्ट में जामा होता है। जिसका प्रमाण मेरे पास है। लक्ष्मी पूजा के समय मैं पूजा का प्रसाद वितरण करने के लिए चला गया था। मेरे दुकान में मेरा स्टाफ था। मकान मालिक के द्वारा उसी समय मेरे स्टाफ के साथ मारपीट किया गया और दुकान में रखे 4 लाख 65 हजार रुपया के सोने चांदी के आभूषण और नगदी के लिए और दुकान में अपना ताला लगा दिए। घटना की सूचना मिलने के बाद मैं दुकान पर आया तो देखा कि दुकान में ताला बंद है।ग्रिल से झांक कर देखा कि उसमें का सारा समान गायब है। जिसके बाद मैं टाउन थाना में जाकर घटना की जानकारी आवेदन के माध्यम से देकर एफआईआर दर्ज कराया। लेकिन आज तक पुलिस प्रशासन के तरफ से किसी भी प्रकार की करवाई किया गया। घटना के एक माह होने के बाद भी आज तक हमें न्याय नहीं मिला।

दो घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

आरा| 11 केवी मोती टोला फीडर से गुरुवार को दोपहर एक बजे से दोपहर तीन बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।उक्त अवधि में बायपास सड़क निर्माण में आ रहे है बिजली के पोल एवं तार को किनारे करने का काम किया जाएगा। उक्त समय में मोती टोला, बलुवाहिया, रोजा, कसाई टोला, दूध कटोरा, नजीर गंज, अहिरपुरवा, शर्मा रेडियो, इब्राहिम नगर, धरहरा मठिया के आसपास की बिजली प्रभावित रहेगी।

भोजपुर में दो घंटे बिजली रहेगी बाधित

आरा। भोजपुर जिले के मोती टोला फीडर से दो घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद। 5 दिसंबर गुरुवार की दोहपर 1 बजे से दोहपर 3 बजे तक बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। जिसकी जानकारी देते हुए कनीय विद्युत अभियंता ने बताया गया कि उक्त अवधी में 11 kv मोती टोला फीडर में सड़क निर्माण एजेंसी की तरफ से चौड़ीकरण के दौरान बीच में आ रहे बिजली पोल और तार को साइड करने का काम किया जाएगा। बताया कि मोहल्ले वासियों से अपील है कि पहले से अपने अपने घरों के जरूरी काम को निपटा ले। पानी की व्यवस्था कर ले। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। इस क्षेत्र के सभी पोल व जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी। जिससे बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी को लेकर खेद प्रकट करते हुए कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि काम खत्म होने के साथ जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी। दोहपर 1 बजे से दोहपर 3 बजे तक मोती टोला, बलुवहिया, रौजा, कसाई टोला , दूध कटोरा , नजीरगंज, अहिरपुरवा , शर्मा रेडियो, इब्राहिम नगर , धरहरा मठिया के आस–पास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी ।

अधिवक्ताओं ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती मनाई

बक्सर। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की 140 वीं जयंती युवा अधिवक्ताओं ने मनाया। अधिवक्ता पवन कुमार राय के निजी आवास पर अधिवक्ता दिवस के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में वरीय अधिवक्ताओं के साथ ही जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव भी शामिल हुए। इस दौरान युवा अधिवक्ताओं ने पहले डॉ राजेंद्र प्रसाद के तैलचित्र पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर उपस्थित संघ के महासचिव बिंदेश्वरी प्रसाद पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद एक बहुत ही प्रख्यात अधिवक्ता थे। उनकी जीवनी से हमें प्रेरणा एवं शिक्षा लेनी चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम में अधिवक्ताओं का सर्वाधिक योगदान रहा है और नए भारत को बढ़ाने का समय आया तब भी अधिवक्ताओं की महत्ता बनी रही। भारत की सारी न्याय व्यवस्था अधिवक्ताओं के काम पर टिकी हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नही हैं कि न्याय मिल ही इसलिए रहा क्योंकि अधिवक्ता उपलब्ध हैं। साथ ही श्री पाण्डेय ने यह भी कहा कि पहली बार ऐतिहासिक कार्यक्रम युवा अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता दिवस पर आयोजन किया जो प्रशंसा का योग्य है। कार्यक्रम में मंचासीन वरीय अधिवक्ताओं ने भी संबोधन किया। संचालन विनोद कुमार मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन युवा अधिवक्ता राघव कुमार पाण्डेय ने किया। इस कार्यक्रम में वरीय अधिवक्ता रामकृष्ण चौबे,वरीय अधिवक्ता उमेश सिंह,वरीय अधिवक्ता दयासागर पाण्डेय,राघवेंद्र राय,सत्येंद्र कुमार,मनीष कुमार,राजेश कुमार,विजय भूषण सहाय,रजनीश रंजन श्रीवास्तव व अन्य लोग रहे ।

दिव्यांग मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी हो

बक्सर। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों को उनके मतदान अधिकार के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के एवं अधिक सार्थक बनाने के लिए बक्सर स्थित बुनियाद केंद्र एवं नगर भवन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएम अंशुल अग्रवाल ने दिव्यांगों को जानकारी दिया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिव्यांगजनों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता सूची में नाम पंजीकृत करने हेतु कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जो भी दिव्यांग मतदाता जिनका अभी तक मतदाता सूची में नाम पंजीकृत नहीं है। हर हाल में वह अपना नाम नजदीकी बीएलओ के माध्यम से आप मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं। लोकतंत्र में दिव्यांग मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी के लिए मतदाता सूची में नाम होना बहुत जरूरी है। उन्होंने आह्वान किया कि आपका एक-एक वोट महत्वपूर्ण है और आप अपने मत का प्रयोग करके आप अच्छे जनप्रतिनिधि का अच्छा चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि निर्वाचन आयोग के द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के लिए सक्षम ऐप, जो विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए बनाया गया है। आप अपने मोबाइल में सक्षम ऐप डाउनलोड करके 85 प्लस एवं 40% कोटी वाले दिव्यांगजन मतदाता घर बैठे मतदान पोस्टल बैलेट के माध्यम से कर सकते हैं।

ट्रैक्टर पलटने से दो लोगों की हुई मौत

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में बारात से लौट रहे थे, गायघाट ढाला के पास अनियंत्रित होकर पलटा वाहन

बक्सर के गायघाट में ट्रेक्टर पलटने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना गुरुवार अहले सुबह की बताई जा रही है। बताया जा रही है कि ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर पर समान लोड कर शादी समारोह में गया था। जहां से लौटने के बाद तेज रफ्तार ट्रैक्टर जैसे ही गाय घाट ढाला के पास पहुंची अनियंत्रित हो ढाला के नीचे पलट गई। जिसमें चालक और एक मजदूर की दबाकर मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुटा हुआ है।

बारात से लौटने के दौरान हुआ हादसाः मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के वहीं गांव से एक ट्रैक्टर से बारात लेकर ब्रह्मपुर गांव गया था। बारात से लौटते समय गायघाट ढाला के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक सह मालिक के बेटे उपेंद्र यादव 30 वर्ष (पिता शिवजी यादव) और उसी गांव के पिंटू राम (25) (पिता भिखारी राम) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

ट्रैक्टर पलटने से दो लोगों की हुई मौतः थानाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

श्रीराम हत्याकांड में दो आरोपियों की गिरफ्तारी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव के समीप बालू उठाव के लिए गए युवक की हत्या मामले में बुधवार को पुलिस ने दो नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान तीर्थकौल और नसरतपुर गांव निवासी अमित कुमार और निरंजन यादव के रूप में हुई है। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एसपी राज के अनुसार गिरफ्तार अमित कुमार का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध संदेश थाना में लूट एवं आर्म्स एक्ट के तीन केस मिले हैं। वो बालू घाट के रास्ते के संचालन से भी जुड़ा रहा है। कांड में अन्य की तलाश जारी है।

पिता ने बनाया आठ लोगों को नामजद आरोपितः एसपी ने बताया कि मृतक के पिता बलिराम सिंह ने संदेह जताते हुए आठ लोगों को नामजद आरोपित किया था। जिसके आधार पर पुलिस दोनों को पकड़ा है। शुरू से पुलिस की शक की सूई बालू घाट पर काम करने वाले संदिग्धों की ओर भी घूम रही थी। बता दें कि मृतक श्रीराम सिंह (20) संदेश थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव निवासी बलिराम सिंह के पुत्र था। जिसके सिर और पीठ के भाग में गोली के जख्म का निशान पाया गया था। पुलिस को मृतक के पास से उसका मोबाइल और गोली का एक पिलेट भी मिला था। वो तीर्थकौल बालू घाट पर बालू लोडिंग करने का काम करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद कांड के उद्भेदन के लिए सदर एएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था। वैज्ञानिक व तकनीकी रूप से जांच चल रही थी। मृतक का पूर्व का आपराधिक इतिहास भी रहा था। मृतक पटना के बालू कारोबारी देवराज हत्याकांड में वांछित था। परिजनों से मिली सूचना के अनुसार, प्रतिदिन की तरह श्रीराम सिंह रविवार की रात करीब नौ-दस बजे घर से खाना खाकर तीर्थकोल गांव स्थित बालू घाट पर बालू लोड करने के लिए निकला था। सोमवार की सुबह तीर्थकौल गांव स्थित सत्संग भवन के पीछे स्थित आम के बगीचे से शव बरामद किया गया था। विश्वास में ले जाकर हत्या करने की बात सामने आ रही है।

हथियारबंद अपराधियों ने ड्राइवर को मारी गोली

निज संवाददाता। आरा

- जख्मी हालत में 5 किलोमीटर तक चलाई जीप, तिलक समारोह से लौट रहे कमांडर पर सवार थे 15 लोग

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के झौआ गांव के पास बुधवार की रात बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने तिलक समारोह से लौट रहे एक कमांडर के ड्राइवर को गोली मार दी। ड्राइवर को गोली दाहिने साइड पेट में लगी। इसके बावजूद ड्राइवर करीब 5 किलोमीटर तक गाड़ी चलाता रहा और बाइक सवार बदमाशों से बचाकर सभी लोगों को सुरक्षित ले भागा। जख्मी ड्राइवर को जख्मी हालत में आरा शहर के बाबू बाजार स्थित शांति मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जख्मी ड्राइवर की पहचान धोबहां थाना क्षेत्र के हेमतपुर गांव के रहने वाले छबेनाथ पासवान के 48 साल के बेटे संतोष सिंह रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए प्रत्यक्षदर्शी शुकुलपुरा गांव निवासी ओम प्रकाश साव ने बताया कि संतोष सिंह अपना खुद का कमांडर गाड़ी चलाते हैं। बुधवार की शाम धोबहां थाना क्षेत्र के शुकुलपुरा गांव निवासी मिट्ठू साव की बेटी के तिलक में एक कमांडर पर करीब 15 लोग सवार होकर बहरोनपुर थाना क्षेत्र के रामदतही गांव गांव हुए थे। कार्यक्रम खत्म होने के तिलक समारोह से वापस अपने–अपने गांव जा रहे थे। तभी झौआ गांव के पास एक बाइक पर सवार दो हथियाबंद बदमाश गाड़ी के बगल में अपनी बाइक चलाने लगे। अचानक बाइक पर पीछे बैठे एक बदमाश ने पिस्टल निकालकर चलती गाड़ी पर फायरिंग कर दी। फायरिंग की घटना के बाद ड्राइवर संतोष गाड़ी भगाकर आगे ले गया। कुछ दूर जाने के बाद उसने बताया कि उसके पेट में गोली लगी है। घटना के बाद तुरंत संतोष को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर विकास के देखरेख में इलाज चल रहा है। डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि जख्मी को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। काफी खून बहने से उनकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है। ऑपरेशन किया जा रहा है लेकिन ऑब्जर्वेशन में रखकर उनका इलाज किया जाएगा।

अपहरण की कोशिश मामले में FIR दर्ज

निज संवाददाता। आरा

आरा के टाउन थाना क्षेत्र के अबरपुल मोहल्ला निवासी व्यवसायी भाइयों से 10 लाख रुपए रंगदारी मांगे जाने और केस उठाने के लिए अगवा करने की कोशिश से जुड़े मामले में वांटेड कुख्यात बेलाल मियां समेत गुर्गों की गिरफ्तारी को लेकर भोजपुर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इस दौरान पुलिस टीम ने पटना के फुलवारी शरीफ तक छापेमारी की। हालांकि, वह हत्थे नहीं चढ़ सका। महज दो महीने के अंदर उसने दूसरी बार पुलिस को चुनौती दी है। इधर, केस उठाने के लिए कारोबारी को पिस्टल के बल पर अगवा करने की कोशिश किए जाने के मामले में भी प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित अबरपुल निचली कल निवासी कारोबारी मो.जाहिद उर्फ राजू के बयान पर हुई प्राथमिकी में पूर्व से वांटेड बेलाल मियां एवं मो. मजहर एवं गणेश कुमार समेत तीन अज्ञात को आरोपित किया गया है। अबरपुल निवासी मो. बेलाल पुलिस फाइलों में पहले से हिस्ट्रीशीटर रहा है। जेल से जमानत पर छूटने के बाद नवंबर 2022 में भी वह रंगदारी में पकड़ा गया था। प्राथमिकी में एक लाख 30 हजार रुपए और दुकान की चाबी छीने जाने का आरोप है। पीड़ित दुकानदार ने 10 लाख रुपए रंगदारी मांगने और पूर्व में जो रंगदारी का केस हुआ है, उसे उठाने के लिए जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। फुटेज में दिख रहा कि हाथ में हथियार लेकर दो अपराधी नकाब पहने कारोबारी को जबरन पिस्टल की नोक पर खींचकर ले जा रहे हैं। उसके पीछे एक अपराधी बाइक से तेजी से जाता नजर आ रहा है।

एक दिन पहले दिया था वारदात को अंजामः मंगलवार को यह घटना तब घटी जब कारोबारी मो.जाहिद उर्फ राजू अपने दुकान जाने के लिए घर से निकले। उसी दौरान उसे अपराधियों ने मिल्की मोहल्ला के पास हथियार दिखाकर पकड़ लिया था। इसके बाद उसे गाड़ी पर बैठाने लगे थे उसी दौरान वो कैसे भी करने अपनी जान बचाकर भागने कामयाब हो गए थे। इससे पूर्व पीड़ित दुकानदार के बड़े भाई पप्पू खान से भी रंगदारी मांगी गई थी और अगवा कर पैसे भी लिए गए थे।

शादी में दुल्हन के भाई को मोरी गोली

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के कोईलवर इलाके में बुधवार देर रात एक शादी में दुल्हन के भाई को गोली मार दी गई। दरअसल, बारात के स्वागत के लिए लड़की वालों की ओर से अर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें लेडी डांसर्स शामिल थीं। कुछ लड़के स्टेज पर चढ़कर डांसर्स के साथ अभद्रता करने लगे और हवाई फायरिंग करने लगे। इसका विरोध करने पर लड़कों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। मामला सक्कडी गांव का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात शादी समारोह में नाच में नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार और हर्ष फायरिंग का विरोध करने पर हथियारबंद बदमाशों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी । जख्मी युवक को गोली दाहिने हाथ के कोहनी में लगी। फायरिंग में घायल दुल्हन के भाई को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया।

घायल आर्मी में हवलदार के पद परः तैनातः घायल दुल्हन के भाई की पहचान वार्ड नंबर 7 निवासी अर्जुन शर्मा के 38 साल के बेटे राजेश कुमार के रूप में हुई है। राजेश आर्मी में हवलदार के पद पर जम्मू कश्मीर के राजौरी में तैनात है। पटना रेफर किए जाने से पहले दुल्हन के भाई राजेश ने बताया कि अपनी छोटी बहन काजल की शादी पटना जिले के मनेर गांव के रहने वाले मिथलेश शर्मा के बेटे अभिनाश शर्मा से हो रही थी। बुधवार को बारात आई थी। शादी समारोह में बारातियों के स्वागत के लिए नर्तकियों के नाच के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

लड़की के गांव के रही रहने वाले हैं फायरिंग के आरोपीः राजेश ने बताया कि बारात आने के बाद द्वारपूजा और जयमाला हुआ। इसके बाद लोगों को खाना खिलाने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच गांव के 8 से 10 की संख्या में हथियार लेकर बदमाश शामियाना में घुस गए और फायरिंग करने लगे। राजेश ने बताया कि कुछ युवक स्टेज पर चढ़कर नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। जब हम लोगों ने लड़कों को समझाने की कोशिश की, तो उन्होंने पहले कुर्सी चलाकर मारपीट की, फिर फायरिंग शुरू कर दी। सरोज नाम के एक लड़के ने सामने से मुझ पर फायरिंग की। पहली बार बचा, लेकिन दूसरी बार गोली मेरे कोहनी में लगी। हथियारबंद बदमाशों ने करीब 20 से 25 राउंड फायरिंग की। घटना के बाद समियाना में मौजूद बाराती और घरातियों के बीच अफरा–तफरी मच गई। काफी देर बाद स्थिति काबू में आई। घटना के बाद विधिवत तरीके से शादी संपन्न हुई और गुरुवार सुबह दुल्हन को लेकर बारात पटना लौट गई।

कोहनी के आर-पार हो गई गोलीः उधर, राजेश का सदर अस्पताल में इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया कि युवक के दाहिने हाथ के कोहनी में गोली लगी है, जो आर–पार हो गई है। गोली लगने के बाद काफी खून बह गया है जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई है।

लालू के समय को रेलवे के लिए बताया स्वर्णिम काल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने लोक सभा में लालू यादव के समय को रेलवे के लिए स्वर्णिम काल बताया। सभापति को संबोधित करते हुए कहा कि जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री हुआ करते थे। तो उस समय रेलवे के लिए स्वर्णिम काल था। उन्होंने रेलवे को लाभ में लाने का काम किया था। गरीब रथ की शुरुआत की, जो ऐतिहासिक कदम था। पहली बार कंडीशन यात्रा को आम जनता के लिए किफायती बनाया। उन्होंने यह दिखाने का काम किया कि रेलवे केवल एक परिवहन मध्यम नहीं है, बल्कि सामाजिक समानता और कल्याण का प्रतीक भी हो सकता है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार विशेष ट्रेनों का उपयोग बढ़ा चढ़ाकर कर किराया वसूलने के लिए कर रही है। विशेष ट्रेनों का किराया अन्य ट्रेनों की अपेक्षा में अधिक होता है। रेलवे अब गरीबों के लिए सुलभ नहीं रहा। उन्होंने कहा कि बक्सर के पाण्डेय पट्टी, चौसा, डुमरांव, रघुनाथपुर और टुड़ीगंज में ओवर ब्रिज के निर्माण को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। हैरानी की बात यह है कि चौसा रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण जो 2015 से शुरू हुआ है। वह अब तक बनकर तैयार नहीं हुआ है। इसके अलावा, आरा से मां मुंडेश्वरी धाम तक और डेहरी से बलिया भाया डुमराव रेलवे लाइन के विस्तार को लेकर आवाज उठाया। इसके साथ ही तेजस राजधानी एक्सप्रेस का बक्सर में ठहराव की मांग की है। रघुनाथपुर स्टेशन पर श्रमजीवी एक्सप्रेस और काशी-पटना जन शताब्दी एक्सप्रेस का स्टॉ पेज के साथ ही 13239 पटना-कोटा ट्रेन का डुमरांव में ठहराव की मांग की गई है।

थर्मल पॉवर में काम के नाम पर ठगी का आरोप

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में पीड़ित ने की विधायक से शिकायत, अजीत कुशवाहा ने कही कार्रवाई की बात

बक्सर के चौसा पॉवर प्लांट में काम कर रही कंपनी एस.जे.वी.एन पर फर्जीवाड़ा का आरोप है। रंजन कुमार नाम के व्यक्ति पर खुद को एस. जे. वी. एन का अधिकारी बता नौकरी दिलाने के नाम पर सैकड़ों बच्चों से करोड़ों रुपए की ठगी का आरोप है। 100 से अधिक लोगों ने डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा के पास पहुंच कर इस बात की शिकायत की है। विधायक अजीत सिंह ने कहा कि आज आए हुए सभी युवाओं से बातचीत हुई और यह तय हुआ कि इस सवाल पर आगे लड़ाई लड़ी जाएगी। जब तक ठगी करने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं होती और नौजवानों के पैसे लौटाए नहीं जाते तब तक हम इस सवाल पर लड़ते रहेंगे।

अधिकृत वेबसाइट से होता है कामः इस संबंध में एसजेवीएन के सीईओ विकास शर्मा से बात करने का प्रयास किया गया। लेकिन बात नहीं हो पाई। अन्य कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि एसजेवीएन ऐसा कोई काम नहीं करता है। अधिकृत वेबसाइट से सब कुछ होता है। नौकरी के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। इसको लेकर एसपी के पास शिकायत भी दर्ज कराया गया है।

तेजस और राजधानी के ठहराव पर जोर

निज संवाददाता। बक्सर

- उन्होंने रेलवे के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिलाते हुए यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही

लोकसभा में बुधवार को रेलवे संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने अपने क्षेत्र के रेल यात्रियों की समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने रेलवे के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिलाते हुए यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सांसद सुधाकर सिंह ने तेजस राजधानी एक्सप्रेस का बक्सर में ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही, रघुनाथपुर स्टेशन पर श्रमजीवी एक्सप्रेस और काशी-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने 13239 पटना-कोटा ट्रेन का डुमरांव में ठहराव सुनिश्चित करने की भी अपील की। सांसद ने सदन में कहा कि इन ठहरावों से न केवल स्थानीय यात्रियों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सुधाकर सिंह ने बक्सर जिले के चीनी मिल मोहल्ले के समीप इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के साथ ही चौसा, डुमरांव, रघुनाथपुर और टुड़ीगंज में रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से चौसा रेलवे ओवरब्रिज का जिक्र किया, जिसका निर्माण कार्य 2015 में शुरू हुआ था, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। उन्होंने कहा, "यह हैरानी की बात है कि आठ वर्षों बाद भी यह परियोजना अधूरी है। इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। रेलवे लाइन विस्तार पर सुझाव सांसद ने आरा से माँ मुंडेश्वरी धाम तक तथा डेहरी से बलिया होते हुए डुमरांव तक रेलवे लाइन के विस्तार की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में न केवल यात्री सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। सुधाकर सिंह ने अपने भाषण में कहा कि रेलवे क्षेत्रीय विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। "बक्सर जैसे क्षेत्रों में बेहतर रेलवे सुविधाएं आर्थिक और सामाजिक प्रगति में सहायक होंगी। सरकार को इन मुद्दों पर शीघ्रता से कार्य करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

शोकॉज का जवाब देने की आज है अंतिम तिथि : रिटर्निंग ऑफिसर

भागलपुर। चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एमईसी चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर ने एमईसी के पुराने अध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद इस्लाम और पुराने महासचिव डॉ. फारूक अली को पत्र भेजकर दो दिनों में शोकॉज मांगा है। शोकॉज का जवाब इन लोगों को गुरुवार तक देना है। एमईसी चुनाव के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नजमुल हकीम नईम बताया कि 23 फरवरी 2024 से एमईसी के चुनाव घोषणा के बाद बहाली सहित अन्य काम कैसे हो गया? इसका जवाब गुरुवार तक अध्यक्ष व महासचिव को देना है। जवाब मिलने के बाद फिर आगे की कार्रवाई होगी, लेकिन इधर एमईसी के पुराने अध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद इस्लाम ने बताया कि एमईसी में कोई खास काम नहीं हुआ है। अब एमईसी के द्वारा संचालित होने वाले संस्था से जानकारी मांगी जाएगी। उसके बाद पत्र का जवाब दिया जाएगा। लेकिन मामला यह है कि इन दिनों एमईसी दो ग्रुप में बंटा हुआ है और एमईसी में नए अध्यक्ष और नए महासचिव का चयन कर लिया गया है।

द्वारिकापुरी कॉलोनी में शुरू होगी सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

भागलपुर। तुलसी परिवार भागलपुर की ओर से 14 से 20 दिसंबर तक श्याम कुंज द्वारिकापुरी कॉलोनी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा करायी जाएगी। इस दिन मंदरोजा स्थित खाटू श्याम मंदिर से सुबह 8 बजे गाजे-बाजे एवं बैंड पार्टी के साथ कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें 31 महिलाएं अपने सिर पर कलश और पुरुष लोग भागवत कथा का पुस्तक सिर पर लेकर साथ-साथ चलेंगे। शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकलकर मुख्य शहर का भ्रमण करते हुए कथा स्थल तक पहुंचेगी। इसके बाद सभी कलश की विधि-विधान के साथ पूजा होगी। फिर दोपहर 2 बजे से कथावाचक किरीट भाई श्रीमद्भागवत कथा का पाठ शुरू करेंगे।

मंदिरों में कल भगवान राम-सीता के विवाह की वर्षगांठ मनाई जाएगी

भागलपुर। पंचमी श्रवण नक्षत्र और ध्रुव योग में छह दिसंबर शुक्रवार को विवाह पंचमी मनायी जाएगी। शहर के बाटा गली स्थित रामजानकी, बूढ़ानाथ, सूजागंज स्थित भगवान जगन्नाथ समेत कई मंदिरों में भगवान राम व माता सीता के विवाह की वर्षगांठ मनायी जाएगी। शहर के कई मंदिरों में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। जगन्नाथ मंदिर के पंडित सौरभ कुमार मिश्रा ने बताया कि इस बार पंचमी श्रवण नक्षत्र और ध्रुव योग में विवाह पंचमी मनायी जाएगी। सुबह आठ बजे मंदिर परिसर में भगवान राम और माता सीता की मूर्ति को स्नान कराकर नए पोशाक पहनाये जाएंगे। इसके बाद शाम में विधि-विधान के साथ वैवाहिक कार्यक्रम शुरू होगा। रात आठ बजे भजन-कीर्तन होगा। स्थानीय कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

स्क्वाश खिलाड़ी के निधन पर शोक सभा का आयोजन

मुंगेर। महान भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी राज मनचंदा के निधन के निधन पर बुधवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया। नेशनल रेफरी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस शोक सभा में खिलाड़ियों ने 2 मिनट का मौन रखकर मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। खेल प्रवक्ता महमूद आलम ने बताया कि अर्जुन पुरस्कार विजेता और 6 राष्ट्रीय खिताब जीतने वाले महान भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी राज मनचंदा ने 79 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा।

स्थापना दिवस पर 9 रक्तवीरों ने किया रक्तदान, प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित

मुंगेर। मुंगेर जिला स्थापना दिवस के मौके पर बुधवार को सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर 9 रक्तवीरों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एडीएम मनोज कुमार, सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिन्हा, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ रमन कुमार, डीपीएम मो. फैजान आलम अशरफी, अस्पताल प्रबंधक मो. तौसिफ हसनैन आदि ने रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रागिनी कुमारी, पवन कुमार, सविता कुमारी, राज कुमार, हीरालाल दास, सोहन तांती, आशुतोष कुमार, सौरभ कुमार तथा नीरज महतो ने रक्तदान करते हुए निसहायों के जीवन को बचाने की शपथ ली। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को नियमित रूप से तीन माह के अंतराल पर रक्तदान करना चाहिये। इससे जहां हम खुद कई प्रकार की बीमारियों की संभावनाओं से बच सकते हैं, वहीं दूसरों को अपने रक्त से नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। अस्पताल उपाधीक्षक ने कहा कि अस्पताल के ब्लड बैंक में ब्लड कंपोनेंट सेपरेटर यूनिट लगने से यहां अब एक ही रक्त से चार मरीजों को आवश्यकतानुसार आवश्यक कंपोनेंट उपलब्ध कराया जाता है।

स्नातकोत्तर केमिस्ट्री विभाग में हुई फ्रेशर्स पार्टी

मुंगेर। आरडी एंड डीजे कॉलेज, मुंगेर में संचालित मुंगेर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर केमिस्ट्री विभाग में सत्र- 2023-25 बैच के सेमेस्टर- 3 के विद्यार्थियों द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन नए सत्र (2024-26) के विद्यार्थियों का स्वागत करने के लिए किया गया। नए और पुराने विद्यार्थियों के बीच सामंजस्य और उत्साह का माहौल बनाया। श्रवण कुमार, अनिकेत कुमार, सिमरन , अंकिता कुमारी, सारिका , और ऋषिका कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनुप्रिया, श्रीजन, निशु, अमीशा, आनंद, और हुमायूं ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मिस्टर फ्रेशर का खिताब हुमायूं को और मिस फ्रेशर का खिताब श्रीजन को प्रदान किया गया। डॉ विनोद कुमार, डॉ दीवान अकरम, अतिथि शिक्षक डॉ रविकांत, शिक्षाकेतर कर्मी शैलेंद्र कुमार एवं सेवा निवृत कुर्मी गौतम मिश्रा भी मौजूद थे।

मैराथन के प्रथम पुरस्कार पर एमपी और दिल्ली का कब्जा, पहली बार मैराथन आयोजित

निज संवाददाता। मुंगेर

बॉलीवुड अभिनेत्री मंदिरा बेदी हुई शामिल

मुंगेर में स्थापना दिवस के अवसर पर पहली बार 42.195 किलोमीटर का मैराथन आयोजित हुआ। जिसमें प्रथम पुरस्कार की एक लाख की राशि मध्य प्रदेश के सतना के धावक अभिषेक सोनी को दिया गया। जबकि महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार की एक लाख की राशि दिल्ली की धाविका रोजी सिद्दकी को दी गई। पुरुष वर्ग में द्वितीय पुरस्कार 50-50 हज़ार की राशि लखीसराय के अविनाश कुमार और नालंदा के रवि रंजन कुमार को दी गई। जबकि महिला वर्ग में द्वितीय पुरस्कार की 50-50 हज़ार की राशि सीतामढ़ी की मुस्कान कुमारी और बांका की इंद्राणी कुमारी को दी गई। इसके अलावा अन्य टॉप 10 में आने वाले महिला और पुरुष वर्ग के 5 धावकों को 10-10 हजार का चेक, प्रमाण पत्र और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।

शहीदों को की पुष्पांजलि अर्पितः इसके बाद आयुक्त संजय कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि मुंगेर मैराथन 2024 दौड़ के पीछे उद्देश्य है कि बच्चे अपने जीवन की लक्ष्य को निर्धारित करें और लक्ष्य के अनुरूप कड़ी मेहनत करें। सफलता उनके कदमों को चूमेगी। बता दें कि मैराथन दौड़ शुरू होने से पहले आयुक्त संजय कुमार सिंह, जिला पदाधिकारी अवनीश कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने शहीद स्मारक स्थल पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

मंदिरा बेदी दौड़ में हुई शामिलः मुंगेर के जिला पदाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने जिले के नागरिकों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। जिन्होंने पूरे मार्ग में धावक धाविकाओं का मनोबल बढ़ाने का काम किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री मंदिरा बेदी ने अपने संबोधन में बिहार वासियों को शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगाने और शारीरिक गतिविधि करने की प्रेरणा दी।

पांचवी मंजिले की खिड़की से गिरा किशोर, मौत, भागलपुर में बुआ की शादी में आया था

भागलपुर। भागलपुर में बुधवार को एक किशोर पांचवे मंजिला इमारत से खेलने के दौरान खिड़की से नीचे गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लाया। वहां उसकी मौत हो गई। घटना जोकसर थाना क्षेत्र के रेड क्रॉस रोड के पास की है। मृतक की पहचान मोतिहारी जिला निवासी विजय उपाध्याय के बेटे उज्जवल कुमार के रूप में की गई है। उज्जवल अपना फुआ के बेटे के शादी में शामिल होने भागलपुर आया था। बुधवार की शाम अपार्टमेंट के पांचवे मंजिला छत पर जाकर खेल रहे थे। रेलिंग नहीं होने के कारण उन्होंने खेलने के दौरान नियंत्रण खो दिया और नीचे गिर गए। इधर, घटना की जानकारी जब SSP आनंद कुमार को हुई तो उन्होंने मौके पर पुलिस को भेजा। इस संबंध में परिजन कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं। वहीं, घर के पांच मंजिला मकान पर हलवाई खाना बना रहे थे। उज्जवल वहां खेल रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है। वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से कहा गया कि 14 वर्षीय किशोर छत पर से गिर जाने के कारण घायल हो गया था।

कोर्ट में हथियार पकड़ने वाले जवान होंगे पुरस्कृत

निज संवाददाता। मुंगेर

♦ मुंगेर में एसपी ने व्यवहार न्यायालय का किया निरीक्षण, जिला जज भी रहें साथ

मुंगेर व्यवहार न्यायालय परिसर में सुरक्षा को लेकर बुधवार को एसपी सैयद इमरान मसूद ने कोर्ट परिसर का जायजा लिया। मौके पर जिला जज आलोक गुप्ता भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान एसपी ने न्यायालय के अंदर आवगमन करने वाले लोगों की जांच को लेकर जानकारी ली। इसके अलावा कोर्ट के अंदर बने बंदी हाजत और जिस जगहों पर बंदी को रखा जाता है वहां का भी अवलोकन किया। इसके अलावा महिला बंदी को पेशी के वक्त जहां रखी जाता है। उसकी भी जांच की। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के बारे में भी जानकारी ली। इसमें बेहतर करने को लेकर दिशा-निर्देश दिया। एसपी ने कहा कि कोर्ट कैंपस का निरीक्षण करने आए थे। इसमें एएसपी हेड क्वार्टर पंकज कुमार, एएसपी अभियान कुणाल कुमार, सदर डीएसपी राजेश कुमार, डीएसपी लाइन सहित अन्य अधिकारी की मौजूदगी में जांच किया गया।

पुलिस जवानों को किया जाएगा पुरस्कृतः एसपी ने बताया कि हाल में ही पुलिस जवानों ने सुरक्षा को लेकर व्यवहार न्यायालय के मुख्य गेट पर जांच के दौरान एक युवक के बैग से हथियार ओर चाकू बरामद किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। पुलिस जवानों ने बेहतर कार्य किया। इसके लिए जवानों को पुरस्कृत किया जाएगा।

भागलपुर में AQI लेवल 322 पार, सांस लेने में परेशानी, शहरी क्षेत्र में बढ़ी प्रदूषण

निज संवाददाता। भागलपुर

डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने का दिया निर्देश

भागलपुर के शहरी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति ठीक नहीं है। सर्दी में हवा के बड़े दबाव और कोहरे के कारण धरती की सतह के पास भारी मात्रा में धूल जम रही है। जिसके कारण शहरी क्षेत्र के कई इलाके के वायु प्रदुषण बढ़ रही है। जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मायागंज कचहरी चौक, तिलकामांझी चौक, पटेल बाबू रोड, स्टेशन चौक, तातारपुर चौक नाथनगर के टमटम चौक, विश्वविद्यालय समेत शहर के मुख्य बाजारों की हवा पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। बुधवार को सुबह 10 बजे शहर का अधिकतम वायु गुणवत्ता सूचकांक 322 पर पहुंची थी। लंबे समय तक खराब हवा के संपर्क में रहने के कारण ज्यादातर लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

डॉक्टरों ने लोगों को दिया निर्देशः जेएलएनएमसीएच के डॉक्टरों का कहना है कि प्रदूषण के कारण लोगों को एलर्जी समेत सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। सांस लेने में दिक्कत होने के कारण शरीर में ऑक्सीजन का स्तर हमेशा कम रहता है। इसके कारण लोगों को हर समय कमजोरी और थकान महसूस हो रही है। सड़क पर निकलते समय लोगों को मास्क जरूर पहनना चाहिए। किसी भी तरह की परेशानी होने पर डॉक्टर से संपर्क करें। तेज हवा या बारिश के बाद हवा में मौजूद धूल के कण कम हो जाते हैं। लेकिन फिलहाल यह स्थिति नहीं बन रही है। सुबह में हल्की धुंध और रात में ठंडक बढ़ी मालूम हो कि जिले में बुधवार का मौसम शुष्क रहा। सुबह में हल्की धुंध व दोपहर में धूप खिली रही। शाम से लेकर सुबह तक ठंड का असर रहा। अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस थी। हवा में नमी की मात्रा 84 प्रतिशत रही। 4 किमी प्रति घंटा की गति से पछिया हवा चलती रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 04 से 08 दिसंबर के मध्य जिले में आसमान साफ एवं मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

भूमिहीन परिवारों को मिली 5-5 डिसमिल जमीन, पर्चा मिलने के बाद लोगों ने सरकार को दिया धन्यवाद

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में विधायक भी रहे मौजूद

भागलपुर में बुधवार को विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल के नेतृत्व में एक दर्जन भूमिहीन परिवारों को पर्चा दिया गया। सभी भूमिहीन परिवारों को पांच-पांच डिसमिल सरकार के तरफ से जमीन देकर उन्हें बसाने का काम किया जा रहा है। यह सभी भूमिहीन परिवार करहरिया पंचायत के रहने वाले हैं। इससे पहले भी स्थानीय जनप्रतिनिधि के नेतृत्व में जिला प्रशासन के टीम ने भूमिहीन परिवारों को पर्चा देकर सरकारी जमीन पर बसाया है। मालूम हो कि दो दर्जन से अधिक ऐसे भूमिहीन परिवार है। जिन्हें रहने के लिए जमीन नहीं थे इसको लेकर उन्होंने प्रखंड कार्यालय में आवेदन दिया था। जिला प्रशासन ने आवेदन पर पहल करते हुए बिहार सरकार की ओर से भूमि परिवारों को दिए जाने का लाभ दिया है। हालांकि पर्चा मिलने के बाद सभी परिवार खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि सरकार ने हमें जमीन देकर बसा रहे हैं उनका धन्यवाद करता हूं। साथी उन्होंने कहा कि हम लोगों ने संघर्ष किया है, हम लोगों के पास जमीन नहीं था तो जिला प्रशासन से गुहार लगाई थी। विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल ने कुल 11 परिवारों को बुधवार को प्रखंड कार्यालय में पर्चा वितरण किया। पर्चा मिलने के बाद भूमि परिवारों के चेहरे पर खुशी देखी गई। मामले को लेकर विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल ने कहा कि करारिया पंचायत के 11 परिवार जो भूमिहीन थे, उन्हें सरकार के तरफ से पांच पांच डिसमिल जमीन का पर्चा दिया गया। उन्हें हम लोग बसाने का काम कर रहे हैं। इससे पहले भी करहरिया पंचायत के लोगों को पर्चा दिया गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जो भी भूमिहीन परिवार है। जिला प्रशासन उन्हें चिन्हित कर रही है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(चोरी गई पैशन प्रो मोटर साईकिल रंग-काला)

गढ़वा थाना कांड सं0– 361/24 दिनांक– 06.07.24 धारा– 379, भा0द0वि0 में चोरी गयी पैशन प्रो मोटर साईकिल (रंग–काला) जिसका रजि0 नं0– JH03K9944 इंजन नं0– HA10ENEHC63284 एवं चेचिस नं0– MBLHA10A6EC54795 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0– 9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 341229 Police (24-25)_D

झारखण्ड सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग
नगर पंचायत हुसैनाबाद

अतिअल्पकालिन निविदा सूचना सं0- UDD/NPH/07/2024-25

Sl.	Ward no.	Reference no.	Scheme name	Estimated cost	Earnest money (2% of est. Cost)	Tender fee	Time of completion of work
नागरिक सुविधा मद							
1	08	UDD/NPH/07/2024-25/01	Renovation of Nagar Panchayat Office (Vivah Mandap) N P Hbad	920982.00	18500.00	5000.00	03 Month
2	02	UDD/NPH/07/2024-25/02	Construction of RCC Drain from house of Rahul Chandravanshi to Nabinagar main Road	679764.00	13600.00	5000.00	03 Month
3	01	UDD/NPH/07/2024-25/06	Construction of RCC Drain from House of Arvind Yadav to Dangwar Main Road Via dinesh Yadav	999295.00	20000.00	5000.00	03 Month
4	02	UDD/NPH/07/2024-25/04	Construction of RCC Drain from Amresh Chnadravanshi to to house of vinay Chandravanshi via Manoj Chnadravanshi	999937.00	20000.00	5000.00	03 Month
5	03	UDD/NPH/07/2024-25/05	Beautification of Pavor Block Road from vending Zone Nahar Mode to Chhatarpur Main Road	873822.00	17500.00	5000.00	03 Month
6	01	UDD/NPH/07/2024-25/06	Construction of RCC Drain from House of Rajendra Paswan to Prabhu Paswan	457988.00	9200.00	5000.00	02 Month
7	07	UDD/NPH/07/2024-25/03	Construction of RCC Drain near Virendra ram house in Ravidas Nagar	445652.00	8950.00	1000.00	02 Month
शहरी परिवहन मद							
7	15	UDD/NPH/07/2024-25/07	Construction of PCC Road from Mohamdabad Main road to dump Site	995192.00	20000.00	5000.00	03 Month
8	15	UDD/NPH/07/2024-25/08	Construction of PCC Road from dump Site to Mohamdabad Main road	993400.00	20000.00	5000.00	03 Month
9	12	UDD/NPH/07/2024-25/09	Construction of PCC Road from Bangali Baba to Dewari Road	626599.00	12550.00	5000.00	03 Month
10	01	UDD/NPH/07/2024-25/10	Construction of PCC Road from House of Dinesh Yadav to Vijay Yadav	507068.00	10200.00	5000.00	03 Month
15वें वित्त मद							
11	09, 07	UDD/NPH/07/2024-25/11	Renovation of Ambedkar chowk, Gandhi Chowk and Patel Chowk	897193.00	18000.00	5000.00	03 Month
12	08	UDD/NPH/07/2024-25/12	Development of parking Area by Paver Block JP chowk to Petrol Pump	982153.00	20000.00	5000.00	03 Month
13	08	UDD/NPH/07/2024-25/13	Development of parking Area by Paver Block Haidarnagar Mode to JP Chowk	984416.00	20000.00	5000.00	03 Month

Part-B

1	निविदाकर्ता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हुसैनाबाद।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	11.12.2024 एवं 12.12.2024 को कार्यालय अवधि में (कार्यालय नगर पंचायत हुसैनाबाद)
3	परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान	नगर पंचायत हुसैनाबाद कार्यालय
4	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं स्थान	13.12.2024 अपराहन 12:30 बजे तक नगर पंचायत हुसैनाबाद कार्यालय में।
5	निविदा खोलने की तिथि एवं स्थान	13.12.2024 अपराहन 1:00 बजे से नगर पंचायत हुसैनाबाद कार्यालय में।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत हुसैनाबाद

PR 341293 District (24-25)_D

अपडेट होगी टीचर डाइरेक्टरी, मूल्यांकन में होगा फायदा

मुंगेर। मैट्रिक और इंटरमीडिएट की कॉपियों की जांच के पहले मूल्यांकन निदेशकों को त्रुटिपूर्ण परीक्षक सूची मिलती थी। उसमें मृत, सेवानिवृत्त और जिन विद्यालयों की संबद्धता खत्म हो चुकी है। उनके शिक्षकों के भी नाम अक्सर शामिल रहते थे। जिससे मूल्यांकन निदेशकों को काफी परेशानी होती थी। इतना ही नहीं कॉपियों के मूल्यांकन के लिए उनकी पारिश्रमिक भी निदेशक को प्राप्त हो जाती थी। फिर उसे वापस विभाग को लौटाना पड़ता था। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इन सब परेशानियों से बचने के लिए अब माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की डायरेक्टरी को ऑनलाइन अपडेट करने का फैसला किया है। इसकी जानकारी देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी मो. असगर अली ने बताया कि संबंधित वेबसाइट पर कार्यरत शिक्षकों की विवरणी अपलोड करने की तिथि 26 नवंबर 24 तक निर्धारित की गई थी। लेकिन विभिन्न जिलों में कई विद्यालयों के एचएम ने इसे अब तक अपडेट नहीं किया था। जिसको लेकर बीएसईबी ने अपडेट करने की तिथि को 10 दिसंबर 2024 तक विस्तारित कर दिया। नंद कुमार उच्च विद्यालय के प्राचार्य अंजनी कुमार ने कहा कि इससे उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन व परीक्षा से संबंधित विभिन्न गोपनीय कार्यों के निष्पादन में काफी सहूलियत होगी।

झारखण्ड, सरकार कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रक्षेत्र), जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा।
पशुपालकों के लिए आम सूचना

विभागीय राज्यादेश संख्या– 23, दिनांकः–31.07.2024 के द्वारा गढ़वा जिला के इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमि/युवा शिक्षित बेरोजगार/स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालकों को वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2025–26 की अवधि अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में सरकारी अनुदान–सह–बैंक ऋण/लाभुक लाभुक अंशदान (सामान्य जाति के लिए 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लिए 33.33 प्रतिशत अनुदान) पर दो चरणों में कार्यान्वित किये जाने वाली कामधेनु डेयरी फॉर्मिंग योजना अन्तर्गत 50 दुधारू गाय/भैंस हेतु आवेदन पत्र प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर विहित प्रपत्र में आमंत्रित किये जाते हैं। जिले में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्यक्षेत्र में चिन्हित दुग्ध पथों के इर्द–गिर्द एवं पूर्व से दुधारू मवेशी पालन करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता के आधार पर चयन कर क्रियान्वित किया जाएगा।

आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए फोटोयुक्त आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक खाता एवं भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा ग्रामसभा से अनुशंसित ग्राम सभा की कार्यवाही की छायाप्रति संबंधित मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित किया हुआ कार्यालय अवधि में जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा में जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा आवेदन की मान्यता नहीं दी जायेगी एवं उसे रदद् कर दिया जायेगा।

योजना की विवरणी निम्नवत्त है :–

योजना का नाम	परियोजना लागत	लक्ष्य	अनुदान प्रतिशत	बैंक ऋण	लाभुक अंशदान 10%	लाभुक की अहर्तायें
कामधेनु डेयरी फार्मिंग अन्तर्गत 50 (पचास) दुधारू गाय/भैंस की योजना	3976250/–	6	25% सामान्य जाति के लिए	65% सामान्य जाति के लिए	10%	इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमि/युवा शिक्षित बेरोजगार/स्वयं साहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालक
		1	33.33% अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए	56.67% अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए	10%	

नोटः– 1. लाभुकों का अंतिम चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जायेगा।
2. अनुदान का लाभ **Bank Ended** के रूप में लाभुक के बैंक खाते में किया जायेगा।
3. विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा में स्वयं आकर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

निवेदक
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,गढ़वा।

PR 341265 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25)D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

कार्य की पारदर्शिता और योजनाओं की निगरानी की आवश्यकता

पंचायत दिवस पर दक्षिणजोल पंचायत का बीडीओ ने दौरा कर विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

- निर्माण कार्यों में खामियां और सुधार की आवश्यकता
- वित्तीय अनुशासन का उल्लंघन और कार्रवाई की चेतावनी
- कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी और कार्यों की समीक्षा

निज संवाददाता | रानीश्वर (दुमका)

पंचायत दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राजेश कुमार सिन्हा ने उपायुक्त दुमका के आदेशानुसार दक्षिणजोल पंचायत का दौरा किया और पंचायत क्षेत्र के विभिन्न विकास योजनाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के कई गांवों में चल रही योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। यह दौरा पंचायत के विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन हो सके और उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। बीडीओ ने सबसे पहले मनरेगा योजना के तहत चोपाबाथान गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने लाभुक नीमावती देवी के सिंचाई कूप का निरीक्षण किया। इस कूप का निर्माण मनरेगा के तहत किया गया था, और बीडीओ ने कूप की कार्यशीलता का अवलोकन किया। इसके बाद वे अलीगंज गांव पहुंचे, जहां उन्होंने टीसीवी योजना के तहत लाभुक पुष्प कुमार राय और मुकेश राय के द्वारा किए गए कार्यों का निरीक्षण किया। इन योजनाओं के तहत गांव में जल आपूर्ति व्यवस्था की सुदृढ़ीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त, धधका गांव के लाभुक चंद्रशेखर राय द्वारा बनाए गए आम बगीचे का भी बीडीओ ने निरीक्षण किया और इसके कार्य में प्रगति को लेकर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। इसके बाद, बीडीओ ने अबुआ आवास योजना के तहत चोपाबाथान गांव के लाभुक फिरोज अंसारी, शाहनाज बीबी और हसीना बीबी के आवासों का भी निरीक्षण किया। इस योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्के घरों का निर्माण कराया जा रहा है। बीडीओ ने इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के घरों की स्थिति और निर्माण कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया और इसे समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद, 25वें वित्त आयोग के तहत निजुरी गांव में निर्माणाधीन जलमीनार का भी निरीक्षण किया गया।

जलमीनार के निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर बीडीओ ने कार्यपालक अभियंता और संबंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की और जल आपूर्ति की स्थिति को लेकर सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने सिंचाई कूप के निर्माण कार्य में एक गंभीर खामी पाई। सूचना पट टूटा हुआ था, जिसे उन्होंने तुरंत सुधारने के लिए रोजगार सेवक को आदेश दिया। इसके अलावा, बीडीओ ने पंचायत सचिव और मुखिया से पंचायत भवन की दीवार पर अबुआ आवास योजना के लाभुकों का नाम अंकित करने के लिए भी आदेश दिया, ताकि इन योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान स्पष्ट रूप से की जा सके। निरीक्षण के दौरान, बीडीओ ने 15वें वित्त आयोग के अभिलेखों की मांग की, लेकिन पंचायत सचिव रघुनाथ चंद ने उन्हें अभिलेख नहीं दिखाए। इसके बाद पोर्टल पर अवलोकन करने पर यह सामने आया कि कुछ भुगतान विभागीय आदेशों का उल्लंघन करते हुए किए गए थे। बीडीओ ने इस गंभीर उल्लंघन के लिए पंचायत सचिव और मुखिया से स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने यह भी निर्देश दिया कि विभागीय आदेशों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। निरीक्षण के दौरान बीडीओ के साथ मनरेगा के बीपीओ, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, आवास योजना के प्रखंड समन्वयक, पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव और पंचायत स्वयंसेवक भी मौजूद थे। इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यों की स्थिति और योजनाओं की प्रगति पर बीडीओ को विस्तृत जानकारी दी। बीडीओ ने इन अधिकारियों को धन्यवाद दिया और योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के लिए उन्हें और अधिक सक्रियता से काम करने की सलाह दी। इस दौरान बीडीओ ने पंचायत सचिव और मुखिया को निर्देश दिया कि वे सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में पूरी पारदर्शिता रखें और सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सही तरीके से और समय पर सभी जरूरतमंदों तक पहुंच सके। बीडीओ ने पंचायत विकास कार्यों की निगरानी और सुधार की दिशा में अधिक सक्रियता की आवश्यकता जताई और अधिकारियों से यह अपेक्षा की कि वे इन योजनाओं को पूरी तत्परता से कार्यान्वित करें, ताकि पंचायत क्षेत्र में विकास की गति तेज हो सके और गांवों की समृद्धि की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। आने वाले समय में बीडीओ ने पंचायत में अधिक से अधिक विकास योजनाओं को लागू करने की आवश्यकता जताई और इसके लिए पंचायत प्रशासन को तैयार रहने के निर्देश दिए।

पुलिस ने जुगाड़ गाड़ी एवं 375 मिली की 135 बोतल अवैध शराब किया जब्त

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

रामगढ़ थाना क्षेत्र के अमरपुर के समीप बीते बुधवार की रात पुलिस की गश्ती टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब की एक बड़ी खेप जब्त की, जिससे इलाके में शराब के अवैध कारोबार पर बड़ी चोट पहुंचाई गई है। यह कार्रवाई पुलिस के सख्त अभियान और चौकसी का परिणाम है, जो अवैध शराब के तस्करों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक जुगाड़ गाड़ी के जरिए अवैध शराब की एक बड़ी खेप इलाके में लाई जा रही है। इसके बाद, रामगढ़ थाना की गश्ती टीम ने एक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाने का फैसला लिया। पुलिस ने दुमका हंसडीहा मुख्य मार्ग पर स्थित अमरपुर के समीप वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया, ताकि शराब तस्करों की अवैध गतिविधियों पर काबू पाया जा सके। रात के करीब पौने 12 बजे, पुलिस ने दुमका की ओर से आ रही एक काले रंग की जुगाड़ गाड़ी को रुकने का इशारा किया। लेकिन गाड़ी के चालक ने पुलिस की ओर से दिए गए संकेतों की अनदेखी करते हुए गाड़ी को और तेज गति से भगाने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए गाड़ी का पीछा किया और उसे ग्राम सारंगपानी के पास जाकर रोका। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाते हुए शराब तस्कर और चालक ने मौके से भागने की कोशिश की और गाड़ी को छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी की तलाशी ली, और इसके बाद जो जानकारी सामने आई वह हैरान करने वाली थी।

गाड़ी के अंदर पुआल के नीचे छिपाकर रखी गई थी 375 मिलीलीटर की 135 बोतल मैकडॉनल्ड्स नंबर वन कंपनी की अंग्रेजी शराब। यह शराब चार सब्जी रखने वाले कैरेट में छिपाकर रखी गई थी, ताकि किसी को भी शराब की अवैध खेप के बारे में शक न हो। पुलिस ने अवैध शराब और जुगाड़ गाड़ी को जब्त कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और तस्करों की तलाश जारी है। पुलिस द्वारा इस कार्रवाई को सफलता की बड़ी मिसाल माना जा रहा है, क्योंकि यह कदम अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में अग्रिम कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है और तस्करों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस तरह की कार्रवाई से यह साफ संकेत मिलता है कि पुलिस अब अवैध शराब के कारोबार को खत्म करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, इस सफलता से यह भी उजागर हुआ है कि पुलिस की ओर से तस्करी के मामलों में गहरी निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। अब पुलिस की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे न केवल तस्करों को पकड़े, बल्कि इस अवैध व्यापार को जड़ से उखाड़ने के लिए और भी कड़े कदम उठाए। साथ ही, इस मामले में आगे की कार्यवाही जारी रहेगी, ताकि शराब तस्करों के खिलाफ पूरी तरह से शिकंजा कसा जा सके और स्थानीय नागरिकों को अवैध शराब के खतरे से बचाया जा सके।

अतिक्रमिक स्थानों पर पांचवें दिन भी चला बुलडोजर

निज संवाददाता | गोड्डा

शहर में बढ़ते जाम की समस्या के समाधान को लेकर नगर परिषद एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को पांचवें दिन कारगिल चौक से लेकर गांधी नगर, गोढ़ी तक और फिर मिशन चौक से लेकर मिशन स्कूल के समीप संजीवनी हॉस्पिटल तक अतिक्रमिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान चलाया गया। इस दौरान नगर की सड़कों के किनारे अतिक्रमित स्थानों पर नगर परिषद का बुलडोजर चला कर अतिक्रमिक किए गए जगहों को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। बताते चलें कि यह अभियान पिछले पांच दिनों से लगातार जारी है जिसके तहत नगर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। नगर क्षेत्र में अतिक्रमिक स्थानों पर नगर परिषद का बुलडोजर चलाए जाने से पूर्व नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी ने सभी को पत्र जारी कर एवं माइकिंग के माध्यम से पूरे नगर क्षेत्र में अतिक्रमिक स्थानों को खाली कराने का अल्टीमेटम दिया गया था बावजूद किसी ने अतिक्रमिक जगहों को खाली नहीं किया जिसके बाद नगर परिषद का बुलडोजर चला कर सड़कों को अतिक्रमणमुक्त कराया जा रहा है। यह अभियान कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद गोड्डा, आशीष कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस अभियान के तहत सड़कों और नालों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। वहीं सड़क और नाले पर हो रहे अतिक्रमण को चिन्हित करने के लिए रंग से सीमांकन किया गया। इस दौरान सड़क पर अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस तरह का कार्य करने पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं इस अभियान में उन दुकानदारों को निशाना बनाया गया, जो अपनी दुकानों का सामान सड़क पर फैलाकर बिक्री करते हैं।

अपराधियों ने सीएसपी केन्द्र से 40 हजार लूटे

दुमका (नि.सं.)। मसलिया थाना क्षेत्र के रानीघाघर पंचायत के आश्रममोड़ दलाही सड़क के महुलबोना गांव स्थित इंडियन पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएसपी) से दिन-दहाड़े हथियारबंद तीन अपराधियों ने 40 हजार रुपए लूट लिए। यह घटना बुधवार को दोपहर में हुई। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी पिस्तौल लहराते हुए फरार हो गए। अपराधी दो बाइक में सवार होकर आए थे। बाइक को अपराधियों ने ग्राहक सेवा केन्द्र से दूर खड़ी की थी। अपराधियों ने संचालक देवकांत यादव पर पिस्तौल सटा दिया और काउंटर में रखे 40 हजार रुपए को लूटकर फरार हो गए। संचालक देवकांत यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि दो बाइक से तीन की संख्या में पिस्तौल लेकर अपराधी आए और जान से मारने की धमकी देने हुए 40 हजार रुपये लेकर पहरूडीह, सुगापहाड़ी की ओर चल दिए।

विधायक संजय प्रसाद यादव को हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट मंत्री बनाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

निज संवाददाता | दुमका

हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट में विस्तार करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गोड्डा विधायक और प्रदेश प्रधान महासचिव, संजय प्रसाद यादव को मंत्री बनाए जाने से न केवल उनके समर्थकों में बल्कि दुमका के राजद कार्यकर्ताओं में भी उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है। गुरुवार को झारखंड सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद राजद के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ। यह राजद के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश और विश्वास का संचार हुआ है। राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह के बाद, दुमका के राजद जिलाध्यक्ष प्रमोद पंडित ने मंत्री संजय प्रसाद यादव को पुष्प गुच्छ देकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दुमका के अन्य कई प्रमुख कार्यकर्ता भी मौजूद थे, जिनमें संतोष मंडल, रामसुंदर पंडित, राकेश यादव और अन्य साथी शामिल थे। राजद कार्यकर्ताओं ने संजय प्रसाद यादव को मंत्री बनाए जाने के इस ऐतिहासिक क्षण को एक बड़े उपलब्धि के रूप में देखा और इसे पार्टी के लिए एक नई दिशा और मजबूती का प्रतीक माना। गोड्डा विधायक संजय प्रसाद यादव का मंत्री बनाए जाना राजद के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही, उनके मंत्री बनने से दुमका और आसपास के क्षेत्रों में पार्टी का प्रभाव और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

उनके नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी ऊंचा हुआ है, और वे पार्टी की नीति और दृष्टिकोण के प्रति अपनी निष्ठा को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने संजय प्रसाद यादव के प्रति अपनी पूरी समर्थन और विश्वास का इज़हार किया और उन्हें मंत्री बनने के बाद उनके कर्तव्यों को निभाने में हर संभव सहायता देने का संकल्प लिया। साथ ही, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संजय प्रसाद यादव से यह उम्मीद जताई कि वह राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ पार्टी की नीति और दिशा के अनुरूप कार्य करेंगे, ताकि पार्टी को और अधिक मजबूती मिले। इस शपथ ग्रहण समारोह के बाद, दुमका में राजद कार्यकर्ताओं का उत्साह और खुशी साफ दिखाई दे रही थी, और उनकी उम्मीदें अब संजय प्रसाद यादव से जुड़ी हुई हैं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पूरे दिन रैलियां और जश्न मनाया और संजय प्रसाद यादव की जीत और उनके मंत्री बनने के इस ऐतिहासिक क्षण को सेलिब्रेट किया।

मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता : पीडीजे

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के तत्वावधान में मानसिक रूप से बीमार और मेधा दिव्यांगता से संबंधित नालसा 2024 स्कीम के तहत लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रन (एलएसयूसी) के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम व्यवहार न्यायालय स्थित लाइब्रेरी हॉल में संपन्न हुआ। इसका उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) राजेश कुमार वैश्य, परिवार न्यायालय के प्रधान जज अनिल कुमार पांडेय, और अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। पीडीजे राजेश कुमार वैश्य ने अपने संबोधन में कहा कि मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को भी संवैधानिक अधिकार पूरी तरह से प्राप्त हैं। ऐसे व्यक्तियों के प्रति समाज को सहानुभूति और समझदारी दिखानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानसिक बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए सरकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को समाज में उचित संरक्षण और पुनर्वास दिलाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। नालसा के निर्देशों के तहत गठित इकाई को इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का आह्वान किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि इस स्कीम के प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए 19 सदस्यीय इकाई का गठन किया गया है। इस इकाई में डालसा सचिव, सेवानिवृत्त न्यायिक पदाधिकारी, न्याय मित्र सह एलएडीसी, पैनल अधिवक्ता, और अधिकार मित्र सह पीएलवी को शामिल किया गया है। इकाई का मुख्य उद्देश्य समाज के मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को उनके विधिक और सामाजिक अधिकारों का संरक्षण प्रदान करना और उन्हें पुनर्वास के लिए सहायता दिलाना है। डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान इकाई के सदस्यों को डालसा के प्रावधानों और योजनाओं की समुचित जानकारी दी जा रही है। इसमें मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के लिए कानूनी सहायता, चिकित्सीय सहायता, और पुनर्वास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों और विशेषज्ञों ने संबंधित प्रावधानों के व्यावहारिक उपयोग और समाज में जागरूकता फैलाने के तरीकों पर चर्चा की। पीडीजे ने कहा कि समाज के मानसिक रूप से बीमार लोगों के अधिकारों के लिए कार्य करना सिर्फ सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें योगदान देना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से अपेक्षा की कि वे इस अभियान को जमीनी स्तर पर ले जाएं और मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को संरक्षण, पुनर्वास, और कानूनी सहायता दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर गोड्डा न्याय मंडल के सभी न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित थे। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में शामिल सदस्यों ने समाज के मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के कल्याण के लिए अपने दायित्वों को समझा और इसे प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों ने यह संदेश दिया कि मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को केवल इलाज की ही नहीं, बल्कि संवैधानिक संरक्षण और उनके अधिकारों की जानकारी देने की भी आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डालसा और नालसा की यह पहल मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समाज में समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का प्रयास है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर सभी ने अपनी शुभकामनाएं दीं और इसे जारी रखने का आग्रह किया।

दीपिका पांडे सिंह के मंत्री बनने पर खुशी के लहर

महागामा (नि.सं.)। विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपिका पांडे सिंह को दूसरी बार मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर क्षेत्र में जबरदस्त जश्न मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। वही हनवारा चौक पर एकत्रित सैकड़ों समर्थकों ने आतिशबाजी कर अपनी खुशी जाहिर की। साथ ही, मिठाइयां बांटकर और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाच-गाने का आयोजन किया गया।इस खास मौके पर हनवारा चौक पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। समारोह में शाहीन आलम, अनिरुद्ध यादव, रफीक आलम, नसीम, अब्दुल गनी, शाकीर आलम उमेश पासवान, धर्मेंद्र पासवान मनोरंजन सिंह दीपक सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। सभी ने विधायक के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके नेतृत्व की तारीफ की। स्थानीय जनता में खुशी का माहौल लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया।

सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में रौशन कुमार का चयन

निज संवाददाता | गोड्डा

सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 8 दिसंबर तक कर्नाटक के बैंगलोर में किया जा रहा है, जिसमें झारखंड की पुरुष और महिला कुश्ती टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए गोड्डा के प्रतिभावान पहलवान रौशन कुमार साह का चयन हुआ है। रौशन के चयन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गोड्डा जिले में खुशी की लहर है। इस कुश्ती प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम बुधवार रात रांची से ट्रेन द्वारा बैंगलोर के लिए रवाना हुई। गोड्डा जिला कुश्ती संघ के सचिव सुरजीत झा ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ग्रीको-रोमन स्पर्धा और अन्य श्रेणियों में भाग लेगी। ग्रीको-रोमन स्पर्धा के लिए गोड्डा के कन्हवारा गांव निवासी रौशन कुमार साह को टीम में शामिल किया गया है। यह रौशन के लिए पहला अवसर है जब वे सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। गोड्डा के सटे कन्हवारा गांव के लाल रौशन के इस चयन पर जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो और जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। जिला कुश्ती संघ के मनोज कुमार पप्पु, मनीष कुमार सिंह, अखिल कुमार झा, आशुतोष झा, मिथिलेश कुमार, ऋषितोष झा, आकाश कुमार, दयाशंकर, मुकेश कुमार भारती और राहुल कुमार ने रौशन को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। झारखंड राज्य कुश्ती संघ ने इस प्रतियोगिता के लिए टीम के सदस्यों को रवाना होने से पहले ट्रैक सूट और स्पोर्ट्स किट प्रदान की, जिसमें झारखंड खेल विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कुश्ती संघ ने सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए। रौशन ने कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर इस मुकाम को हासिल किया है। वे कई जिलास्तरीय और राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। सीनियर नेशनल में चयनित होना उनकी प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। रौशन ने अपने कोच और जिला कुश्ती संघ का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें इस स्तर तक पहुंचने में मार्गदर्शन और सहयोग दिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सर्व सनातन समाज ने निकाला आक्रोश मार्च

निज संवाददाता | दुमका

बांग्लादेश में हिंदू समाज के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में गुरुवार को सर्व सनातन समाज के आह्वान पर दुमका शहर में आक्रोश मार्च निकाला गया। इस मार्च में बड़ी संख्या में लोग यज्ञ मैदान में एकत्रित हुए और एकजुट होकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस आक्रोश मार्च के माध्यम से उपायुक्त को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की गई। मार्च में पूर्व सांसद सुनील सोरेन, शहर के गणमान्य व्यक्ति और सर्व सनातन समाज के सदस्य शामिल हुए। सभी ने बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों पर गहरी चिंता व्यक्त की और इन घटनाओं की कड़ी निंदा की। सर्व सनातन समाज के सदस्यों ने बताया कि किस प्रकार बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ निंदनीय घटनाएं घटित हो रही हैं—मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, हिंदू समाज के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है, और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार किए जा रहे हैं। इन घटनाओं से भारत का हिंदू समाज आक्रोशित है और इसका कड़ा विरोध कर रहा है।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम आयोजित

महागामा (नि.सं.)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, ललमटिया परिसर में गुरुवार को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ विद्यालय की उप प्राचार्य हिना फक्र के द्वारा किया गया। उन्होंने कहां कि मृदा प्रबंधन समय की मांग है एवं इसे भविष्य के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार के द्वारा चलाये जा रहे' स्कूल सॉइल हेल्थ' प्रोग्राम के तहत नवोदय विद्यालय का चयन किया गया है और सरकार द्वारा मृदा परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 'विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस' को मनाने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र गोंडा के हेड कम सीनियर साइंटिस्ट डॉ रवि शंकर, सोयल साइंटिस्ट डॉ ए पी ठाकुर प्लांट प्रोटेक्शन साइंटिस्ट डॉ सूर्य भूषण उपस्थित रहें।

गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से की शिकायत

निज संवाददाता | मसलिया (दुमका)

मसलिया अंचल क्षेत्र के बसकीडीह पंचायत के घांसीमारनी मौजा के गौचर भूमि प्लाट संख्या 1544 पर अतिक्रमण को लेकर ग्राम प्रधान प्रधान मुर्मू और अन्य ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शिकायत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण करा रही एक कंपनी, मिनी कंस्ट्रक्शन, ने इस गौचर भूमि पर सड़कों की निर्माण सामग्री जैसे गिट्टी, पत्थर और अवैध बालू डंप किया हुआ है, जिससे गौचर भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। ग्राम प्रधान प्रधान मुर्मू ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने कंपनी के साइट इंचार्ज रामु कुमार से इस अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए कहा तो उन्होंने मनमानी करते हुए कहा कि वह सरकारी काम कर रहे हैं और यह सामग्री सरकार की जगह पर डाली जा रही है। इसके बाद, उन्होंने यह भी धमकी दी कि यदि प्रधान और ग्रामीणों ने ज्यादा आपत्ति जताई तो उन पर मुकदमा कर उन्हें जेल भेजवा दिया जाएगा। प्रधान मुर्मू का कहना है कि यह मामला केवल इस भूमि तक सीमित नहीं है। इसके अलावा, सड़कों के निर्माण के लिए कंपनी ने कई अन्य स्थानों पर भी गौचर भूमि पर निर्माण सामग्री गिराई है। इनमें जोगिडीह गांव के काली मंदिर के सामने की गौचर प्लाट भी शामिल है। इसके अलावा, शिला नदी से अवैध बालू उठवाने का भी आरोप लगाया गया है। प्रधान और ग्रामीणों का कहना है कि शिला नदी में जोगिडीह गांव के पास जरगड़ी जलापूर्ति योजना का इंटेक वेल बनाया गया है और उसी नदी से बालू की अवैध निकासी कर उसे रातोंरात मिनी कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्लांट में डाला गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गौचर भूमि गायों और बैलों के चरने के लिए आरक्षित होती है, और वहां निर्माण सामग्री डाले जाने से न केवल गौचर भूमि का अतिक्रमण हुआ है, बल्कि पशुओं की चराई के लिए उपलब्ध जमीन भी खत्म हो रही है। आसपास में कई ऐसी जमाबंदी जमीनें पड़ी हुई हैं, जहां सामग्री डाली जा सकती थी, लेकिन मिनी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने जानबूझकर गौचर भूमि का चुनाव किया। घांसीमारनी मौजा के रैयत लबशर हेंब्रम ने भी आरोप लगाया है कि उनकी जमाबंदी जमीन संख्या 1545 पर कंपनी ने बगैर उनकी अनुमति और बगैर अनापत्ति प्रमाण पत्र के ही प्लांट स्थापित किया और अवैध बालू डंप किया। लबशर हेंब्रम का कहना है कि कंपनी ने उनकी जमीन पर बिना किसी पूर्व सूचना और कानूनी प्रक्रिया के यह सब किया है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। लाबशर हेंब्रम ने इस पूरे मामले में अंचलाधिकारी मसलिया, अनुमंडल पदाधिकारी और उपायुक्त को चिट्ठी लिखकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, तीन लोगों की मौत, अन्य दो की स्थिति गंभीर

- तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह
- मृतकों की पहचान और उनकी पृष्ठभूमि
- घायलों की हालत नाजुक
- स्थानीय लोगों की तत्परता
- पुलिस जांच में खुलासा

निज संवाददाता | गुमला

एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने बुधवार देर रात गुमला जिले को झकझोर कर रख दिया। रांची के रहने वाले तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा बसिया थाना क्षेत्र के बसिया मोड़ के पास हुआ, जब तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। यह घटना उस समय हुई, जब कार सवार सिमडेगा में एक शादी समारोह में शामिल होकर रांची लौट रहे थे। हादसे ने मृतकों के परिवारों में मातम और पूरे क्षेत्र में गहरा दुख पैदा कर दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार बहुत तेज रफ्तार में थी। बसिया मोड़ के पास सड़क किनारे बीड़ी पत्ता से लदा एक ट्रक खड़ा था। रात करीब दो बजे तेज रफ्तार कार ट्रक के पिछले हिस्से से सीधे टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान पवन साहू (45 वर्ष), प्रवीण कुमार (55 वर्ष), और रतन घोष (50 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों ही रांची के हेसल स्थित देवी मंडप रोड के निवासी थे। ये सभी समाज में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व थे और शादी समारोह में शामिल होने के बाद परिवार सहित वापस लौट रहे थे। उनकी मौत से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। दुर्घटना में घायल विश्वजीत घोष और असीम घोष की हालत गंभीर है।

स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रांची रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया है। हादसे की जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर आए। जब उन्होंने देखा कि कार के अंदर लोग फंसे हुए हैं, तो उन्होंने तुरंत मदद का प्रयास किया।

स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने निजी वाहनों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों का यह सहयोग घायलों को समय पर मदद पहुंचाने में कारगर साबित हुआ। हादसे की सूचना पाकर बसिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में पाया गया कि ट्रक सड़क किनारे बिना किसी चेतावनी संकेत के खड़ा था। वहीं, कार चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही भी दुर्घटना का प्रमुख कारण बनी। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से कार और ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन सदमे में हैं। तीनों परिवारों ने इस त्रासदी को सहने में असमर्थता जाहिर की है। रांची में हेसल क्षेत्र के निवासियों ने भी शोक व्यक्त किया और हादसे को लेकर प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के कड़े उपाय करने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क किनारे खड़े वाहनों के लिए उचित संकेतक न होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने इस मामले में ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गुमला प्रशासन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा के नए उपाय लागू किए जाएंगे। साथ ही, इस क्षेत्र में खड़े वाहनों के लिए सख्त नियम बनाए जाएंगे। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा के प्रति प्रशासन और वाहन चालकों की लापरवाही को उजागर कर दिया है। ऐसे हादसे न केवल परिवारों को उजाड़ देते हैं, बल्कि पूरे समाज को झकझोर कर रख देते हैं। स्थानीय लोगों और प्रशासन की पहल से उम्मीद है कि इस तरह की घटनाओं को भविष्य में टाला जा सकेगा।

132 केवीए पावर निर्माणाधीन पावर ग्रिड में लगी भीषण आग, करोड़ों का नुकसान

निज संवाददाता | देवघर

गोपीबांध स्थित 132 केवीए पावर ग्रिड के निर्माणाधीन परिसर में बुधवार शाम अचानक आग लगने से करोड़ों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर राख हो गए। यह घटना सारठ प्रखंड कार्यालय से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर हुई, लेकिन आग बुझाने में घंटों लग गए। हादसे के कारण पावर ग्रिड का निर्माण कार्य और भी लंबा खिंचने की आशंका है, जिससे स्थानीय क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। पावर ग्रिड निर्माण का कार्य देख रही बीजीआर कंपनी के स्टोर कीपर प्रियदर्शी कुणाल के अनुसार, आग की शुरुआत एक 33 केवीए तार में शॉर्ट सर्किट से हुई। बताया गया कि ग्रिड परिसर से गुजरने वाले बिजली के तार पर एक पक्षी बैठा, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारियां निकलने लगीं। यह चिंगारियां नीचे गिरीं, जहां सूखी झाड़ियां और घास मौजूद थीं। देखते ही देखते आग ने झाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया और फिर पूरे ग्रिड परिसर में फैल गई। आग लगने के दौरान ग्रिड परिसर का मुख्य गेट बंद था और उस पर ताला लगा हुआ था। साथ ही, मौके पर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। इस कारण आसपास के लोग आग बुझाने के लिए अंदर नहीं जा सके। उन्होंने बाहर से ही आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। आग की सूचना मिलने के बाद कंपनी कर्मियों ने फायर ब्रिगेड को बुलाया, लेकिन दमकल की गाड़ियां मधुपुर से आने में करीब एक घंटे का समय लगा। दमकल की गाड़ियों के देरी से पहुंचने की वजह से आग ने विकराल रूप ले लिया। जब तक आग बुझाने का काम शुरू हुआ, तब तक 33 केवीए जीआईएस सिस्टम, बैट्री चार्जर, और कई महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुके थे। दमकल कर्मियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक करोड़ों का नुकसान हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। दुमका ट्रांसमिशन के जीएम शिवशंकर प्रसाद सिंह और ट्रांसमिशन सर्किट देवघर के डीजीएम आरके रवि समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आगजनी की वजहों और क्षति का आकलन किया। अधिकारियों ने माना कि यह हादसा गंभीर लापरवाही का परिणाम है और इस पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। 132 केवीए पावर ग्रिड का निर्माण कार्य फरवरी 2019 में शुरू हुआ था। इसका शिलान्यास तत्कालीन कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने किया था। हालांकि, पांच वर्षों का समय बीतने के बावजूद निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की है और इसे प्रशासन की उदासीनता का नतीजा बताया है।

समुदाय व स्कूल के बीच कड़ी बन काम करेगा विद्यालय प्रबंधन समिति : डीईओ

निज संवाददाता | साहिबगंज

साहिबगंज जिले में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) को शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह पहल जिला शिक्षा परियोजना के तहत की जा रही है, जिससे एसएमसी को विद्यालय के स्थानीय समुदाय से जोड़ने और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। गुरुवार को शहर के पुरानी साहिबगंज स्थित नगरपालिका उत्क्रमित कन्या उच्च विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसएमसी के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, एडीपीओ विजय कुमार, एपीओ डॉली कुमारी, विजय कुमार तिवारी, शबनम तबस्सुम और एमआईएस मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) डॉ. दुर्गानंद झा और जिला शिक्षा सचिव (डीएसई) कुमार हर्ष भी उपस्थित थे, जिन्होंने मास्टर ट्रेनरों को एसएमसी को प्रशिक्षण देने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

डीईओ डॉ. दुर्गानंद झा ने इस दौरान कहा कि अब एसएमसी को पोषक क्षेत्र के समुदाय और स्कूल के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि एसएमसी की भूमिका न केवल विद्यालय की प्रबंधन व्यवस्था में होगी, बल्कि यह स्थानीय समुदाय को शिक्षा से जोड़ने और सशक्त बनाने का भी कार्य करेगी। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण के पहले दिन विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई। इन विषयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा का अधिकार, एसएमसी के कार्य और दायित्व, बाल देय सुविधा, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा आदि के विविध आयामों पर विचार विमर्श किया गया। इस गैर आवासीय प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों के बीआरपी (ब्लॉक रिसोर्स पर्सन), सीआरपी (क्लस्टर रिसोर्स पर्सन) और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मास्टर ट्रेनरों को एसएमसी के सदस्यों को प्रभावी तरीके से प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, उन्हें यह भी बताया गया कि किस प्रकार एसएमसी विद्यालय के वातावरण को सुधारने में अपनी भूमिका निभा सकती है और शिक्षा में सुधार के लिए समुदाय की सहभागिता को कैसे बढ़ावा दे सकती है।

सांप काटने से आदिवासी युवक बेहोश, इलाजरत

साहिबगंज (नि.सं.)। प्रखंड के आदिवासी गांव झरनाटोला में 16 वर्षीय सकल हेम्ब्रम को एक सांप ने काट लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। जानकारी के अनुसार, सकल पथरिया बहियार में धान की बाली निकालने के बाद खेत में बने एक गड्ढे में हाथ डालकर चुहा व धान की बाली निकाल रहा था, तभी अचानक सांप ने उसकी अंगुली में डस लिया। सांप के काटने से वह तुरंत मूर्छित हो गया। घटना के बाद बगल के खेत में काम कर रहे मजदूरों ने सकल के परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों ने उसे तुरंत घर लाकर झाड़-फूंक करवाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद, उसकी हालत गंभीर होते देख उसे हिरणपुर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे निगरानी में रखा गया है। स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और सांप के काटने की घटनाओं से सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया है।

विश्व मृदा दिवस पर मृदा स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड का वितरण

निज संवाददाता | हरिहरगंज (पलामू)

प्रखंड सभागार में गुरुवार को विश्व मृदा दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 200 किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इस कार्ड के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि की सेहत के बारे में जानकारी मिलेगी, जिससे वे अपनी खेती के तरीके को और अधिक सुधार सकेंगे और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखने में मदद प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख कमला देवी उपस्थित रहीं, जिन्होंने इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी को अपनी मिट्टी के स्वास्थ्य की देखभाल करने की अधिक आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से जैविक खादों और वर्मी कंपोस्ट के इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया। कमला देवी ने बताया कि खेतों में जुताई के समय जैविक खादों और वर्मी कंपोस्ट का प्रयोग करने से मिट्टी की सेहत में सुधार होगा और इसकी उपजाऊ क्षमता बनी रहेगी। इस दौरान कृषि पदाधिकारी ब्रजेश कुमार ने भी अपने विचार साझा किए और बताया कि मृदा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य किसानों और आम लोगों को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि कई हिस्सों में उपजाऊ मिट्टी बंजर होती जा रही है, और इसका मुख्य कारण किसानों द्वारा रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग करना है। इस वजह से मिट्टी के जैविक गुण घट रहे हैं और उसकी उपजाऊ क्षमता में भी गिरावट आ रही है। ब्रजेश कुमार ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे रासायनिक खादों का प्रयोग कम करें और प्राकृतिक खादों को अपनाने की ओर कदम बढ़ाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से यह जानकारी मिलेगी कि उनकी मिट्टी किस स्थिति में है और उन्हें किन उपायों की आवश्यकता है। कार्यक्रम में ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक सुशील कुमार मिश्रा ने कहा कि विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य केवल कृषि और खाद्य सुरक्षा से संबंधित नहीं है, बल्कि इसका संबंध जलवायु परिवर्तन के शमन, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास से भी है।

उन्होंने बताया कि मिट्टी का संरक्षण और प्रबंधन हमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करता है और यह गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी सहायक होता है। सुशील कुमार मिश्रा ने किसानों को यह भी बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य केवल उन्हें मृदा की अहमियत से अवगत कराना नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देना है कि हमें मिलकर अपने पर्यावरण और मिट्टी की सेहत का ख्याल रखना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम सुरक्षित और उपजाऊ जमीन छोड़ सकें। इस कार्यक्रम में कृषि मित्रों और कई किसानों ने भाग लिया और उन्होंने मृदा स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड प्राप्त किए। किसानों को यह कार्ड प्राप्त करने के बाद यह उम्मीद है कि वे अपनी भूमि की सेहत को समझने और उसकी देखभाल करने में अधिक जागरूक होंगे। कार्यक्रम के समापन पर प्रखंड प्रमुख कमला देवी और कृषि विभाग के अधिकारियों ने सभी किसानों को इस पहल के महत्व के बारे में समझाया और उन्हें प्रेरित किया कि वे मिट्टी के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। साथ ही उन्होंने सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी, जो किसानों को मृदा की सेहत को सुधारने के लिए मदद करती हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कृषि विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय नेताओं ने अहम भूमिका निभाई, और यह संदेश दिया कि मृदा का स्वास्थ्य हर किसान और समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

निज संवाददाता | हरिहरगंज (पलामू)

थाना क्षेत्र के ममरखा गांव के समीप बुधवार की देर शाम एनएच 139 फोरलेन पर हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर कौवाखोह से कटैया अपने घर लौट रहे थे। अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फोरलेन के इंडिकेटर पोल से जा टकराई, जिससे बाइक सवार तीनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक नियंत्रण खो बैठने के कारण बाइक फोरलेन के इंडिकेटर पोल से टकराई। बाइक चला रहे ओम कुमार (25 वर्ष), पिता नंदकिशोर राम, और उनके साथ सवार रंजीत कुमार और अयोध्या राम गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों युवक कटैया गांव के निवासी थे और अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने मदद की और सभी घायलों को सीएचसी हरिहरगंज लाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद ओम कुमार और रंजीत कुमार की हालत को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल और बनासर बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि ओम कुमार के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं, वहीं रंजीत कुमार का दाहिना पैर टूट गया था।

वहीं, बाइक पर सवार तीसरा युवक अयोध्या राम भी घायल था, लेकिन उसका इलाज गांव में ही किया जा रहा है। अयोध्या राम के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, मगर उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद ओम कुमार की हालत और बिगड़ने लगी। उन्हें बनासर बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। रंजीत कुमार का इलाज औरंगाबाद सदर अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। ओम कुमार की मौत से उसके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। जब उसका शव घर पहुंचा, तो परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर फैल गई। परिजनों के अनुसार, ओम कुमार की अगले सप्ताह शादी होने वाली थी। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार में गहरा सदमा पहुंचा है। उसकी शादी की तैयारी पूरी हो चुकी थी और घर में खुशी का माहौल था, लेकिन इस हादसे ने सब कुछ पल भर में बदल दिया। गांव के लोग और रिश्तेदार मृतक के परिवार के साथ शोक व्यक्त कर रहे हैं और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा के उपायों की मांग की है। उनका कहना है कि फोरलेन पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोगों में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। गांववालों ने प्रशासन से यह अपील की है कि सड़क के किनारे सुरक्षा बैरिकेड्स लगाए जाएं और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अन्य जरूरी उपाय किए जाएं। स्थानीय पुलिस ने घटना स्थल का दौरा किया और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सड़क हादसे के बाद यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या इस सड़क पर तेज रफ्तार की निगरानी के लिए कोई विशेष व्यवस्था की गई है, या फिर यह हादसा सिर्फ लापरवाही की वजह से हुआ। यह दुर्घटना एक बार फिर साबित करती है कि सड़क सुरक्षा के उपायों की कमी और तेज रफ्तार पर काबू न पाने से अक्सर जानलेवा हादसे होते हैं। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस हादसे के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर क्या कदम उठाता है।

सांप काटने से आदिवासी युवक बेहोश, इलाजरत

साहिबगंज (नि.सं.)। प्रखंड के आदिवासी गांव झरनाटोला में गुरुवार को 16 वर्षीय सकल हेम्ब्रम को एक सांप ने काट लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। जानकारी के अनुसार, सकल पथरिया बहियार में धान की बाली निकालने के बाद खेत में बने एक गड्ढे में हाथ डालकर चुहा व धान की बाली निकाल रहा था, तभी अचानक सांप ने उसकी अंगुली में डस लिया। सांप के काटने से वह तुरंत मूर्छित हो गया। घटना के बाद बगल के खेत में काम कर रहे मजदूरों ने सकल के परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों ने उसे तुरंत घर लाकर झाड़-फूंक करवाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद, उसकी हालत गंभीर होते देख उसे हिरणपुर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे निगरानी में रखा गया है।

शबरी मंदिर निर्माण का भूमि पूजन हुआ संपन्न

निज संवाददाता | हरिहरगंज (पलामू)

हरिहरगंज प्रखंड के खड़गपुर गांव में गुरुवार को भक्त माता शबरी मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिससे कार्यक्रम में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना। भूमि पूजन के लिए यजमान के रूप में चंदन कुमार भुइयां और उनकी पत्नी को चुना गया। इस धार्मिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय भुइयां कल्याण समिति के प्रखंड अध्यक्ष रामप्रसाद भुइयां ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भुइयां समाज के द्वारा भक्त माता शबरी के मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन का आयोजन किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि माता शबरी ही वह दिव्य भक्त थीं, जिनसे भगवान राम ने नवधा भक्ति का उपदेश लिया और उन्हें अपनी दिव्य भक्ति प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे, जिनमें सौरभ कुमार, अनिल कुमार, गौतम कुमार, डॉ. विकास कुमार, रामभरोस भुइयां, सुमन कुमार, छोटू कुमार, पंसस प्रतिनिधि विनोद भुइयां, शैलेंद्र भुइयां, गुरु गोविंद कुमार, सुभाष कुमार, शेखर कुमार, हरिनारायण भारती, दुर्गा भुइयां, कमलेश भुइयां, रुपेश भुइयां, रामबाबू, गुंजन कुमार, सुनील राम समेत कई अन्य लोग शामिल थे। इस भूमि पूजन के अवसर पर ग्रामीणों के बीच एक खास उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। मंदिर निर्माण के बाद क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस कार्यक्रम ने भुइयां समाज के लोगों को एकजुट करने का भी कार्य किया, और सभी ने इस अवसर पर प्रभु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। जिलेवासी इन दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं और सभी ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। अब, ये खिलाड़ी अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ भिवानी में होने वाली प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, और जिला प्रशासन एवं क्षेत्रवासियों को इनकी सफलता पर गर्व है।

बाबा बैद्यनाथ को लगा नए अन्न का भोग

निज संवाददाता | देवघर

गुरुवार को देवघर में पारंपरिक रूप से नवान्न पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बाबा बैद्यनाथ को नए अन्न का भोग अर्पित किया गया, जो इस पर्व की विशेषता है। पहले बाबा बैद्यनाथ को नवान्न का भोग लगाने की परंपरा है, जिसके बाद श्रद्धालु और स्थानीय लोग इस अन्न का सेवन करते हैं। सुबह के समय बाबा बैद्यनाथ को नए अन्न का भोग अर्पित किया गया, जिसमें ताजे चावल, घंघरा, दही-दूध, गुड़, चूड़ा और अन्य विभिन्न प्रकार की सामग्री शामिल थी। यह सभी सामग्री मिलाकर विशेष रूप से बाबा को अर्पित की गई और इस अवसर पर बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना भी की गई। पूजा का आयोजन मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष पंचमी के शुभ अवसर पर किया गया, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। नवान्न के मौके पर मंदिर प्रबंधन द्वारा बाबा बैद्यनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें क्षेत्रीय तीर्थ पुरोहित राजू मिश्रा ने धार्मिक विधियों का पालन करते हुए बाबा को शाकल्य रूप में नए अन्न का भोग अर्पित किया। उन्होंने बताया कि देवघर में यह परंपरा है कि सबसे पहले बाबा बैद्यनाथ को नए अन्न का भोग अर्पित किया जाता है, और तभी स्थानीय लोग इसे ग्रहण करते हैं। राजू मिश्रा ने यह भी बताया कि नवान्न पर्व का महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि कृषि से जुड़ा हुआ भी है, क्योंकि यह त्योहार मुख्य रूप से किसानों के लिए है। इस दिन वे अपनी नई फसल, खासकर धान, को भगवान को अर्पित करते हैं और फिर उसे खुद खाते हैं या बाजार में बेचते हैं। नवान्न के इस पवित्र अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोग अपनी भावनाओं के साथ बाबा के दर्शन करने और उन्हें भोग अर्पित करने के लिए आए थे। मंदिर परिसर में विशेष आयोजन किए गए, जिसमें भक्तगण बाबा बैद्यनाथ से सुख-समृद्धि और फसल की अच्छी उपज की कामना करते हुए पूजा अर्चना कर रहे थे। नवान्न मुख्यतः किसानों के लिए एक खुशी का दिन होता है, क्योंकि यह समय उनके द्वारा की गई मेहनत का परिणाम दिखाता है।अगहन माह में जब धान की फसल तैयार हो जाती है, तो उसे काटकर खलिहान में लाया जाता है और चावल एवं चूड़ा तैयार किया जाता है। इस नवान्न पर, तैयार किए गए धान से पूजा की जाती है, और फिर इसे खाया या बेचा जाता है।

मेडिकल कॉलेज को जमीन चिह्नित कर शीघ्र होगा हेंडओवर : डीसी

निज संवाददाता | साहिबगंज

जिला में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज व एकलव्य कॉलेज निर्माण के लिए शीघ्र ही आवश्यक जमीन चिन्हित कर हैंड ओवर किया जाएगा। इस सिलसिले में यहां समाहरणालय सभागार में गुरुवार को हुई जिला समन्वय समिति की बैठक में डीसी हेमंत सती ने संबंधित पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया है। डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों से संचालित योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा करने के बाद डीसी ने उसके क्रियान्वयन में आ रही समस्या पर चर्चा की गई। बैठक में जमीन अधिग्रहण, अतिक्रमण वाद,भूमि विवाद, राजस्व, आपदा व उनके स्तर से किए जाने वाले कार्यों पर संबंधित पदाधिकारियों के समन्वय से कार्य त्वरित गति से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने जिले में संचालित तमाम अंतर राज्यीय चेक नाकों पर गहन परिवहन जांच करने एवं वहां मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्ति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी डीटीओ को निर्देशित करते हुए कहां कि वह हर दूसरे- तीसरे दिन एसडीओ व एसडीपीओ से समन्वय स्थापित कर गहनता पूर्वक वाहन जांच चलाएं। बैठक में आठ दिसंबर से तीन दिनों तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारी को लेकर चर्चा हुई। डीसी ने कहा कि शून्य से पांच साल का एक भी बच्चा पोलियो ड्राप लेने से वंचित नहीं रहना चाहिए। भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रकुलेशन टैंक निर्माण के लिए जमीन चिन्हित करने के लिए अपर समाहर्ता को निर्देशित किया गया। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को धान अधिप्राप्ति योजना के तहत जिले के 20 हजार किसानों को निबंधन करने के लिए पहले करने के निर्देश दिए। वन प्रमंडल विभाग की समीक्षा कर उपायुक्त ने तालझारी प्रखंड बीपीएचयू निमार्ण के लिए एनओसी प्रदान करने से संबंधित लंबित मामलों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में डीसी ने हाल ही में तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में हुए पेट्रोल पम्प मालिक शालीग्राम मंडल की दिनदहाड़े हुई हत्या का उल्लेख करते हुए जिले की विधि व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । उन्होंने निर्देश दिया कि थाना व मलखानों में लंबे समय तक पड़ी वाहनों की नीलामी कराया जाए । प्रत्येक सप्ताह शनिवार को थाना दिवस मनाया जाए । उस दिन संबंधित थाना प्रभारी व अंचलाधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर लंबित जमीन संबंधी मामलों को ससमय सुलझाएंगे। डीसी ने भवन प्रमंडल के कार्यों की समीक्षा करते हुए राधानगर थाना क्षेत्र में पुलिस बैरक का निर्माण के लिए प्रस्ताव समर्पित करने को कहा । वहां शीघ्र ही पुलिस बैरेक का निर्माण होगा। नगर परिषद के प्रशासक को शहर के शेडो एरिया में हाई मास्क लाइट लगाने के निर्देश दिए,ताकि रात के समय अंधेरे का फायदा उठाकर कोई अपराधिक घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके। बैठक में डीसी ने जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों का कायाकल्प करने एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ लाभार्थियों को देने के सख्त निर्देश दिए। जिले के सभी प्रखंडों में सात से 10 दिसंबर तक आयुष्मान कैंप लगाए जाएंगे। कैम्प में युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। बैठक में भवन निर्माण विभाग, लघु सिंचाई विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पथ प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, विद्युत आपूर्ति विभाग, वन प्रमंडल, नगर परिषद, नगर पंचायत, जेएसएलपीएस, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, जल संसाधन, स्वास्थ्य विभाग समेत कई अन्य विभागों में संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा हुई। बैठक में एसपी अमित कुमार सिंह, डीएफओ प्रबल गर्ग, डीडीसी सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता गौतम भगत, आइटीडीए निदेशक संजय कुमार दास, डीटीओ मिथिलेश कुमार चौधरी, सदर एसडीओ अंगार नाथ स्वर्णकार, राजमहल एसडीओ कपिल कुमार, डीएसओ झुनू कुमार मिश्रा, डीएमओ कृष्ण कुमार किस्कू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला सूचना व विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, डीईओ दुर्गानंद झा, डीएसई कुमार हर्ष, डीसीओ महादेव मुर्मू, जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा, सभी प्रखण्डों के बीडीओ व सीओ एवं सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

पति के विरूद्ध मारपीट व प्रताड़ना का मामला दर्ज

पाकुड़ (नि. सं.)। थाना क्षेत्र अंतर्गत अमृतपुर गांव निवासी राखी मंडल ने महेशपुर थाने में लिखित आवेदन देकर अपने पति जयंत कुमार मंडल के खिलाफ मारपीट व प्रताड़ित करने की प्राथमिकी दर्ज करायी है। वादिनी राखी मंडल ने उल्लेख किया है कि उसके पति जयंत कुमार मंडल का अवैध संबंध किसी अन्य आदिवासी महिला के साथ है। अवैध संबंध का विरोध करती है तो उसके पति उसके साथ मारपीट करते हैं। 1 दिसंबर 2024 को उसका पति उक्त महिला को घर ले आए तथा उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट किए। 2 दिसंबर की सुबह भी उसके पति तथा आदिवासी महिला ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट किया और घर में ताला बंद कर दिया। जिसके बाद वह अपने पिता के घर अमृतपुर चली गई। 4 दिसंबर वापस आई तो उसके पति ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट किया। वादिनी के लिखित आवेदन के आधार पर महेशपुर थाने में नामजद आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(2), 352, 85, 3(5) के तहत थाना कांड संख्या 155/24 दर्ज कर आगे की कारवाई में जुटी है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

किसान बार-बार आंदोलन को मजबूर क्यों ?

किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे।ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं।विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती।गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं।दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है।

ब्रिक्स देशों को चेतावनी, विश्व में एकाधिकार चाहता है अमेरिका

किसी भी देश में सत्ता बदलने के साथ उसकी नीतियों में बदलाव आना हैरानी की बात नहीं है, लेकिन इस बार अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। हालांकि ट्रंप आधिकारिक रूप से जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालेंगे, मगर पिछले कुछ दिनों से वे जिस तरह के बयान दे रहे और अपनी सरकार गठन को लेकर जो तस्वीरें पेश कर रहे हैं, उससे साफ है कि वे इस बार बहुत कुछ नया करने जा रहे हैं।अपने एक ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी डालर को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसे अमेरिका में कारोबार के लिए सौ फीसद शुल्क की नीति का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के निशाने पर मुख्य रूप से ब्रिक्स समूह के नौ देश हैं। उनके बयान को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।सवाल है कि औपचारिक रूप से सत्ता संभालने के पहले ही ट्रंप का ऐसा आक्रामक रुख क्यों सामने आने लगा है। आर्थिक मामलों पर उभरे गतिरोध अलग-अलग देशों के साथ सहयोग आधारित नीतियों के जरिए और सहमति के आधार पर दूर किए जाते हैं या आक्रामक नीतियां लागू करने की धमकी से? इसमें कोई दोराय नहीं कि अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस क्रम में ब्रिक्स देश और खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डालर के विकल्प के रूप में अपनी नई मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है।

देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए।

शिवसेना यूबीटी यदि सूझबूझ दिखाए तो पुनः पलट सकती है सियासी बाजी !

(कमलेश पांडे)

आपको यह जानकर हैरत होगी कि जैसे ही शिवसैनिकों ने एकनाथ शिंदे तक यह खबर पहुंचाई कि यदि वो 'सियासी फूफा' बनेने का स्वांग रचेंगे तो भाजपा, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे के ऊपर डोरे डाल सकती है, वैसे ही एकनाथ शिंदे के होश उड़ गए। कभी महाराष्ट्र की सियासी धड़कन समझी जाने वाली 'शिवसेना' भाजपा से अपनी गहरी दोस्ती के लिए जानी मानी जाती थी, लेकिन मुख्यमंत्री पद के सवाल ने दोनों के बीच जो खटास पैदा की, वो निरन्तर जारी है। इसने अवसरवादी प्रवृत्ति ने क्षेत्रीय हिंदूवादी राजनीति को गहरा आघात पहुंचाया है। शिवसेना के पूर्व सुप्रीमो और अब शिवसेना यूबीटी के सर्वेसर्वा तथा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव भाऊ ठाकरे के बाद जब शिवसेना के नए प्रमुख और महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जब पुनः मुख्यमंत्री पद के सवाल पर पहले सस्पेंस और बाद में क्लीनचिट वाली राजनीतिक चाल चली तो राजनीतिक गलियारे में उद्धव ठाकरे के ऊपर लगी पदलोलुपता की दाग धूल गई। आपको यह जानकर हैरत होगी कि जैसे ही शिवसैनिकों ने एकनाथ शिंदे तक यह खबर पहुंचाई कि यदि वो 'सियासी फूफा' बनेने का स्वांग रचेंगे तो भाजपा, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे के ऊपर डोरे डाल सकती है, वैसे ही एकनाथ शिंदे के होश उड़ गए। क्योंकि शिवसेना यूबीटी द्वारा कांग्रेस की आलोचना किये जाने के पीछे की एक वजह यह भी है। इसके अलावा, एनसीपी प्रमुख अजित पवार के ऊपर भी भाजपा का भरोसा मजबूत होगा और बीजेपी की महाराष्ट्र सरकार आसानी से बन जाएगी। क्योंकि देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार पहले भी मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले चुके हैं और गत विधानसभा चुनावों में बटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे के बाद दोनों के बीच जो मतभेद पैदा हुआ है, उसे भी पाटने में मदद मिल जाएगी। बता दें कि अजित पवार के गत दिनों के ताजा बयान का संदेश भी स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। इससे पहले एकनाथ भी लगभग यही बात बोल चुके हैं। इसलिए किसी तरह की गलतफहमी न केवल महायुति की सियासी साख बल्कि शिवसेना और एकनाथ शिंदे के राजनीतिक वजूद पर भी सवाल पैदा कर सकते हैं। समझा जाता है कि यही सब सोचकर बीमार एकनाथ रविवार को चंगा हो गए और महायुति की बीजेपी सरकार के पक्ष में सकारात्मक बयानबाजी किए। बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस भी यही चाहते थे। उन्हें पता है कि उनके समानांतर किसी को पैदा किया जाता है, इसलिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर वो शक करते हैं! सच कहूं तो महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन से पहले जो पूरा सियासी ड्रामा मुंबई से दिल्ली तक चला, इससे यदि किसी को लाभ मिल सकता है तो वह हैं शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे। क्योंकि बीएमसी चुनाव सिर पर है। जब उन्हें यह पता चल चुका है कि कांग्रेस उनको ज्यादा तवज्जो नहीं देगी, तब वह अपने मूल जनाधार को बचाने की रणनीति बनाएं, जो उनकी गलत नीतियों के चलते एकनाथ शिंदे की तरफ शिफ्ट होते दिखाई पड़ रहे हैं। इसके लिए वह भाजपा की सरकार को बाहर से समर्थन देने की पहल करें, वो भी बिना मांगे। इससे भाजपा से ज्यादा शिवसैनिकों की सहानुभूति उन्हें मिलेगी। इसके बाद वह महाराष्ट्र से बाहर निकलें और पूरे देश में हिंदूवादी राजनीति को मजबूत करें। क्योंकि सत्ता में रहकर भाजपा जो काम नहीं कर सकती है, वह उनकी परोक्ष सहयोगी बनकर शिवसेना यूबीटी कर सकती है, क्योंकि सिर्फ शिवसेना गई है, उसका मुख पत्र सामना (दोपहर का सामना) आज भी उनके पास है। पहले उद्धव इसका देश व्यापी विस्तार करें और फिर उसी की आड़ में सियासी गोटियां सेट करें। क्योंकि देर सबेर शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार भाजपा से दूर जाएंगे, क्योंकि इनकी सियासी तासीर कभी देवेंद्र फडणवीस से मेल नहीं खाएगी। इसलिए शिवसेना यूबीटी यदि राजनीतिक सूझबूझ दिखाएगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5573

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5572

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

वर्ग पहेली 5573

1	2		3	4		5		
6			7		8		9	
		10			11			
12	13							
14			15					
		16					17	
	18				19	20		
21			22			23		

संकेत: बाएं से दाएं
1. ये तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरू है, यह एक मंगोलियाई पदवी है, जिसमका मतलब होता है ज्ञान का महासागर (5)
6. बराबर, विभाज्य (2)
7. विम्बलडन नाम इस खेल से जुड़ा है (5)
10. द्वार यंत्र, लॉक (2)
11. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
12. सिंह या शेर को यह भी कहते है (4)
14. पेरिस शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह नदी इंगलिश चैनल मे जाकर गिरती है (2)
15. क्रम में प्रथम, आदिम (3)
16. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
17. जननी, मां, मातृ, पैदा करने वाली स्त्री (1)
18. पश्चिमी अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
19. अध्ययन (अंग्रेजी)(2)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का यह नाम था (2)
22. पुराणानुसार एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. धमनी, स्पंद, रग (2)

ऊपर से नीचे
1. दस दिन का आयोजन या कार्यक्रम (6)
2. अलक, जुल्फ (2)
3. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की (8)
4. इज्जत, प्रतिष्ठा, आबरू, मापदंड (2)
5. पवन, वायु, हवा (3)
8. तकनीकी संबंधी जानकारी रखने वाला (6)
9. वायु, पवन, बयार (3)
10. बृहस्पति की पत्नी का नाम (2)
13. महिला ईसाई पादरी (2)
16. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
18. ऐक्सिस, कीलक, धुरी, मेरू (2)
20. किसी महाविद्यालय का प्रमुख (2)

वर्ग पहेली 5572 का हल

ग्री	स		फि	रो	जा	बा	द
वा	र	दा	त		न	ग	र
	प	ह	र		की		मा
ह	र	क	त		खै	र	
द	स्त			सू	र	ज	
क		जू	न		म	क	र
र	ख	ना		पा	ना		क्षि
ना	त			क	ना	ग	त

आज का राशिफल

मेष
आज दिन व्यस्त रहेगा। मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा, जिससे काम का बोझ बढ़ सकता है। लेकिन शाम तक अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। कोई अपना मिलने आ सकता है। व्यावसायिक मामलों में सावधानी बरतें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। निवेश से लाभ होने की संभावना है। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृष
आज दिन मिलाजुला रहेगा। आपको मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। सफलता पाने के लिए काम पर ध्यान दें। आलस्य से बचें और छोटी-मोटी टेंशन को अपने ऊपर हावी न होने दें। शाम को परिवार के साथ समय बिताएंगे और आपको खुशी होगी। आपके घर में खुशी का माहौल रहेगा। अपने ऊपर नियंत्रण रखना आपके लिए फायदेमंद होगा।

मिथुन
आज दिन सफलता से भरा होगा। लाभ के योग हैं। फोन कॉल के जरिए काम से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। व्यापार में नई तकनीक अपनाने से फायदा होगा। इससे उन्हें सफलता मिल सकती है।

कर्क
आज किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। अपने काम पर ध्यान दें। व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। परिवार के साथ खरीदारी करने का मन करेगा। काम की प्राथमिकता तय करें। समय का सही प्रबंधन करें। आपको पैसों के मामले में किसी बाहरी व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करने की जरूरत नहीं है।

सिंह
आज दिन शुभ है और आपको टीम वर्क से काम करने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे। सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करें। बातचीत से नए विचार मिल सकते हैं। दोस्तों के लिए उपहार खरीदते समय बजट का ध्यान रखें। बचत करने के बारे में सोचें। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपको अपने परिवार के लोगों से जरूरी काम में सलाह लेनी पड़ सकती है। मन में प्रसन्नता रहेगी।

कन्या
आज दिन मिला-जुला रहेगा। कोशिश करते रहने से रुके हुए काम पूरे होंगे। सतर्क रहकर काम करें। यह संघर्ष का अंतिम दौर हो सकता है। फिजूलखर्ची से बचें, ताकि भविष्य के लिए बचत कर सकें। अपनी आय और व्यय का हिसाब रखें।

तुला
आज दिन लाभदायक रहेगा। कहीं से अच्छा प्रस्ताव मिल सकता है। लेकिन जोखिम भरे काम से बचें। पारिवारिक विरोधी फिलहाल शांत रहेंगे। आपके लिए दिन सम्मान से भरा रहेगा। इसका पूरा लाभ उठाएं और नए अवसरों की तलाश करें। आपका दिन कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ हंसीखुशी से सहयोग के साथ काम करते बीत जाएगा।

वृश्चिक
आज करियर में लाभ के योग हैं। दिन अच्छा रहेगा। नए विचारों पर काम करेंगे और उनमें आपको सफलता भी मनचाही मिलेगी। रिश्तेदारों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे और आपके सुख में वृद्धि होगी। दोस्तों के साथ समय बिताने से फायदा होगा। घरवालों से बहस होने की आशंका है, इसलिए संभलकर रहें। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

मकर
आज दिन सफलता भरा रहेगा। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। फोन कॉल के जरिए खुशखबरी मिल सकती है। सहकर्मी आपके टीम वर्क से खुश रहेंगे। लेन-देन और व्यापार में सावधानी बरतें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फिजूलखर्ची से बचें। अपने बजट का ध्यान रखें। शॉपिंग करने परिवार के साथ जाएंगे और आपको ऐसा करने में खुशी का अनुभव होगा।

कुंभ
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपको कुछ जरूरी काम करने पड़ सकते हैं। मेहनत अधिक करनी होगी। शाम तक लाभ मिलेगा और नए अवसर प्राप्त होंगे। घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। कोई चिंता दूर होगी। समय का सदुपयोग करें तो आपकी योजनाएं समय से सफलता के साथ पूरी हो जाएंगी।

धनु
आज का दिन व्यस्त रहेगा। सोच-समझकर किए गए काम से फायदा होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। कोई पुरानी चिंता दूर होगी। दूसरों की मदद करने से आपको भी मदद मिलेगी। ईमानदारी से काम करने पर अच्छा फल मिलेगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। आपको ऑफिस में सहयोगियों से मदद लेनी पड़ सकती है।

मीन
आज समय अच्छा है। इसका पूरा लाभ उठाएं। ऑफिस में सहकर्मियों से बहस न करें। आपकी कई इच्छाएं पूरी होंगी। घूमने-फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। किसी प्रतियोगिता में जीत हो सकती है। वित्तीय मामलों में अनुभवी लोगों की सलाह लें। निवेश करने से पहले पूरी जानकारी हासिल करें। आपको धन के मामले में लाभ होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल सरकार सुक्खू प्राइवेट लिमिटेड के रूप में कर रही काम - राजेंद्र राणा

हमीरपुर , एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राणा ने बुधवार को आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश की सरकार सुक्खू प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनकर काम कर रही है। राणा ने हमीरपुर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाले मुख्यमंत्री बन गए हैं। जनता के बीच गारंटी पूरी करने का झूठ और भ्रम फैलाया जा रहा है। ओल्ड पेंशन के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। कितने लोगों को यह मिली है, इसकी जानकारी जनता को सरकार क्यों नहीं देती हैं? महिलाओं को 1,500 रुपये देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आज ऐसा लग रहा है कि प्रदेश में प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सरकार चल रही है। नियमों को ताक पर रखकर तमाम काम हो रहे हैं। अधिकारियों की नियुक्ति में और उनके प्रमोशन में भेदभाव किया जा रहा है। सरकार में दिल खोलकर कैबिनेट रैंक बांटने का काम हुआ है। पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को अपने दो साल का जश्न नहीं बल्कि जनता को धोखा देकर उन्हें प्रताड़ित करने के लिए अफसोस करना चाहिए। प्रदेश को हजारों करोड़ के कर्ज में डुबो दिया गया है और सुक्खू सरकार जश्न मनाने में जुटी हुई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के संरक्षण में अवैध खनन को बढ़ावा मिला है, यही वजह है कि उनके विधानसभा क्षेत्र से एक व्यक्ति को ईडी ने अवैध खनन को लेकर गिरफ्तार किया है। जब सब जगह पर क्रशर बंद थे तो केवल अपने एक चहते को क्यों क्रशर चलाने दिया गया। एक क्रशर की परमिशन पर तीन क्रशर चलकर करोड़ों रुपये का अवैध खनन किया गया। मुख्यमंत्री का ऐसे लोगों से क्या संबंध है, इसका खुलासा वह जनता में क्यों नहीं करते हैं?

संसद में प्रियंका गांधी ने की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को केरल के कई लोकसभा सदस्यों के साथ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और वायनाड में भूस्खलन प्रभावित लोगों की मदद का आग्रह किया। संसद भवन परिसर स्थित शाह के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान केरल से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस, आईयूएमएल और आरएसपी के सांसद के मौजूद थे।

शाह से मुलाकात के बाद वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हमने गृह मंत्री जी से मिलकर उन्हें वायनाड के हालात से अवगत करवाया है। वहां के लोगों के जीवन पर भूस्खलन का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। लोगों के परिवार और घर उजड़ गए हैं, उनके पास कोई सहयोग तंत्र नहीं बचा है। उन्होंने कहा, इन हालात में केंद्र सरकार अगर कुछ न करे, तो लोग किससे उम्मीद करेंगे। हमने गृह मंत्री जी से अपील की है कि राजनीति को परे वायनाड के लोगों की मदद की जाए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां पीड़ितों से मिले थे, तब लोगों को मदद की उम्मीद जगी थी, लेकिन अभी तक कोई मदद नहीं मिल पाई है। वायनाड में इस साल जुलाई में भूस्खलन के कारण भारी तबाही हुई थी जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। वाद्रा ने कहा, मैंने शाह से वायनाड के लोगों की राजनीति से ऊपर उठकर मदद करने का आग्रह किया है। बाढ़ के कारण सबके घर, पाठशालाएं सब बह गई हैं और इसी को देखते हुए गृहमंत्री से मानवता के आधार लोगों की मदद का आग्रह किया है। इस मामले में राजनीति से ऊपर उठकर वायनाड के पीड़ितों की मदद की जानी चाहिए। हमने प्रधानमंत्री के साथ ही गृहमंत्री को ज्ञापन दिया है और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया है।

हर ट्रेन में अब लगेंगे चार जनरल कोच, जनरल टिकट यात्रियों को होगा फायदा

हैदराबाद, एजेंसी। यात्रियों को राहत देने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या बढ़ाने की घोषणा की है. कई चरणों में शुरू होने वाली इस योजना के तहत वर्तमान में केवल दो जनरल कोच वाली ट्रेनों में अब चार कोच होंगे. इसके अतिरिक्त यात्रियों के अनुभव और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक एलएचबी कोच कोच भी शुरू किए जा रहे हैं.

इस पहल के तहत दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार (4 दिसंबर) को कहा कि जोन के भीतर 21 जोड़ी ट्रेनों में 80 नए एलएचबी कोच जोड़े जाएंगे. इस अपग्रेड का उद्देश्य सामान्य श्रेणी के यात्रियों खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान करना है.

अधिक सीटों के साथ आधुनिक बदलाव

ट्रेन के जनरल कोच पुराने हो चुके हैं. इन कोचों को इस्तेमाल दशकों से किया जा रहा है. इससे यात्रियों को असुविधा होती है. कई ट्रेनों में केवल दो जनरल कोच होने के कारण यात्रियों को सीट पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है. इस समस्या को हल करने के लिए रेलवे बोर्ड सक्रिय रूप से जनरल कोच की संख्या बढ़ा रहा है. साथ ही पुराने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ढ्ढष्टस्र) कोचों को आधुनिक एलएचबी कोच वेरिएंट से बदल रहा है.

नए एलएचबी जनरल कोच में न केवल बेहतर डिजाइन है, बल्कि पुराने मॉडल में 90 सीटों की तुलना में 100 सीटें भी हैं. अधिक यात्रियों को समायोजित करने के अलावा, ये कोच सुरक्षा को भी बढ़ाते हैं, क्योंकि इन्हें दुर्घटनाओं के दौरान नुकसान को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है. पहले एसी और स्लीपर क्लास के लिए विशेष रूप से बनाए गए एलएचबी कोच को अब जनरल क्लास में भी शामिल किया जा रहा है.

व्यापक स्तर पर बदलाव जारी

वर्तमान में दक्षिण गौतमी और नारायणद्री एक्सप्रेस जैसी लोकप्रिय ट्रेन सेवाओं सहित 19 अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों में 66 एलएचबी कोच पहले ही लगाए जा चुके हैं. दक्षिण मध्य रेलवे ने पुष्टि की है कि चरणबद्ध रोलआउट जारी रहेगा. इसमें देश भर में 370 ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाए जा रहे हैं. इस विस्तार से प्रतिदिन अतिरिक्त 70,000 यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है.

दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सामान्य श्रेणी के यात्रियों को प्राथमिकता देने के लिए रेलवे की प्रतिबद्धता पर जोर दिया. उन्होंने कहा, एलएचबी कोच अधिक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करते हैं जिससे आम यात्री को बहुत राहत मिलती है. इन प्रगतियों के साथ भारतीय रेलवे का लक्ष्य यात्रा को सुरक्षित और आरामदायक बनाना तथा सामान्य श्रेणी में अधिक यात्रियों को स्थान देना है. ताकि सभी के लिए पहुंच और आराम सुनिश्चित हो सके. बता दें कि ट्रेनों के दो तरह के कोच होते हैं. इसमें एक आईसीएफ कोच और दूसरा एलएचबी कोच शामिल है. एलएचबी कोच कोच लाल रंग के होते हैं. वहीं आईसीएफ कोच नीले रंग के होते हैं. इन दोनों ही कोचों में तकनीकी रूप से कई अंतर होते हैं।

एफएनजी एक्सप्रेसवे से घटेगी 2 राज्यों की दूरी, एनएचएआई को का काम सौंपने की तैयारी

फरीदाबाद/नोएडा एजेंसी। फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद एक्सप्रेसवे (एफएनजी एक्सप्रेसवे) बनाने का जिम्मा एक बार फिर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को देने के प्रयास शुरू हो गए हैं। इसके लिए इस बार उत्तर प्रदेश के बजाय हरियाणा सरकार ने प्रयास शुरू किए हैं। इससे पहले नोएडा प्राधिकरण के जरिये प्रदेश सरकार ने भी दो-तीन बार प्रयास किए थे, जो सफल नहीं हो सके थे। हरियाणा सरकार अपने स्तर से भी इसको बनाने की तैयारी में जुटी है।

नोएडा और हरियाणा सरकार के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बीच मंगलवार को हुई बैठक में एनएचएआई को एफएनजी बनाने का जिम्मा देने के संकेत सामने आए हैं। एफएनजी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की टीम मंगलवार को फरीदाबाद गई थी। बैठक में यमुना पर बनने वाले पुल और उसको जोड़ने वाली सड़क के अलाइनमेंट को लेकर चर्चा की गई। उसी हिसाब से नोएडा प्राधिकरण अपने क्षेत्र में यमुना पर बनने वाले पुल को जोड़ते हुए सड़क बनाएगा। वहां के अधिकारियों ने बताया कि यमुना पर बनने वाले पुल समेत अन्य काम की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। इसको मंजूरी के लिए भेजा गया है। इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी। यमुना पर बनने वाला पुल जमीन से करीब 14 मीटर की ऊंचाई पर होगा। इसको जोड़ने वाली सड़क की ऊंचाई भी काफी होगी।

यमुना पर बनने वाले पुल पर 200 से 250 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। इस खर्च को नोएडा और हरियाणा सरकार आधा-आधा वहन करेंगे। यह पुल फरीदाबाद के लालपुर गांव के पास जुड़ेगा। महत्वपूर्ण यह है कि पुल के अलावा एफएनजी के लिए फरीदाबाद क्षेत्र में सड़क बनाने के लिए किसानों से काफी जमीन लेनी है। आज के समय में किसान आसानी से जमीन देने को तैयार नहीं हैं। नए कानून के तहत जमीन लेने में सरकार पर अधिक आर्थिक भार पड़ेगा। इस पर एक हजार करोड़ से अधिक खर्च आने का अनुमान है। अभी फरीदाबाद की तरफ एफएनजी को लेकर कोई काम नहीं हुआ है। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो ऐसे में हरियाणा सरकार ने यह परियोजना को फिर से एनएचएआई के हवाले करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

प्रस्ताव ठुकराया जा चुका: नोएडा प्राधिकरण के प्रस्ताव पर बीते वर्षों में यूपी सरकार ने एनएचएआई को एफएनजी का काम देने के प्रयास किए थे। इसके लिए केंद्र सरकार को पत्र भी भेजे गए।

सलमान खान के सेट पर हंगामा मचाने वाला संदिग्ध जूनियर आर्टिस्ट गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के सेट पर हंगामा मचाने वाले संदिग्ध का नाम सतीश वर्मा है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वो एक जूनियर आर्टिस्ट है। 4 दिसंबर को शूटिंग स्थल पर अचानक एक शख्स घुस आया था जब उसे सिक्योरिटी गार्ड ने रोकने की कोशिश की, तो धमकी भरे लहजे में कहा था कि लॉरेंस को बुलाऊं क्या? जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया था। वो अभी पुलिस हिरासत में है। पुलिस उससे इस मामले के संबंध में पूछताछ कर रही है। लेकिन, पूछताछ में कोई भी संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आया है। पुलिस के मुताबिक, सतीश वर्मा जूनियर आर्टिस्ट का काम करता है। वो सलमान खान के सेट पर इसलिए घुसा, ताकि वो अभिनेता के साथ तस्वीरें क्लिक करा सके। लेकिन, सेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक दिया। इस पूरे वाकये के दौरान सलमान खान सेट पर मौजूद नहीं थे। इस घटना की पुलिस गंभीरतापूर्वक विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि उसके जीवन का एकमात्र लक्ष्य सलमान खान

को जान से मारना है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने 12 नवंबर को सलमान खान को धमकी भरे संदेश भेजने के आरोप में 24 वर्षीय एक व्यक्ति को कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया था कि आरोपी का नाम सोहेल पाशा है। मुंबई पुलिस के अनुसार, पाशा ने यह धमकी भरा मैसेज प्रसिद्धि पाने के लिए किया था। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था, बॉलीवुड स्टार सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से जान से मारने की धमकी मिली थी। यह धमकी वर्ली स्थित मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को भेजे गए एक संदेश के जरिए दी गई थी। इस संदेश में च्चमैं सिकंदर हूंज्ज के गीतकार का ज़िक्र किया गया था और कथित तौर पर गैंग की ओर से खान से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में उठाए मजबूत कदम : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में व्यापक काम किए हैं। किसानों को योजनाओं का लाभ मिला है। बीती रात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से नई दिल्ली तक शताब्दी ट्रेन में सफर के उपरांत नई दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के कल्याण में केवल अनेक योजनाओं को लागू किया है, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया है। किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपये वार्षिक मदद दी जा रही है। इससे किसानों को बीज, खाद खरीदने में मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पहले यह दुष्प्रचार किया कि फसलों पर एमएसपी बंद हो जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फसलों की एमएसपी को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस के राज में किसानों को फसलों की जो एमएसपी दी जा रही थी, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में डेढ़ गुना ज्यादा कर दी गई है। इसके साथ-साथ आज प्रदेश सरकार न केवल किसानों को एमएसपी का भाव दे रही है बल्कि फसल का एक-एक दाना भी खरीद रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की फसल के खराब होने पर कांग्रेस के राज में कोई सुनवाई नहीं थी। किसानों को मुआवजे के रूप में महज 5 से 10 रुपये मिलते थे। अब हमारी सरकार में किसानों को फसलों के खराब होने पर पूरा मुआवजा दिया जाता है। सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले जितनी भूमि पर फसल होती थी, अब प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत डेढ़ गुना भूमि में अब ज्यादा सिंचाई की जा रही है। ज्यादा क्षेत्रफल तक सिंचाई की सुविधा देने से किसान की पैदावार बढ़ाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। प्रदेश में वर्ष 2014 के बाद धान, गेहूं व अन्य फसलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। इसके साथ-साथ फसलों की पैदावार और किसानों की आमदनी भी बढ़ी है।

नोएडा में जेल से रिहा हुए किसान फिर गिरफ्तार, सीएम योगी के ट्वीट के बाद पुलिस ने लिया ऐक्शन

नोएडा एजेंसी। नोएडा पुलिस ने बुधवार शाम जेल से रिहा हुए किसानों को देर रात एक बार फिर से गिरफ्तार कर लिया है। सीएम योगी के ट्वीट के बाद पुलिस की ओर से यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने नोएडा जीरो पॉइंट पर धरना दे रहे किसानों को जबरन उठाकर धरनास्थल खाली कराया था। सीएम योगी की ओर से कहा गया है कि गौतमबुद्धनगर हो या फिर अलीगढ़ अथवा सम्भल किसी को भी अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किए गए सभी 123 किसानों को देर शाम रिहा कर दिया था।

यूपी सीएम ऑफिस के आधिकारिक एक्स हेंडल से किए पोस्ट में कहा गया, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ़, सम्भल अथवा कोई अन्य जनपद, कहीं भी अराजकता फैलाने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती। जनपद सम्भल में विगत दिनों हुई घटना से जुड़े उपद्रवियों के साथ पूरी कठोरता के साथ निपटें। जिन लोगों ने सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षतिग्रस्त किया है, उसे वापस ठीक कराने का खर्च उन्हीं उपद्रवियों से लिया जाए। अराजकता फैलाने वालों को चिह्नित किया जाए। इसके लिए जनता का सहयोग लें, सघन सर्च ऑपरेशन चलाएं। एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए।

नोएडा पुलिस दलित प्रेरणा स्थल से किसानों को किया था गिरफ्तार

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा के 'दलित प्रेरणा स्थल' पर धरना दे रहे किसानों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया था। किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से गौतमबुद्ध नगर में एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे दिल्ली की ओर अपना मार्च फिर से शुरू करेंगे।

पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए किसान मोर्चा ने कहा कि यह शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है और न्यायपालिका से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। किसानों के समूह ने एक बयान में दावा किया कि पुलिस ने च्च्एक सौ से अधिक महिलाओं सहित सैकड़ों किसानोंज्ज को गिरफ्तार किया और उन्हें विरोध स्थल से जबरन हटा दिया।

हालांकि, पुलिस ने बताया था कि भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर यादव 'खलीफा', भारतीय किसान यूनियन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) के प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना, किसान नेता रूपेश वर्मा, सुनील फौजी, सुनील प्रधान, उदल यादव और अमन भाटी समेत कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई अपनी जमीन के लिए उचित मुआवजे की मांग को लेकर ये किसान सोमवार को महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्र होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें दलित प्रेरणा स्थल के पास रोक लिया था, जिसके बाद वहीं किसान धरने पर बैठ गए थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) शिव हरि मीणा ने बताया था कि पुलिस ने दोपहर करीब डेढ़ बजे 160 से ज्यादा किसानों को गिरफ्तार कर लिया।

राजू निकला इंद्रराज, लापता-अपहरण की फर्जी कहानियों से 9 परिवारों को दे चुका धोखा; राजस्थान से जुड़ा लिंक

गाजियाबाद एजेंसी। खुद के अपहरण की झूठी कहानी रच देहरादून और गाजियाबाद के खोड़ा में फर्जी बेटा बनकर रहने वाला राजू असल में राजस्थान का इंद्रराज निकला। मंगलवार को डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल लिए जाने के बाद राजू टूट गया और उसने अपने फर्जीवाड़े की परतें खोल दीं। उससे पूछताछ में यह भी सामने आया कि वह अब तक लापता और अगवा होने की झूठी कहानी बताकर नौ परिवारों को धोखा दे चुका है। 23 नवंबर को राजू नाम का एक युवक खोड़ा थाने पहुंचा था। उसने पुलिस को बताया था कि वर्ष 1993 में वह स्कूल से घर आ रहा था, इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे अगवा कर लिया और राजस्थान लेकर चले गए। वहां उसे झोपड़ी में रखकर उसे यातनाएं दी गईं और फिर बकरियां चराने का काम सौंप दिया गया।

पुलिस ने जांच की तो 31 साल पहले एक गुमशुदगी दर्ज मिली। गुमशुदी दर्ज कराने वाले परिवार को बुलाया तो राजू ने उन्हें अपना माता-पिता बताया। इसके बाद खोड़ा पुलिस ने राजू को परिवार के हवाले कर दिया था। दो दिन बाद ही पता चला कि राजू इसी तरह देहरादून के परिवार के साथ भी अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक साथ रहा। वहां भी उसने अपने अपहरण की फर्जी कहानी रची थी। 21 नवंबर को नौकरी की तलाश करने के बहाने दिल्ली जाने की बात कहकर वह देहरादून से आ गया था। फर्जीवाड़े का पता लगने पर खोड़ा पुलिस ने राजू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने 3 दिसंबर को राजू और खोड़ा निवासी उसके कथित पिता का सैंपल लेकर डीएनए को भेजा तो राजू टूट गया। उसने बताया कि वह राजू नहीं, बल्कि राजस्थान का रहने वाला इंद्रराज है।

हर जगह लापता और अगवा होने की फर्जी कहानी रची

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पता चला है कि इंद्रराज उर्फ राजू बीते चार सालों में नौ परिवारों की भावनाओं से खिलवाड़ कर चुका है। वह इन नौ परिवारों में बेटा बनकर रहा और कुछ महीनों के बाद बहाने बनाकर निकल गया। हर जगह वह अपने लापता होने और अगवा होने की फर्जी कहानी रचता था। अब तक खोड़ा के अलावा देहरादून और राजस्थान के सीकर में 3 परिवार ट्रेस हो गए हैं, जबकि बाकी परिवारों से पुलिस संपर्क साध रही है। पुलिस का कहना है कि राजू ने सिर्फ परिवारों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया।

पिता ने 13 साल पहले राजू को कर दिया था बेदखल

राजू की असली पहचान उजागर होने के बाद पुलिस ने राजस्थान में रहने वाले उसके परिजनों से संपर्क साधा। पुलिस को पता चला कि राजू का असली नाम इंद्रराज है और पिता का नाम चुन्नीलाल है। इंद्रराज के परिवार में माता-पिता के अलावा एक भाई और दो बहनें हैं। इंद्रराज बचपन से ही खुराफाती था, जिसके चलते उसके पिता ने वर्ष 2011 में उसे अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। इसके बाद इंद्रराज घर से निकल गया और अपना नाम राजू रख लिया।

शहीदनगर निवासी निवासी तुलाराम और उनका परिवार राजू को अपने बेटे के रूप में पाकर बहुत खुश था, लेकिन राजू का राज खुलने के बाद तुलाराम ने उससे पल्ला झाड़ लिया। तुलाराम का कहना है कि डीएनए रिपोर्ट अगर मिलान हो जाती है, तो भी वह राजू को बेटे के रूप में नहीं अपनाएंगे। हालांकि, उनकी पत्नी ने राजू को अपनाने की बात कही है। बता दें कि, तुलाराम का बेटा वर्ष 1993 से लापता है। राजू ने जिस तरह से कहानी बताई, उससे पुलिस के साथ-साथ तुलाराम का परिवार भी चकमा खा गया। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस जल्द ही प्रेसवार्ता कर राजू के फर्जीवाड़े का खुलासा कर सकती है।

जूनियर एशिया कप:

भारत ने जीता जूनियर एशिया कप का खिताब

फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से चटाई धूल

मस्कट, एजेंसी। अराइजीत सिंह हुंदल के चार गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां पुरुष जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर खिताब की हैट्रिक बनाई। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का 5वां खिताब है।

इससे पहले भारत ने 2004, 2008, 2015 और 2023 में यह खिताब जीता था। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2021 में आयोजित नहीं किया गया। हुंदल ने चौथे, 18वें और 54वें मिनट में 3 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और 47वें मिनट में मैदानी गोल दागा। भारत के लिए एक अन्य गोल दिलराज सिंह (19वें मिनट) ने किया।

पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (30वें और 39वें मिनट) ने 2 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल किया। इससे पहले जापान ने मलेशिया को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पाकिस्तान ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही शाहिद के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। भारत ने कुछ सेकेंड बाद ही अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिससे हुंदल ने शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक पर पाकिस्तान के गोलकीपर के दाईं ओर से गोल में पहुंचाकर टीम को बराबरी दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपने खेल में सुधार किया और 18वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिससे हुंदल ने गोल में बदला।

एक मिनट बाद दिलराज के एक बेहतरीन मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने 30वें मिनट में सूफियान के पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल से स्कोर 2-3 किया। सूफियान ने 39वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर पाकिस्तान को बराबरी दिला दी।

भारत ने अंतिम क्वार्टर में 47वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन हुंदल के शॉट को पाकिस्तान के गोलकीपर मुहम्मद जंजुआ ने बचा लिया। हुंडल ने हालांकि कुछ सेकंड बाद ही मैदानी गोल दागकर भारत को फिर से बढ़त दिला दी। भारत ने अंतिम 10 मिनट में पाकिस्तान पर कड़ा दबाव बनाया और कुछ और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और हुंदल ने एक बार फिर बेहतरीन वैरिएशन से गोल करके टीम की 5-3 से जीत सुनिश्चित की।

एडिलेड टेस्ट में राहुल-जायसवाल ही ओपनिंग करेंगे: रोहित शर्मा

एडिलेड, एजेंसी। पर्थ में पहला टेस्ट जीतने के बाद अब टीम इंडिया का काफिला एडिलेड पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है और अब सब की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी के साथ टीम इंडिया और अधिक मजबूत हो गई है, लेकिन एक नया टीम कॉम्बिनेशन तैयार करना कोच गौतम गंभीर के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की सराहना करने हुए कहा कि एडिलेड में भी हमारी ओपनिंग जोड़ी यही होगी। शुक्रवार से एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे गुलाबी गेंद टेस्ट में पारी की शुरुआत इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही रहेगी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में राहुल और जायसवाल ने टीम की जीत की नींव रखी थी। रोहित ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷केएल (एडिलेड में) ओपनिंग करेंगे। जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है, वह इसके हकदार हैं। मैं मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। यह काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से, यह आसान नहीं था (बल्लेबाज के तौर पर) लेकिन टीम के लिए यह एक आसान निर्णय था। पारिवारिक कारणों के चलते रोहित शर्मा पहले टेस्ट मैच से बाहर थे।

एडिलेड टेस्ट में इतिहास रचने को तैयार विराट कोहली, डॉन ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर लेंगे बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया था। लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे विराट कोहली का बल्ला उस मैच में जमकर बोला। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाते हुए अपनी फॉर्म भी हासिल की। उस सेंचुरी से किंग कोहली ऑस्ट्रेलिया में जाकर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। वहीं अब कोहली के निशाने पर दिग्गज डॉन ब्रैडमैन का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

एडिलेड में डॉन ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर सकते हैं बराबरी

ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन के नाम किसी देश जाकर विदेशी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 1930 से 1948 के बीच इंग्लैंड जाकर इंग्लैंड के खिलाफ 11 शतक लगाए थे। उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 11 टेस्ट मैच में किया था। अब विराट कोहली इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ 1 शतक दूर हैं।

विराट कोहली ने 43 टेस्ट में लगाए 10 शतक

विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में 43 टेस्ट मैचों में 10 शतक बनाए हैं, उन्होंने पहला टेस्ट मैच 2011 में खेला था। इस लिस्ट में कोहली के बाद जैक हॉब्स (ऑस्ट्रेलिया में 9 शतक), सचिन तेंदुलकर (श्रीलंका में 9 शतक), सर विवियन रिचर्ड्स (इंग्लैंड में 8 शतक) और सुनील गावस्कर (वेस्टइंडीज में 7 शतक) जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 43 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2710 रन बनाए हैं।

बड़ौदा ने रचा इतिहास

349 रन बनाकर टी20 में कायम किया सबसे बड़ा टोटल बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। बड़ौदा की टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कमाल करते हुए टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा टोटल बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कामय कर दिया. टूर्नामेंट में सिक्किम के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले की पहली पारी में बैटिंग करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 349/5 रन बोर्ड पर लगा दिए. यह अब तक टी20 क्रिकेट (टी20 इंटरनेशनल में भी) इतिहास का सबसे बड़ा टोटल बन गया.

इससे पहले टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा टोटल बनाने का रिकॉर्ड जिम्बाब्वे का नाम पर दर्ज था. 23 अक्टूबर, 2024 को जिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 20 ओवर में 344/4 रन बोर्ड पर लगाए थे.

सबसे बड़े टोटल के अलावा बने कई और रिकॉर्ड

बड़ौदा ने सिक्किम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में टी20 इतिहास का सबसे बड़ा टोटल बनाने के अलावा एक टी20 पारी में सबसे ज्यादा 37 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी कायम किया. इसके अलावा टी20 मुकाबले की एक पारी में बाउंड्री (छक्के और चौके) की मदद से सबसे ज्यादा 294 रन बनने का रिकॉर्ड भी कामय हुआ. यह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में पहला 300 से ज्यादा का स्कोर रहा. इससे पहले टूर्नामेंट में सबसे बड़ा स्कोर पंजाब ने पिछले सीजन यानी 2023 में बनाया था. पंजाब ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में 20 ओवर में 275/6 रन बनाए थे.

ऐसा रहा पूरी पारी का हाल, भानु पनिया ने जड़ा शतक

मुकाबले में बड़ौदा ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया और 20 ओवर में 349/5 रन बोर्ड पर लगा दिए. इस दौरान टीम के लिए भानु पनिया ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 51 गंदों में 5 चौके और 15 छक्को की मदद से 134* रन बनाए.

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 262.75 रनों का रहा. इसके अलावा शिवालिक शर्मा, अभिमन्यु सिंह और विष्णु सोलंकी ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़े. शिवालिक ने महज 17 गेंदो में 3 चौके और 6 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 323.53 का रहा. इसके अलावा अभिमन्यु सिंह ने 17 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्कों की मदद से 53 रन स्कोर किए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 311.76 का रहा.

अभिषेक शर्मा ऐसे गरजे की सहम गया मेघालय, 28 गेंद शतक ठोक कर ली उर्विल की बराबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल लेवल पर टी20 क्रिकेट में ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का बल्ला पिछले कुछ दिनों से नहीं चल रहा था, लेकिन सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 2024 में उन्होंने मेघालय के खिलाफ ऐसी पारी खेली की मैदान पर तूफान आ गया।

अभिषेक ने अपनी तूफानी शतकीय पारी के दम पर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए तो वहीं पंजाब को मेघालय पर 7 विकेट से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस मैच में मेघालय ने पंजाब के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए और इसके जवाब में पंजाब ने 9.3 ओवर में 3 विकेट पर 144 रन बनाकर मैच को जीत लिया और ये कमाल अभिषेक की नाबाद 106 रन की पारी के दम पर संभव हुआ। उन्होंने ये पारी 29 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से खेली। अभिषेक शर्मा को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अभिषेक ने ठोका टी20 का सबसे तेज शतक

पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा ने मेघालय के खिलाफ 28 गेंदों पर शतक लगाया और वो भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले की लिस्ट में उर्विल पटेल के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर आ गए। उर्विल ने सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 2024 में ही कुछ दिनों पर 28 गेंदों पर शतक लगाया था।

भारत की तरफ से टी20 में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं जिन्होंने ये कमाल 32 गेंदों पर किया था तो वहीं रोहित शर्मा ने ऐसा 35 गेंदों पर किया था और वो तीसरे नंबर पर हैं।

हरभजन सिंह और एमएस धोनी के बीच में आई दरार?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि 10 सालों से उनकी एमएस धोनी से बात नहीं हुई. भज्जी ने इस खुलासे से सभी को चौंका दिया. हरभजन ने कहा कि मैदान के बाहर धोनी से बात किए हुए उन्हें 10 साल से भी ज्यादा वक्त गुजर गया. भज्जी ने कहा कि उनकी बाकी तमाम साथी क्रिकेटर्स के बात होती है, लेकिन धोनी से नहीं. भज्जी 2018 और 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे. हरभजन ने बताया कि इसी दौरान दोनों की फील्ड पर बात हुई. इसके अलावा दोनों के बीच बातचीत हुए 10 साल से ज्यादा का वक्त गुजर गया है. करते हुए भज्जी ने कहा, धोनी से मेरी बात नहीं होती है. जब सीएसके में खेल रहा था तभी बातचीत होती थी. 10 साल से भी ज्यादा हो गए बात नहीं हुई. कोई वजह नहीं है बात ना करने की. शायद उसके पास कोई वजह हो, तो मुझे नहीं पता कि क्या वजह है.

पूर्व साथी ने स्टार फुटबॉलर को लेकर किया बड़ा दावा

इस्लाम अपनाना चाहते हैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर उनके पूर्व साथी फुटबॉलर ने बड़ा दावा किया है। रोनाल्डो अल नस्र के लिए खेलते हैं। इसी क्लब के पूर्व गोलकीपर अब्दुल्ला वलीद का कहना है कि रोनाल्डो इस्लाम अपनाना चाहते हैं। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि स्टार फुटबॉलर खुद यह इच्छा जाहिर की है। एक टीवी शो में अब्दुल्ला ने कहा कि रोनाल्डो ने सउदी अरब में आकर इस्लाम की इज्जत करने लगे हैं। वह चाहते हैं कि वह इसे अपनाए। उन्होंने कहा, 'रोनाल्डो वाकई में इस्लाम कबूलना चाहते हैं। मैंने उससे बात की है और उसने दिलचस्पी दिखाई है। वह अभी से गोल करने के बाद सजदा करने लगे हैं।

वह हमेशा खिलाड़ियों को दुआ करने और इस्लामिक प्रैक्टिस करने को कहते हैं। साउदी अरब के पूर्व स्टार फुटबॉलर ने बताया कि रोनाल्डो खुद ही ट्रेनिंग के दौरान कोच से कहते हैं कि अजान के समय खिलाड़ियों को ब्रेक दिया जाए ताकि वह नमाज पढ़ सके। अपनी जारी रखते हुए कहा, 'शुरुआत में मैं रोनाल्डो के काफी करीब था। वह सउदी अरब के कल्चर को नहीं समझता था। उसे यह सब जानने में बहुत दिलचस्पी थी। वह बहुत सवाल करता था।

पिछले साल मई में उन्होंने गोल करके सजदा किया तो सभी खिलाड़ियों ने अल्लाह-हो-अकबर कहा था।' साल 2023 में रोनाल्डो के अल नासर में जाने से पहले भी ऐसी ही रिपोर्ट्स आई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पूर्व रियल मैड्रिड टीम के साथी खिलाड़ी मेसुत ओज़िल और करीम बेंजेमा ने उन्हें मुसलमान बनने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

रोनाल्डो ने 2022 में किया था नस्र

रोनाल्डो 2022 से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ नाता खत्म करने के बाद इस दिग्गज खिलाड़ी ने शुक्रवार को सऊदी के इस बड़े क्लब के साथ डील फाइनल की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह डील 1700 करोड़ (200 मिलियन यूरो) से ज्यादा की है। उन्होंने जून 2025 तक के लिए अल नासर के साथ डील की है।

भारतीय बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन, ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत

ब्रिस्बेन, एजेंसी। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण भारत को पहले महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया से 202 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में 100 रन पर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया भी बीच में थोड़ी देर के लिए लड़खड़ा गया था जब तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (45 रन देकर तीन विकेट) ने एक ओवर में दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को इसके अलावा हालांकि लक्ष्य हासिल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। अपना पहला वनडे खेल रही सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (42 गेंदों पर नाबाद 46) ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपनी पारी के दौरान रेणुका सिंह पर काउ कॉर्नर क्षेत्र में दर्शनीय छक्का भी लगाया था। उनकी सलामी जोड़ीदार फोएबे लीचफील्ड (29 गेंदों में 35 रन) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। लीचफील्ड ने लगातार छह चौके लगाए, जिनमें से चार रेणुका और दो अपना पहला वनडे खेल रही तेज गेंदबाज टिटास साधु की गेंदों पर लगे।

दूसरा वनडे आठ दिसंबर को यहां एलन बॉर्डर फील्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत की नींव तेज गेंदबाज मेगन शुट्ट ने रखी।

तालिबान सरकार के फैसले पर राशिद खान ने अपनाया कड़ा रुख

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठाई आवाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान मौजूदा वक्त में दुनिया के सबसे मशहूर क्रिकेटर्स में शुमार किए जाते हैं. राशिद को क्रिकेट खेलने वाले तमाम देशों में पसंद किया जाता है.

उन्होंने अपने खेल से एक अलग ही छाप छोड़ी है. राशिद अफगानिस्तान की एक बड़ी आवाज हैं. उन्होंने देश की तालिबान सरकार के एक फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए महिलाओं के लिए आवाज बुलंद की.

दरअसल, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिलाओं को मेडिकल इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करने से बैन कर दिया है. चद्धड्डड्डद्वड्ड प्रेस के मुताबिक, काबुल में दाई और नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स को इंस्टीट्यूट में एंट्री करने से रोक दिया गया. उन्हें मौखिक रूप से तालिबान सरकार के आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया कि फिलहाल क्लास सस्पेंड हैं.

इस मुद्दे पर आवाज बुलंद करते हुए राशिद खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, इस्लामी शिक्षा में शिक्षा एक केंद्रीय स्थान रखती है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है. कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों जेंडर के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है. राशिद ने आगे लिखा, मैं गहरे दुख और निराशा के साथ अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूट के बंद होने पर विचार करता हूं.

मैं हाथ उठाकर बोल सकता हूं बुमराह अभी तीनों फार्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है:रिकी पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के रूप में सराहना की है।

पिछले हफ्ते बुमराह की कप्तानी में भारत ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट में 295 रनों की जीत हासिल की थी। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर रोक दिया था। फ्रंट-लाइन पेसर मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में बुमराह ने सिराज, हर्षित राणा और नितीश रेड्डी के साथ शानदार गेंदबाजी की। बहरहाल, पोंटिंग ने कहा कि कप्तान के लिए खड़ा होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि उसने

सभी को दिखाया कि वह खेल के सभी प्रारूपों में स्पष्ट रूप से दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज क्यों है।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को फायदा हुआ क्योंकि भारत 150 रन पर आउट हो गया। लेकिन इसके बाद बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को तोड़ दिया, जिससे उनका स्कोर 19/3 हो गया, नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा और स्टीवन स्मिथ सभी पहले सात ओवरों के अंदर उनके शिकार बन गए। पोंटिंग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने टेस्ट में खुद को हर दूसरे खिलाड़ी से अलग दिखाया। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने वहां क्या किया, न केवल पहली पारी में बल्कि पूरे खेल में? उनकी गति, उनकी निरंतरता, गेंद को हिलाने की उनकी क्षमता, लगातार स्टंप्स को चुनौती देने और स्टंप्स को हिट करने की उनकी क्षमता, यह उनके और बाकी गेंदबाजों के बीच का अंतर था। जब पोंटिंग से बुमराह के कद के बारे में उनकी राय पूछी गई तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह निश्चित तौर पर भारत के महानतम तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले के कई महान खिलाड़ियों ने तीनों प्रारूपों में उतना नहीं खेला जितना उन्होंने खेला है।

पोंटिंग ने कहा कि मैं अपना हाथ ऊपर उठाकर कह सकता हूं कि टी20 क्रिकेट, वनडे क्रिकेट और टेस्ट मैच क्रिकेट में वह अभी स्पष्ट रूप से सर्वश्रेष्ठ हैं। पोंटिंग ने कहा कि यह सब विकेट के बारे में नहीं है। यह लंबे समय तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के बारे में है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

जिलाधिकारी ने फसल कटनी प्रयोग का किया विस्तृत निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अंतर्गत औरंगाबाद जिले में एक महत्वपूर्ण कृषि प्रयोग किया गया है, जिसे अब जिला प्रशासन की निगरानी में और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत सीसीई एग्री एप के माध्यम से हो रहे फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार को सटीक तरीके से लागू किया जा रहा है और किसानों को इसका सही लाभ मिल रहा है। यह कार्यक्रम जिले के कृषि क्षेत्र में एक नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। श्रीकांत शास्त्री औरंगाबाद के बारूण प्रखंड स्थित जनकोप पंचायत के सनथुआ गांव पहुंचे, जहां उन्होंने किसान शिवराज प्रजापति के खेत में किए जा रहे फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। इस प्रयोग का उद्देश्य किसानों को बेहतर तकनीकी विधियों से अवगत कराना और उनके कृषि कार्यों में सुधार करना था। फसल कटनी प्रयोग को वैज्ञानिक विधि से निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया गया था। इसमें 10X05 मीटर का क्षेत्रफल लिया गया था, जिससे 38.600 किलो उपज प्राप्त हुआ। इस निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार की दिशा में और भी अधिक जागरूकता फैलाने की बात की और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि किसानों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर और सही तरीके से मिल सके। यह प्रयोग यह दर्शाता है कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार के साथ बेहतर उत्पादन संभव है और इस दिशा में औरंगाबाद जिले में भविष्य में और भी योजनाओं का विस्तार किया जा सकता है।

इस कार्यक्रम के दौरान औरंगाबाद जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। इनमें जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मोती कुमार दिनकर, जिला कृषि पदाधिकारी रामईश्वर प्रसाद, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी अभय प्रताप सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह और प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी उपेंद्र कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेश कुमार रंजन शामिल थे। साथ ही, कृषि समन्वयक, राजस्व कर्मचारी और पंचायत सचिव भी इस निरीक्षण में शामिल थे, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला पार्षद धनंजय कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष और जनकोप पंचायत के मुखिया नीरज कुमार भी मौजूद थे। इसके अलावा, दर्जनों किसान और ग्रामीण इस निरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बने और उन्होंने इस प्रयोग के माध्यम से अपनी समस्याओं को भी जिलाधिकारी के सामने रखा। किसानों ने इस प्रयोग को लेकर उत्साह व्यक्त किया और आशा जताई कि इससे उन्हें कृषि कार्यों में बेहतर परिणाम मिलेंगे। इस कार्यक्रम से यह स्पष्ट हो गया कि कृषि में सुधार के लिए तकनीकी बदलाव और नई वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। जिला प्रशासन का यह कदम किसानों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जिससे कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को बेहतर उपज हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाना भी प्राथमिकता में रहेगा।

न्यूज बाइट्स

14 को लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन हेतु 2035 सुलहनीय वाद चिन्हित

औरंगाबाद (का. सं.)। औरंगाबाद में 14 दिसंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण के लिए प्रारंभिक स्तर पर विभिन्न न्यायालयों में लंबित 2035 सुलहनीय वाद चिन्हित किए गए है। इनमें 60 के निस्तारण हेतु सहमति प्राप्त हो गई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजकुमार ने गुरूवार को प्रेसवार्ता में कहा कि यह उनके कार्यकाल का दूसरा और 2024 का चौथा एवं अंतिम लोक अदालत है। इस लोक अदालत में सुलहनीय वादों के निस्तारण के लिए 5000 पक्षकारों को नोटिस निर्गत किया गया है। कहा कि लोक अदालत में वादों के निष्पादन को लेकर सभी संबंधित विभागों, न्यायालय एवं संबधित अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठक की गई है। बैठकों में सभी ने सार्थक सहयोग का भरोसा दिया है, जिसका प्रतिफल राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आएगा। प्रेसवार्ता में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सत्यभूषण आर्या ने कहा कि लोक अदालत में परिवारिक मामलों के निष्पादन में औरंगाबाद जिले को अव्वल बनाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

श्रमिकों के निबंधन के लिए श्रम संसाधन विभाग ने लगाया विशेष कैंप

औरंगाबाद (का. सं.)। श्रम संसाधन विभाग द्वारा गुरूवार को औरंगाबाद प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित मनरेगा भवन में निर्माण श्रमिकों एवं मनरेगा श्रमिकों के निबंधन हेतु विशेष कैंप का आयोजन लगाया गया। कैंप में औरंगाबाद के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी ने कैंप में आए श्रमिकों को बोर्ड योजना की संपूर्ण जानकारी दी। साथ ही ऑन स्पॉट 118 श्रमिकों का निबंधन बोर्ड के पोर्टल पर किया गया। उपस्थित श्रमिकों को यह भी जानकारी दी गई कि निबंधन से उन्हें बोर्ड द्वारा संचालित 16 तरह की योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा जिसमें मातृत्व लाभ, पितृत्व लाभ, नगद पुरस्कार, साइकिल क्रय योजना, मृत्यु अनुदान, दाह संस्कार हेतु सहायता, पेंशन योजना आदि शामिल हैं। निबंधन हेतु न्यूनतम 90 दिन निर्माण श्रमिक के रूप में कार्य किया जाना अनिवार्य है। निबंधन हेतु आधार कार्ड, रंगीन फोटोग्राफ, बैंक पासबुक एवं कार्य प्रमाण पत्र संबंधित घोषणा पत्र अनिवार्य है।

जिलाधिकारी ने किया प्लेस ऑफ सेफ्टी का निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के जिलाधिकारी सह जिला निरीक्षण समिति के अध्यक्ष श्रीकांत शास्त्री ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ गुरुवार को विधि विरुद्ध बालकों के लिए बभंडी में संचालित सुरक्षित स्थान (प्लेस ऑफ सेफ्टी) का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने साफ-सफाई की स्थिति पर संतोष जताया। निरीक्षण के दौरान उन्होने प्रत्येक वार्ड के बच्चों से पूछताछ भी की। गृह में आवासित बालकों को मुहैया कराए जा रहे भोजन एवं वस्त्र पर भी संतोष जताया। उन्होने संसीमित बच्चों को कहानी की एवं धार्मिक किताबें उपलब्ध कराने का निर्देश बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक को दिया। पूछने पर सहायक निदेशक ने डीएम को बताया कि प्रतिनियुक्त चिकित्सक आवश्यकतानुसार ही गृह में आते हैं। इसे लेकर डीएम ने असैनिक शल्य चिकित्सक को निर्देश दिया कि प्रतिनियुक्त चिकित्सक की गृह में नियमित रुप से उपस्थिति सुनिश्चित कराए। वही समिति के अन्य सदस्यों ने 'आरोहण' विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान संस्थान में 05 बच्चे(विशेष आवश्यकता वाले 4 सहित) आवासित थे। सस्थान में समन्वयक, एएनएम आदि सभी कर्मी मौजूद थे। इस मौके पर समिति के अन्य सदस्यों ने संस्थान की साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त किया एवं संस्थान में मौजूद कर्मियों को आवासित बच्चों का उचित तरीके से देखभाल करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने दिया 106 अभ्यर्थियों को स्टडी व टूल किट

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने गुरुवार को समाहरणालय, सभाकक्ष में बेरोजगार युवाओं को नियोजन में सहायता के लिए टूल किट एवं स्टडी किट प्रदान किया। किट के लिए युवाओं का चयन श्रम संसाधन विभाग के अधीन जिला नियोजनालय द्वारा किया गया है। इस दौरान नियोजन सेवा विस्तार कार्यक्रम के तहत नियोजनालय में निबंधित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित कुल 20 अभ्यर्थियों को स्वरोजगार हेतु संबंधित ट्रेड का टूल किट निःशुल्क प्रदान किया गया। साथ ही नियोजन-सह-मार्गदर्शन कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले न्यूनतम पारिवारिक वार्षिक आय 1.80 लाख रूपये से कम तथा नियोजनालय में निबंधित कुल 86 अभ्यर्थियों को संबंधित परीक्षा की पुस्तकें स्टडी किट के रूप में निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने टूल किट एवं स्टडी किट योजना को आर्थिक रूप से कमजोर बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़कर बेहतर आजीवका प्राप्त करने में उपयोगी बताया। प्रतियोगिता परीक्षा संबंधी पुस्तकों के अभाव में आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी सही ढंग से नही कर पाते। स्टडी किट पुस्तक के अभाव को दूर कर उन्हें प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा तथा वे सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकेंगे। इसी प्रकार तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी टूल किट का उपयोग स्वरोजगार के रूप में करते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, जिला नियोजन पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पिकअप वाहन में अज्ञात हाईवा ने मारी टक्कर, चार घायल

निज संवाददाता | औरंगाबाद

हरिहरगंज बाजार में तेज रफ्तार हाइवा ने पिकअप वैन में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे पिकअप वाहन में सवार एक किशोरी समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घायल की पहचान गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के बुधौल गांव निवासी मनदीप रिकियाशन, उनकी 15 वर्षीय पुत्री सोनाली कुमारी, लक्ष्मण रिकियासन, राजेश रिकियासन के रूप में की गई है। सभी घायलों को बुधवार की रात्रि में डॉक्टर प्रवीण अग्रवाल के देखरेख में इलाज की गई। घायल सोनाली कुमारी की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायल सोनाली कुमारी के सर में गहरी चोटे आई है। वही तीन अन्य घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल लक्ष्मण रिकियासन ने बताया कि हम लोग मजदूरी का कार्य करते हैं। बुधवार को झारखंड राज्य के गढ़वा में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। उसी में हमलोग मजदूरी का कार्य कर रहे थे। बुधवार की देर शाम वापस घर लौट रहे थे। तभी अनियंत्रित हाईवा ने पीछे से टक्कर मार दी। बता दें कि घायलों को स्थानीय लोग और ठिकेदार के माध्यम इलाज के लिए भर्ती करवाया गया।

जीते हुए प्रत्याशी के समर्थकों की पिटाई, एक युवक घायल

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड के कंचनपुर पैक्स चुनाव की मतगणना खत्म होते ही दो प्रत्याशी के समर्थक आपस में भिड़ गए। जिसमें दोनों पक्ष के लोग घायल हुए। सदर अस्पताल में इलाज के लिए अब तक एक ही घायल भर्ती करवाया गया है। जिसकी पहचान बारुण थाना क्षेत्र के ग्राम मुंग्याठी निवासी सुरेश मेहता का पुत्र विकास कुमार (26) के रूप में हुई है। घायल विकास कुमार ने बताया कि पैक्स चुनाव का मतगणना केशव मोड़ के स्थित राजकीय कृत उच्च विद्यालय में चल रहा था। इसी बीच हमलोगों की ओर से प्रत्याशी संतोष कुमार उर्फ चिंटू सिंह जैसे ही चुनाव जीत की घोषणा की गई। वैसे ही दूसरे पक्ष के हारे हुए प्रत्याशी अरविंद कुमार यादव के समर्थकों ने मेरे ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे मैं वहां पर गिर पड़ा। घायल ने बताया कि मारपीट करने वाले बिट्टू यादव, सुमन चौधरी, जितेंद्र यादव सहित अन्य लोगों ने मुझ पर लोहे के रड से हमला किया। इसी बीच कंचनपुर के वर्तमान मुखिया बसंत कुमार सिंह के गाड़ी के ऊपर भी हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार संतोष कुमार सिंह 1235 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी।

वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल शरण सिंह ने अपने स्व. पिता की पुण्यतिथि पर गरीबों में बांटे कंबल और भोजन

निज संवाददाता | औरंगाबाद

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मां मुंडेश्वरी ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन गोपाल शरण सिंह के स्वर्गीय पिता रामराज सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर गरीबों के बीच कंबल और भोजन वितरण का कार्यक्रम बड़े उत्साह और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन शहर के प्रमुख स्थान पर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर गोपाल शरण सिंह ने कहा कि उनके पिता हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में विश्वास रखते थे, और इसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए वे हर वर्ष 4 दिसंबर को इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इस बार भी उनके परिवार और समर्थकों ने मिलकर सैकड़ों गरीबों को कंबल और गर्म भोजन उपलब्ध कराया।

कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय लोगों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने हाथों से कंबल और भोजन वितरित किया। आयोजन स्थल पर जरूरतमंद लोगों की लंबी कतारें देखी गईं, जो इस पहल की सफलता और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती हैं। गोपाल शरण सिंह और उनके परिवार की यह पहल सिर्फ शहर तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपने पिता की पुण्य स्मृति में गांव-गांव जाकर गरीबों के घरों तक कंबल और भोजन पहुंचाने का भी अभियान चला रखा है। उनका कहना है कि ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे, यही उनका उद्देश्य है।

इस मौके पर गोपाल शरण सिंह ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि उनकी शिक्षा और आदर्श ही उनके जीवन की प्रेरणा हैं। कार्यक्रम में समाजसेवियों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने भी अपनी भागीदारी दी, जिससे यह आयोजन और अधिक सफल हो सका। गरीबों की सेवा के प्रति इस प्रयास ने न केवल जरूरतमंदों को राहत दी बल्कि समाज के हर वर्ग को यह संदेश भी दिया कि मदद के लिए आगे आना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। गोपाल शरण सिंह के इस अभियान की सराहना हर ओर की जा रही है।

मौआर खैरा के पैक्स पद पर सतीश कुमार सिंह की जीत

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड के मौआर खैरा में हाल ही में हुए पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव में सतीश कुमार सिंह ने अभूतपूर्व जीत दर्ज की। सतीश कुमार सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 510 वोटों के विशाल अंतर से हराया, जो उनके समर्थकों के लिए एक ऐतिहासिक पल था। यह चुनाव प्रखंड में बेहद उत्साह और जोश के साथ हुआ, जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर वोटिंग में हिस्सा लिया। सतीश कुमार सिंह की इस शानदार जीत ने क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ा दी है। उनके समर्थक इस जीत को न केवल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम मानते हैं, बल्कि इसे क्षेत्र की विकास की दिशा में एक नया कदम भी मान रहे हैं। सतीश कुमार सिंह ने चुनाव परिणाम के बाद कहा कि 'यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि क्षेत्र के हर एक व्यक्ति की जीत है। अब मेरा लक्ष्य यह है कि मैं क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए मजबूती से काम करूं और पैक्स से संबंधित सभी योजनाओं को वास्तविकता में बदलूं। उन्होंने यह भी कहा कि इस जीत के बाद वह अपनी जिम्मेदारी को और भी बढ़ाकर निभाएंगे और क्षेत्रवासियों के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। सतीश कुमार सिंह का कहना है कि वह पैक्स से जुड़ी हर योजना को सही तरीके से लागू करेंगे, ताकि इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके।

पैक्स गोदाम का हुआ उद्घाटन, कार्यकारिणी की हुई बैठक

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज के केराप पंचायत के लभरी गांव में नये पैक्स गोदाम का उद्घाटन बीसीओ अरूण कुमार, विकास कुमार नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष बसंत यादव, जिप प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव एवं प्रबंधक अरविंद कुमार ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद पैक्स प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता अध्यक्ष बसंत यादव ने की जबकि संचालन अरविंद कुमार ने किया। बसंत यादव ने सभी सदस्य एवं अतिथि को माला पहनाकर सम्मानित किया।

सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार राज्य सरकार के सचिवालय, पटना के निर्देश के तहत और मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर, सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय, औरंगाबाद में 4 से 6 दिसंबर तक देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में राष्ट्र प्रेम और सामाजिक जागरूकता की भावना को प्रेरित करना है। कार्यक्रम के पहले दिन 4 दिसंबर को भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसके बाद महाविद्यालय परिसर में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके साथ ही सेमिनार हॉल में एक महत्वपूर्ण चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों और छात्रों ने अपने विचार साझा किए। डॉ. संजीव रंजन, श्रीमती नीतू सिंह, डॉ. निहारिका कुमारी, अमित रंजन, मनजीत कुमार, रेणु कुमारी, विभीषण कुमार, अनिल कुमार सिंह, डॉली कुमारी, श्वेता कुमारी और शशि कांत कुमार जैसे वक्ताओं ने देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्रों को विशेष रूप से व्याख्यान के दौरान प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया गया, और जिन छात्रों ने सही उत्तर दिए, उन्हें पुरस्कार स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

बिहार सरकार

संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि गृह रक्षा वाहिनी संगठन का 78वाँ स्थापना दिवस समारोह दिनांक 06 दिसम्बर 2024 को मनाया जा रहा है।

बिहार गृह रक्षा वाहिनी के स्वयंसेवक अनुशासन एवं कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ विधि व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण, सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, संकट के समय बचाव एवं राहत कार्य तथा पुलिस बल व स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग जैसे अपने दायित्वों का बखूबी निर्वाह करते हैं। गृहरक्षकों का प्रशिक्षण सेना के प्रशिक्षकों की देख–रेख में हो रहा है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में प्रशंसनीय सुधार आया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि गृह रक्षा वाहिनी राज्य की सेवा में इसी प्रकार तत्पर रहेगी।

मैं बिहार गृह रक्षा वाहिनी के '**स्थापना दिवस**' के अवसर पर गृह रक्षा वाहिनी संगठन के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 014126 (Home) D. 2024-25

सत्यमेव जयते
राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि गृह रक्षा वाहिनी संगठन के 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन 06 दिसम्बर, 2024 को बिहार गृह रक्षा वाहिनी के केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहटा, पटना में किया जा रहा है।

बिहार गृह रक्षा वाहिनी पुलिस बल व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एक दक्ष बल की भाँति समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर रहा है। आपदा–प्रबंधन एवं आवश्यक सेवाओं को बनाये रखने में इस संगठन की महती भूमिका रही है। अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु इसे अनेक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

गृह रक्षा वाहिनी में स्वच्छ नामांकन होने से विभाग में नये रक्त का संचार हुआ है। दूसरी ओर, गृहरक्षकों के प्रशिक्षण सेना के प्रशिक्षकों की देख–रेख में होने के कारण प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि गृह रक्षा वाहिनी संगठन अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित होकर समाज एवं राष्ट्र की सेवा में इसी प्रकार तत्पर रहेगा।

मैं गृह रक्षा वाहिनी संगठन के **78वें स्थापना दिवस** के अवसर पर इसके सदस्यों को हार्दिक शुभकामना एवं बधाई देता हूँ।

(राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर)

PR No.-014125 (Home)D. 2024-25